आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
26.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.35
सूर्यास्त 07.01

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी 09:42 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 3 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 254, पृष्ठ 14+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

भारत साइबर सुरक्षा में निभा रहा अग्रणी भूमिका- 12

भारत ने 2024 में रिकॉर्ड 18900 अंग किए प्रत्यारोपण - 9

मोदी, योगी भागवत को ब्लास्ट केस में फंसाने की थी साजिश, नाम न लेने पर मुझे टॉर्चर किया गया- 13

दिसंबर में भारत आएंगे स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी- 14

बेटियों के सिंदूर का बदला हुआ पूरा, यह भारत का रौद्र रूप : मोदी

काशी में बोले प्रधानमंत्री, वही खरीदें-बेचें जिसे बनाने में भारतीयों का पसीना बहा

- किसानों को 20,500 करोड़ की सम्मान निधि, पूर्वांचल को दिए 2200 करोड़ के 52 प्रोजेक्ट

राज्य ब्यूरो, वाराणसी/लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को काशी में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को महादेव के चरणों में समर्पित करते हुए कहा कि यह भारत का रौद्र रूप है। नया भारत भोलेनाथ को पूजता है और देश के दुश्मनों के सामने काल भैरव बन जाता है। कहा कि महादेव के आशीर्वाद से ही बेटियों के सिंदूर का बदला लेने का उनका वचन पूरा हो सका। विपक्षी दलों पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि उधर आतंक का आका रोता है, इधर कांग्रेस और सपा वाले आतंकियों की हालत देखकर रोते हैं। स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के संकल्प का आह्वान करते हुए कहा कि वही खरीदें-बेचें जिसे बनाने में भारतीयों का पसीना बहा है।

मोदी ने शनिवार को वाराणसी के सेवापुरी स्थित बनौली गांव में आयोजित जनसभा में पहले देशभर के किसानों को 20,500 करोड़ की सम्मान निधि और पूर्वांचल के लिए 2200 करोड़ की 52 परियोजनाओं की सौगात दी। अपना उद्बोधन नमः पार्वती पतये हर हर महादेव से शुरू किया। भोजपुरी में लोगों को प्रणाम करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद वे पहली बार काशी आए हैं। कहा कि अपनी बेटियों के सिंदूर का बदला लेने का वचन लिया था, जो अब पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नया भारत है, जिस पर वार करेगा, वो पाताल में भी नहीं बचेगा। बोले कि स्वदेशी मिसाइलों और ड्रोन ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने खंडहर बना दिए हैं। उनके कई एयरबेस आज भी आईसीयू में हैं। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर देश के कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस, उनके चेले-चपाटे और उनके दोस्त इस बात को पचा नहीं पा रहे कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर लिया। पाकिस्तान दुखी है, ये समझा जा सकता है, लेकिन पाकिस्तान का दुख कांग्रेस और सपा को सहन नहीं हो रहा। उधर आतंक का आका रोता है, इधर कांग्रेस और सपा वाले आतंकियों की हालत देखकर रोते हैं।

वाराणसी में शनिवार को एक जनसभा में प्रधानमंत्री मोदी को जीआई क्राफ्ट निर्मित कलाकृति भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

क्या सपा से पूछकर आतंकियों को मारते ?

प्रधानमंत्री ने कटाक्ष किया कि सपा के नेता संसद में कह रहे थे कि पहलगाम के आतंकियों को अभी क्यों मारा। अब बताइए, क्या उन्हें फोन करके पूछूं... कि मारूं कि न मारूं?'' क्या आतंकियों को मारने के लिए इंतजार करना चाहिए? उन्होंने याद दिलाया कि जब सपा उत्तर प्रदेश की सत्ता में थी, तब आतंकियों को क्लीनचिट देती थी और बम धमाकों के आरोपी आतंकियों से मुकदमे वापस लेती थी। इन्हें आतंकियों के मारे जाने और ऑपरेशन सिंदूर के नाम से परेशानी हो रही है।

घर में घुसकर मारने का माद्दा रखता है नया भारत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है। नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है। सीएम ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। पिछले 11 वर्ष में चार दर्जन से अधिक देशों ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान समर्पित किया है। लोककल्याण और विश्वकल्याण के लिए दुनिया उनकी दूरदर्शिता का लोहा मानती है।

हमारी सेना के पराक्रम को कांग्रेस बता रही तमाशा

मोदी ने कहा कि कांग्रेस हमारी सेनाओं के पराक्रम का लगातार अपमान कर रही है और ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा जा रहा है। सेना के पराक्रम को तमाशा कहने की निर्लज्जता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा कि तीसरी महाशक्ति बनना है तो स्वदेशी को अपनाना ही होगा। वोकल फॉर लोकल के मंत्र को अपनाने और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा कि घर में जो भी नया सामान आए, वह स्वदेशी ही हो।

कुलगाम में सुरक्षाबलों ने दो आतंकी मार गिराए

- अखल के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान हुई मुठभेड़

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों के साथ शनिवार को मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर जिले के अखल के वन क्षेत्र में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था, जिसके बाद रात में दोनों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई।

उन्होंने बताया कि शुरुआत में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी शुरू होने के बाद रात में अभियान को रोक दिया गया था। उन्होंने बताया कि घेराबंदी को मजबूत किया गया तथा क्षेत्र में अतिरिक्त बल को भी तैनात किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शनिवार सुबह गोलीबारी फिर शुरू हुई, जिसमें दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन का पता लगाया जा रहा है। मुठभेड़ अब भी जारी है।

अमरनाथ यात्रा समापन से एक हफ्ते पहले ही स्थगित

- बारिश से यात्रा मार्ग खराब होने पर लिया गया निर्णय

श्रीनगर। प्रशासन ने वार्षिक अमरनाथ यात्रा को इसके तय समापन से एक सप्ताह पहले स्थगित कर दिया है। हाल ही में हुई वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त मार्गों के रखरखाव की जरूरत के कारण यह निर्णय लिया गया है।

इस वर्ष तीन जुलाई से शुरू हुई यात्रा का रक्षाबंधन के दिन नौ अगस्त को समापन होना है। हालांकि भारी बारिश के मद्देनजर मरम्मत और रखरखाव कार्यों का हवाला देते हुए अवधि एक सप्ताह घटा दिया गया। कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने शनिवार को बताया कि हाल ही में भारी बारिश और अमरनाथ यात्रा मार्ग के बालटाल और पहलगाम दोनों छोरों पर मार्ग के रखरखाव की आवश्यकता के कारण दोनों मार्गों पर यात्रा बंद कर दी गई है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, आर्गन ट्रांसप्लांट यानी जीवनदान व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। –संपादक

ब्रीफ न्यूज

कर्नाटक में 18 स्थानों पर एनआईए का छापा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार को बजरंग दल के सदस्य सुहास शेट्टी की हत्या के मामले में कर्नाटक के विभिन्न जिलों में 18 स्थानों पर व्यापक छापेमारी की। एनआईए के बयान में कहा गया है कि शेट्टी पर इस साल मई में मंगलुरु शहर के बाजपे इलाके में आरोपी अब्दुल सफवान और अन्य लोगों ने घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हमला किया और उनकी हत्या कर दी। इसमें कहा गया है कि हत्या का उद्देश्य समाज में आतंक फैलाना था।

अंदर देखें... ग्लैम वर्ल्ड

प्रज्वल रेवन्ना को उम्रकैद

दुष्कर्म के मामले में विशेष अदालत ने सुनाई सजा

- अदालत ने पूर्व जेडीएस सांसद पर 10 लाख जुर्माना भी लगाया

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक में यहां की एक विशेष अदालत ने पूर्व सांसद एवं जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को बलात्कार के एक मामले में शनिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सांसदों/विधायकों के लिए विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने दोषी पर कुल 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अदालत ने शुक्रवार को 34 वर्षीय रेवन्ना को उसके खिलाफ दर्ज यौन शोषण और बलात्कार के चार मामलों में से एक में दोषी ठहराया था। यह मामला 48 वर्षीय उस महिला से जुड़ा है, जो हासन जिले के होलेनरसीपुरा में स्थित रेवन्ना परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में सहायिका के रूप में काम करती थी। वर्ष 2021 में उसके साथ दो बार बलात्कार किया गया था और आरोपी ने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया था। इससे पहले दिन में रेवन्ना ने कम सजा दिए जाने की अपील की और दावा किया कि कुछ भी गलत नहीं किया। पूर्व सांसद ने कहा था कि मेरा एक परिवार है, छह माह से माता-पिता को नहीं देखा। कृपया मुझे कम सजा दें, मैं अदालत से यही अनुरोध करता हूं।

113 के बयान, 1,632 पृष्ठों की चार्जशीट

एसआईटी ने सितंबर 2024 में 113 गवाहों के बयानों के साथ 1,632 पृष्ठों का आरोप-पत्र दाखिल किया था। प्रज्वल पर आईपीसी की धाराओं 376(2)(के), 376(2)(एन), 354ए, 354बी, 354सी, 506 व 201 व आईटी अधिनियम की धारा 66ई के तहत मामला दर्ज किया गया था।

विशेष सरकारी अभियोजक अशोक नायक ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने 26 गवाहों से पूछताछ की और 180 दस्तावेज पेश किए। प्रज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा का पोता है। उसके खिलाफ 4 मामले दर्ज हैं।

ये मामले तब सामने आए थे, जब प्रज्वल से जुड़े अश्लील वीडियो हासन में 26 अप्रैल 2024 को होने वाले लोस चुनाव से पहले प्रसारित हुए थे।

तैयारी | मुख्यमंत्री ने 11 मंत्रियों को सौंपी बाढ़ग्रस्त 12 जिलों की कमान, अफसर भी फील्ड में उतरेंगे

बाढ़ से निपटने को योगी ने उतारी टीम-11

- राहत कार्यों में लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए शनिवार को 11 मंत्रियों की टीम-11 का गठन करते हुए राहत कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी। सभी प्रभावित इलाकों में दौरा करने का निर्देश दिया। जिलों के डीएम, एसपी, सीएमओ सहित समस्त वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड में रहने के साथ 24 घंटे निगरानी व्यवस्था सक्रिय रखने के निर्देश दिए। मंत्री तय जिलों में रात्रि विश्राम भी करेंगे।

योगी ने चेतावनी दी है कि राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि राहत आयुक्त द्वारा जारी अर्ली वार्निंग अलर्ट को संबंधित जिलों की आम जनता तक तत्काल पहुंचाया जाए। सभी संबंधित विभाग आपदा प्रबंधन के प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करें। शहरी क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए नालों की सफाई और पंपिंग स्टेशनों को क्रियाशील रखा जाए। उन्होंने पंपिंग स्टेशन के संचालन के लिए वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति के लिए जनरेटर की भी व्यवस्था करने को कहा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार हर नागरिक की सुरक्षा, भोजन, आवास और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी पूरी प्रतिबद्ध है। योगी ने निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर त्वरित सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे जनता में भ्रम न फैले और संकट काल में संचार तंत्र सशक्त बना रहे। बाढ़ से किसी भी जनपद में जनहानि न हो, इसे सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के कारण जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं, जहां नदी के कटाव से भूमि का नुकसान हुआ है या फिर जिन परिवारों की गृहस्थी नष्ट हो गई है, ऐसे सभी मामलों में 24 घंटे के भीतर सहायता राशि प्रदान की जाए।

बाढ़ प्रभावित जिले एवं प्रभारी मंत्री

बाढ़ प्रभावित जिले एवं प्रभारी मंत्रियों में प्रयागराज, मीरजापुर व बांदा- नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', जालौन- स्वतन्त्र देव सिंह एवं संजय गंगवार, औरैया- स्वतन्त्र देव सिंह एवं प्रतिभा शुक्ला, हमीरपुर- रामकेश निषाद, आगरा- जयवीर सिंह, वाराणसी- सुरेश खन्ना, कानपुर देहात- संजय निषाद, बलिया- दया शंकर मिश्रा 'दयालु', इटावा- धर्मवीर प्रजापति और फतेहपुर- अजीत पाल हैं।

माँ बनने का सपना
अब सिर्फ सपना नहीं
आधुनिक तकनीक के साथ अब संतान प्राप्ति संभव
✓ निःसंतानता
✓ बंद ट्यूब
✓ कम शुक्राणु
✓ अधिक उम्र
✓ अंडों का ना बनना

डा. रूचि श्रीवास्तव
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
स्त्री एवं प्रसूति रोग, विशेषज्ञ
RUCHI IVF
रुचि अतुल अस्पताल
निकट चौपला, बरेली। मो. 9837211131

सीरियस बच्चों के विशेषज्ञ
डा. अतुल श्रीवास्तव
एम.बी.बी.एस., एम.डी.
माँ या पिता किसी के भी आयुष्मान कार्ड से नवजात शिशु का निःशुल्क इलाज

न्यूज ब्रीफ

गन्ना किसानों को जल्द मिलेगा भुगतान

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ से जुड़े गन्ना किसानों को जल्द बकाये का भुगतान मिलेगा। शासन के अधिकारियों के अनुसार, संघ से जुड़ी चीनी मिलों में गन्ना किसानों के बकाये भुगतान के लिए दो सौ करोड़ रुपये जारी किये गये हैं। अधिकारियों के अनुसार निजी चीनी मिलों से भी बकाये भुगतान दिलाने के लिए कार्यवाही की जा रही है।

बुसान एक्सपो में लगेगा यूपी पर्यटन का पवेलियन

अमृत विचार, लखनऊ : अपनी बौद्ध विरासत को लेकर उत्तर प्रदेश की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी। इसके लिए पर्यटन विभाग दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में 7 से 10 अगस्त 2025 तक आयोजित होने वाले बुसान इंटरनेशनल बुद्धिज्म एक्सपो 2025 में प्रतिभाग करेगा। एक्सपो में पवेलियन के माध्यम से 'बोधि यात्रा' और सांस्कृतिक पहचान को विश्व समुदाय के समक्ष प्रदर्शित करेगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को दी।

डॉ. प्रतीक सिंह बने राष्ट्रीय समन्वयक

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के सचिव डॉ. प्रतीक सिंह को भारतीय पशु चिकित्सा संघ (आईवीए) की प्रबंध समिति में सदस्य व गोसेवा के राष्ट्रीय समन्वयक नामित किया गया है। संघ ने उनके सराहनीय कार्य को देखते हुए यह जिम्मेदारी दी है। डॉ. सिंह ने कहा कि संघ में नामित होने पर वह पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ पशुचिकित्सा के लिए अपना योगदान देने का प्रयास करेंगे।

संघर्ष समिति ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन में शासन के इनकार के बाद निदेशक वित्त निधि कुमार नारंग को फिर कार्य विस्तार देने का प्रकरण तूल पकड़ रहा है। निदेशक वित्त को बार-बार विस्तार दिलाने के पीछे निजी घरानों का दबाव की आशंका जताई जा रही है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस प्रकरण में प्रभावी हस्तक्षेप करने की अपील की है।

चिकित्सा संस्थानों में उपकरणों की खरीद के लिए कमेटियां गठित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एक लाख रुपये से ज्यादा के उपकरण खरीदने के लिए अनुमोदन अनिवार्य

अमृत विचार : चिकित्सा संस्थान एवं मेडिकल कॉलेजों में अब सस्ते और विशिष्टता वाले उपकरण खरीदे जाएंगे। इसके लिए प्रदेश में क्लीनिकल, सुपर स्पेशियलिटी एवं अन्य अतिविशिष्ट उपकरण, नॉन क्लीनिकल व पैराक्लीनिकल उपकरण व फर्नीचरों की खरीद के लिए पृथक-पृथक कुल चार कमेटी गठित की जाएंगी।

वर्तमान में शासन द्वारा गठित तीन कमेटियां अगले दो साल तक प्रभावी रहेंगी, और एक लाख रुपये से अधिक के कुल 911 उपकरणों की खरीद में समस्त चिकित्सा संस्थान व मेडिकल कॉलेजों को अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा। यह निर्देश चिकित्सा शिक्षा विभाग की विशेष सचिव कृतिका शर्मा ने केजीएमयू, एसजीपीजीआई, आरएमएल समेत समस्त चिकित्सा संस्थान, राजकीय व स्वशासी मेडिकल कॉलेजों के प्रचार्यों को जारी कर दिया है। विशेष सचिव ने जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि क्लीनिकल उपकरणों की खरीद के लिए डॉ.राम मनोहर लोहिया संस्थान के एनेस्थीसिया विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पीके दास की अध्यक्षता में पहली कमेटी गठित की गयी है जो कि कुल 484 तरह के उपकरणों पर अपनी संस्तुति देगी। इसके अलावा नॉन क्लीनिकल 197 उपकरणों की खरीद के लिए केजीएमयू की डॉ.पुनीता मानिक की अध्यक्षता में और पैरा क्लीनिकल उपकरणों में 230 उपकरणों की खरीद के लिए केजीएमयू में एसपीएम विभाग की डॉ.मोनिका अग्रवाल की अध्यक्षता में टीम गठित की गयी है। ये कमेटियां चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक द्वारा भेजे गए पत्र के क्रम में गठित की गयी हैं।

पहली छमाही जिंदगी पर भारी, हादसे घटे न मौत

नीरज मिश्र, लखनऊ

- सड़क सुरक्षा के आंकड़ों में लगातार बढ़ोत्तरी जारी
- प्रदेश के सभी 75 जिलों में इस वर्ष भी दिखा बड़ा अंतर

अमृत विचार : यातायात नियमों के अनुपालन को लेकर जागरूकता का पाठ पढ़ाते-पढ़ाते दस वर्ष से ज्यादा का वक्त बीत गया है। पर हादसों में गिरावट और उससे होने वाली मौतों के ग्राफ में बहुत ज्यादा अंतर नहीं पड़ा है। सड़क सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों (परिवहन, यातायात, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोनिवि आदि) के सामूहिक प्रयास भी जमीन पर अपना असर डालने में कामयाब होते नहीं दिख रहे हैं।

जिम्मेदारों के दावों का गौर करें तो तिमाही के बाद छमाही का जो आंकड़ा आया है वह भी 'जिंदगी' पर भारी पड़ता नजर आया है। वर्ष

2025 जनवरी से जून में प्रदेश के सभी 75 जिलों में 25,830 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इनमें जान गंवाने वाले 14,205 रहे। गंभीर रूप से घायल होने वालों की संख्या 19,430 रही। जो इसी अवधि में बीते साल की तुलना में काफी अधिक है।

सड़क सुरक्षा विंग में हैं यह महकमे : वर्ष 2015 में सरकार ने रोड सेफ्टी विंग की स्थापना की थी। इसमें यातायात, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक निर्माण, एनएचआई समेत कई विभागों को शामिल किया गया था। इस पूरी विंग को अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में खामियां दूर कर समग्र प्रयास करना था।

पहली छमाही का आंकड़ा

(जनवरी से जून माह तक)	वर्ष 2024	वर्ष 2025	प्रतिशत
सड़क हादसे	22,391	25,830	15.4
मृतकों की संख्या	12,043	14,205	18.0
घायलों की संख्या	16,363	19,430	18.7

इस वर्ष की पहली तिमाही का हाल

इस वर्ष की पहली तिमाही (जनवरी, फरवरी, मार्च-2025) में प्रदेश के सभी जिलों में 12,551 हादसे हुए। इनमें जान गंवाने वाले 6,863 रहे। गंभीर रूप से घायल होने वालों की संख्या 9,399 रही। सड़क दुर्घटनाओं का प्रतिशत 19.8 रहा। इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा 20.6 प्रतिशत बढ़ा। वहीं चोटिलों का फीसद 26.2 प्रतिशत दर्ज किया गया।

ब्रह्मोस करेगी पाकिस्तान के पाप को तबाह

प्रधानमंत्री मोदी ने योगी आदित्यनाथ की सरकार में हो रहे औद्योगिक विकास को सराहा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी में प्रदेश में योगी सरकार के विकास कार्यों की जमकर सराहना की। उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइलें बनने शुरुआत पर खुशी जताते हुए चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान ने फिर कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइलें आतंकियों को तबाह कर देंगी।

प्रधानमंत्री ने यूपी डिफेंस कॉरिडोर की उपलब्धियों पर गर्व जताया और कहा कि मैं यूपी का सांसद हूं। इसके नाते मुझे खुशी है कि ब्रह्मोस मिसाइलें हमारे यूपी में बनेंगी। लखनऊ में इसकी मैन्युफैक्चरिंग शुरू हो रही है। यूपी डिफेंस कॉरिडोर में बने हथियार भारतीय सेना की ताकत बनेंगे। पाकिस्तान में ब्रह्मोस की आवाज से नींद नहीं आती। उन्होंने जनसभा से पूछा कि आत्मनिर्भर सैन्य शक्ति की बात सुनकर आपको गर्व होता है कि नहीं। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और सामाजिक विकास पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि आज यूपी तेज गति से औद्योगिक विकास कर रहा है। देश-दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां निवेश कर रही हैं। इसके पीछे भाजपा सरकार की विकासपरक नीतियों की बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने यूपी सरकार को बधाई दी और कहा कि मुझे संतोष है कि काशी में विकास का महायज्ञ लगातार जारी है। उन्होंने सपा शासन की तुलना करते हुए कहा कि सपा के समय यूपी में अपराधी बेखौफ थे। निवेशक यहां आने से डरते थे। भाजपा सरकार में अपराधियों में खौफ है और निवेशक यूपी के साथ अपना भविष्य देख रहे हैं।

वाराणसी में जनसभा को संबोधित करने के लिए हेलीपैड से पैदल ही बातचीत करते हुए रवाना होते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

साइकिल लेकर भाग जाएंगे सपा वाले

पीएम मोदी ने कहा कि यूपी के ढाई करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है। 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक रुपये यूपी के किसानों को भेजे गए हैं। मेरी काशी के किसानों को 900 करोड़ रुपये मिले हैं। हम लखपति दीदी अभियान चला रहे हैं। हमारा लक्ष्य देश में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है। अब तक डेढ़ करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन चुकी हैं। सपा पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सपा वाले ये आंकड़े सुनकर साइकिल लेकर भाग जाएंगे।

भाजपा सरकार जो कहती है, करके दिखाती है

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों में किसानों के नाम पर की गई घोषणाएं पूरी होना मुश्किल था, लेकिन भाजपा सरकार जो कहती है, वो करके दिखाती है। उन्होंने 2019 में योजना शुरू होने के समय विपक्षी पार्टियों (जैसे सपा और कांग्रेस) द्वारा फैलाई गई अफवाहों का जिक्र किया। विरोधी कहते थे कि चुनाव के बाद योजना बंद हो जाएगी या पैसा वापस ले लिया जाएगा, लेकिन "क्या इतने साल में एक भी किस्त बंद हुई? पीएम किसान निधि बिना ब्रेक के जारी है।

दिव्यांगजनों और वृद्धों के चेहरे पर आई मुस्कान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र में शनिवार को 2025 वृद्धों और दिव्यांगजनों को 2 करोड़ 9 लाख़ की लागत से 7486 सहायक उपकरण वितरित किए। इसकी शुरुआत 5 लाभार्थियों को मंच से उपकरण देकर की। 105 दिव्यांगजनों को आधुनिक मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण किया गया।

बाढ़ राहत तैयारी समय से कराएं डीएम : गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने अतिसंवेदनशील जिलों में राहत व बचाव कार्य सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि अतिसंवेदनशील जिलों में जिलाधिकारी बाढ़ राहत तैयारियां समय से कराएं। साथ ही, बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य सुनिश्चित कराए जाएं। मुख्य सचिव रविवार को लोकभवन में संभावित बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के संभावित बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के सभी जिलाधिकारी संबंधित विभागों वं केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर पूरी सतर्कता के साथ राहत व बचाव कार्य कराएं। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों व व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करें, जिससे कहीं पर भी जन-धन का नुकसान न होने पाए। उन्होंने कहा कि अति संवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ की आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त राहत सामग्री की उपलब्धता रहे। बाढ़ राहत शिविरों में लोगों के लिए लंच पैकेट, शुद्ध पेयजल, दवाओं व नाश्ते के लिए जरूरी सामग्री उपलब्ध रहे। अन्य राहत सामग्री की गुणवत्ता से भी कोई समझौता न किया जाए। इन स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था व आवश्यक उपकरणों का भी प्रबंध किया जाए। राज्य स्तर और जिला स्तर पर बाढ़ राहत कंट्रोल रूम चौबीस घंटे सक्रिय रहे।

25 तक संशोधित करा सकेंगे प्रवेश पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : नर्सिंग कॉलेजों एवं पैरामेडिकल डिप्लोमा प्रशिक्षण केंद्रों में सितंबर माह में आयोजित होने वाली मुख्य परीक्षाओं में अर्ह छात्र-छात्राओं के प्रवेश पत्र 18 अगस्त तक उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी द्वारा जारी कर दिए जाएंगे। अगर, परीक्षा शुल्क जमा करने के बाद भी एडमिट कार्ड जारी न हुआ हो, वह 25 अगस्त तक संबन्धित त्रुटियां संशोधित कराकर, प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

मेरठ में ड्रोन को लेकर फर्जी पोस्ट के मामले में 8 गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी

जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सोशल मीडिया पर ड्रोन से संबंधित भ्रामक और फर्जी सूचना पोस्ट करने के मामले में कुल 15 मुकदमे पंजीकृत किए गए हैं और इस सिलसिले में आठ आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर कुल 28 फर्जी पोस्ट चिन्हित किए जिनमें इंस्टाग्राम पर 19, फेसबुक पर सात और एक्स पर दो पोस्ट शामिल हैं। पुलिस ने इन मामलों में जिले के अलग-अलग पुलिस थानों में कुल 15 प्राथमिकी दर्ज की हैं। इनमें थाना परतापुर में दो, परीक्षितगढ़ में तीन, जानी में दो, जबकि भावनपुर, लोहियानगर, मेडिकल, मुण्डाली, सरधना, किठौर, कंकरखेड़ा एवं टीपीनगर थानों में एक-एक मामला पंजीकृत किया गया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन मामलों में अब तक आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है और अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि बिना पुलिस की अनुमति के ड्रोन उड़ाना और सोशल मीडिया पर उससे जुड़ी झूठी या भ्रामक जानकारी फैलाना दंडनीय अपराध है। एसएसपी ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों को लेकर पुलिस सतर्क है और भविष्य में भी इस प्रकार की सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि इधर कुछ समय से कुछ शरारती तत्व रात में ड्रोन उड़ा कर लोगों को भ्रमित कर रहें हैं।

15 अफसरों को साइबर कमांडो की ट्रेनिंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हेल्पलाइन नंबर 1930 पर एक दिन में 6000 से अधिक शिकायतें
- एक अधिकारी को निपटाने होंगे साल भर में 20 मामले

अमृत विचार : यूपी पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ विशेष व तकनीकी मोर्चाबंदी शुरू कर दी है। इसके लिए कुछ दिन पहले ही साइबर क्राइम पोर्टल के हेल्पलाइन नंबर 1930 के विशेष सेंटर का उद्घाटन डीजीपी राजीव कृष्ण ने किया। इस सेंटर में एक दिन में 6000 से अधिक शिकायतें मिल रही हैं। साथ ही 15 अधिकारियों को साइबर कमांडो की विशेष ट्रेनिंग दी गई। डीजीपी ने निर्देश दिया कि एक अधिकारी एक साल में साइबर अपराध के 20 मामलों का निस्तारण करे।

प्रदेश में बढ़ रहे साइबर अपराधों पर लगाम लगाने व पीड़ितों को तत्काल मदद पहुंचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। कल्ली पश्चिम स्थित डीसीपी दक्षिणी के कार्यालय में नया कॉल सेंटर खोला गया है। यह सेंटर नेशलन साइबर क्राइम पोर्टल की हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से काम करेगा। डीजीपी ने पीड़ितों से गोल्डन टाइम (साइबर अपराध होने के 15 से 20 मिनट अंदर) में शिकायत दर्ज कराने की अपील की है। ताकि जालसाजों के खातों त्वरित कार्रवाई करते हुए फ्रीज करा दिया जाए। साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए कई नीतिगत बदलाव किये गये हैं। साइबर क्राइम थानों में एफआईआर दर्ज करने के लिए पहले 5 लाख रुपये की सीमा तय थी। इसे खत्म कर दिया गया है। अब आईटी एक्ट के तहत हुए साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें सीधे साइबर क्राइम थाने में दर्ज की जाएंगी।

आईटी एक्ट के प्रावधानों में संशोधन के प्रयास

प्रत्येक जोनल मुख्यालय में जल्द ही एक प्रशिक्षित साइबर कमांडो अधिकारी तैनात किया जाएगा। इसके लिए 15 अधिकारियों को साइबर कमांडो की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। प्रत्येक जिले और कमिश्नरेट में एएसपी या डीसीपी स्तर पर एक साइबर नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। जिनकी जिम्मेदारी भी तय होगी। यह प्रयास किया जा रहा है कि एसआई स्तर के अधिकारी भी साइबर मामलों की जांच कर सकें। इसके लिए आईटी एक्ट के प्रावधानों में संशोधन के प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक प्रस्ताव भी पेश किया है। जिसमें साइबर अपराध पीड़ितों को केवल लिखित आवेदन के आधार पर नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली (सीएफसीआरआरएमएस) के माध्यम से फ्रीज किये गये धन को जारी करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है। जिसके लिए एफआईआर की जरूरत नहीं होगी।

साइबर क्राइम थाना को दी जाएगी जांच

डीजीपी ने निर्देश दिया कि जालसाजी वाले कॉल सेंटरों व विभिन्न जिलों में एक दूसरे से जुड़े मामलों की जांच साइबर क्राइम थाना को दी जाएगी। किसी भी संगठित गिरोह की संलिप्तता वाले मामलों को अनिवार्य रूप से साइबर थाने को स्थानांतरित किया जाए। जवाबदेही भी सुनिश्चित करने और प्रत्येक जांच अधिकारी को एक वर्ष में कम से कम 20 मामलों का निपटारा करने को कहा है। सभी जांचों का हर माह ऑडिट एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

अभियान — मुख्य सचिव ने सभी डीएम के साथ की तिरंगा अभियान की तैयारी की समीक्षा

4.6 करोड़ से अधिक तिरंगे फहराने का लक्ष्य निर्धारित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शहर से गांव तक उत्साह व उमंग के साथ होनी चाहिए व्यापक जनभागीदारी : गोयल

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारियों के साथ 'हर घर तिरंगा अभियान-2025' की तैयारियों की समीक्षा की। कहा कि इस वर्ष 4.6 करोड़ से अधिक तिरंगा फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्देश दिए कि शहर से गांव तक उत्साह व उमंग के साथ लोगों की व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित होना चाहिए।

गोयल ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप स्वयं सहायता समूह, एनजीओ, एमएसएमई, खादी ग्रामोद्योग व अन्य निजी सिलाई केन्द्रों के माध्यम से झंडों का निर्माण कराया जाए। पंचायत

भवनों, जन सेवा केन्द्रों, राशन केन्द्रों, तहसील, विकास खण्ड, पेट्रोल पंप, गैस एजेन्सी, डाकघर आदि से खरीद की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से बाइक और साइकिल रैलियां, युवा परेड और सामुदायिक तिरंगा यात्राएं आयोजित की जाएं।

सैनिकों-सुरक्षा बलों को 8 व 9 अगस्त को बांधी जाएगी राखी : मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि 8 व 9 अगस्त को सैनिकों, अर्द्धसैनिक बलों, पुलिस कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों को तिरंगा राखी बांधने का कार्यक्रम आयोजित किया जाए। डाक विभाग से समन्वय स्थापित सीमाओं पर सैनिकों व अर्द्धसैनिकों बलों को तिरंगा राखी भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित हो।

तीन चरण में होंगे विविध कार्यक्रम

संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि 'हर घर तिरंगा 2025' अभियान 2 से 15 अगस्त के बीच तीन अलग-अलग चरणों में चलाया जाएगा। 2 से 8 अगस्त तक शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों को तिरंगा-थीम वाली दीवारों, भित्ति चित्रों और रंगोली कला से सजाया जाएगा। संस्कृति मंत्रालय द्वारा तैयार की गई प्रदर्शनियां स्कूलों और सरकारी कार्यालयों में प्रदर्शित की जाएंगी। 9 से 12 अगस्त के बीच दूसरा चरण जन-आंदोलन और उत्सव पर केंद्रित होगा। भव्य सांस्कृतिक उत्सव (तिरंगा महोत्सव) और मेले आयोजित किए जाएंगे, जिनमें स्थानीय कलाओं, शिल्पों और उत्पादों, विशेष रूप से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा तिरंगे थीम पर बनाए गए उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। 13 से 15 अगस्त के बीच अंतिम चरण में ध्वजारोहण समारोह और प्रमुख सरकारी भवनों, संस्थानों, पुलों, बांधों, सार्वजनिक स्थलों को तिरंगा लाइटिंग से प्रकाशित किया जाएगा।

भाजपा का षड्यंत्र सफल नहीं होने देंगे : अखिलेश

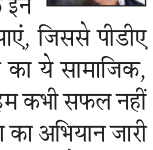

लखनऊ, अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि स्कूल बंद करना दरअसल पीडीए समाज के खिलाफ भाजपा की एक बहुत बड़ी साजिश है, ताकि पीडीए समाज के लोग पढ़ न पाएं और मानसिक रूप से भाजपा का विरोध न कर पाएं। दूसरी तरफ इन स्कूलों में बनने वाले बूथ न बन पाएं, जिससे पीडीए समाज वोट न डाल सके। भाजपा का ये सामाजिक, मानसिक और राजनीतिक षडयंत्र हम कभी सफल नहीं होने देंगे। सपा का पीडीए पाठशाला का अभियान जारी है। सपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार के एजेंडे में शिक्षा, नौकरी, रोजगार नहीं है। शिक्षार्थी और शिक्षक सड़क पर आंदोलन करने पर मजबूर हैं।

भाजपा सरकार नौजवानों का वर्तमान और भविष्य दोनों बर्बाद करने की दोषी है। नौजवानों से हर साल दो करोड़ नौकरी और रोजगार का वादा किया था। लेकिन उसका वादा झूठा रहा। नौकरी के लिए परीक्षार्थी धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर है। भाजपा सरकार न तो शिक्षा दे पा रही है न नौकरी। अखिलेश यादव ने कहा कि युवाओं का शोषण चरम पर है।

न्यूज ब्रीफ

दोगुना हुआ बीएलओ का पारिश्रमिक

लखनऊ, अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का पारिश्रमिक दोगुना कर 12 हजार रुपये कर दिया है। बीएलओ पर्यवेक्षकों के मानदेय में भी बढ़ोतरी की गई है, जबकि बिहार चुनाव में एसआईआर के लिए बीएलओ को छह हजार रुपये विशेष प्रोत्साहन देने की मंजूरी दी है। वर्ष 2015 के बाद आयोग ने अब मानदेय में बढ़ोतरी की है। आयोग के आदेश के तहत अब बूथ लेवल अधिकारियों को 12 हजार रुपये, मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए प्रोत्साहन राशि दो हजार रुपये व बीएलओ पर्यवेक्षकों को 18 हजार रुपये दिया जाएगा।

योगी आज देंगे 1494 युवाओं को नियुक्ति पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में युवाओं के लिए चल रहा मिशन रोजगार अब रफ्तार पकड़ चुका है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रविवार को लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग के लिए चयनित 1,494 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। इनमें 1,374 सहायक परिचालक और 120 कर्मशाला कर्मचारी शामिल हैं।

हिरासत में पिटाई से युवक की मौत

एटा में थाना निधौली कला का मामला: परिजनों का आरोप-थाने में सत्यवीर को बेरहमी से पीटा गया

एटा, एजेंसी

थाने के बाहर हंगामा करते मृतक के परिजन व अन्य लोग।

जिले में थाना निधौली कला क्षेत्र के ग्राम चंद्रभानपुर निवासी युवक सत्यवीर कुमार (23) की पुलिस हिरासत में कथित तौर पर पिटाई किए जाने से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि थाने में सत्यवीर को बेरहमी से पीटा गया और प्रताड़ित किया गया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। रात में उसे मरणासन्न हालत में छोड़ दिया गया। पुलिस हिरासत से रिहाई के कुछ समय बाद ही किशोर की मौत हो गई। सत्यवीर के शरीर पर लाठियों के निशान मिले हैं।

युवक के परिजनों ने दरोगा सुरेंद्र सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें निलंबित करने और गिरफ्तार करने की मांग की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्याम नारायण सिंह ने थाना निधौली कला क्षेत्र में एक युवक की मौत के संदर्भ में बताया कि मार्च महीने में गांव की एक लड़की के लापता होने के मामले में थाना निधौली कला के दरोगा सुरेंद्र सिंह द्वारा उसे बुलाया गया था और पूछताछ के बाद वापस चला गया था। उन्होंने कहा कि परिजनों का आरोप है कि दरोगा और अन्य पुलिसकर्मियों ने सत्यवीर के उत्पीड़न किया।

बताया गया कि कोतवाली में तैनात सुरेंद्र सिंह एसआई द्वारा लड़की को भगा ले जाने के शक में सत्यवीर सिंह पुत्र महावीर सिंह को घर से उठा लिया गया। थाने में बेरहमी से पिटाई के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। जिसके बाद शुक्रवार सुबह उसे छोड़ दिया गया। घायल सत्यवीर घर तो पहुंच गया, लेकिन कुछ ही देर बाद उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद शनिवार को बवाल हो गया। परिजनों ने शव को लेकर एसएसपी दफ्तर पर हंगामा किया। पुलिस की प्रताड़ना से जान देने का आरोप लगाया। अफसरों के सामने किशोर के शरीर पर मारपीट और चोट के निशान दिखाए। एएसपी राजकुमार सिंह ने मौके पर जाकर परिजनों से बात की। सिंह ने बताया कि इस मामले में दारोगा सुरेंद्र सिंह यादव, दारोगा आसिफ अली और तीन अज्ञात पुलिसकर्मियों पर आरोप लगे हैं। फिलहाल दोनों दारोगा को लाइन हाजिर कर दिया है और तीन सिपाहियों के खिलाफ जांच कराई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सत्यवीर की मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। इस घटना कि जांच अपर पुलिस अधीक्षक को सौंपी गयी है और थाने की सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी। हालांकि, सीओ एटा का कहना है कि युवक ने अपने घर पर फांसी लगाकर जान दी है।

31 जुलाई को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था

एटा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सत्यवीर (17) जयपुर में एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। सत्यवीर के भाई ओंकार सिंह का कहना है कि होली पर्व पर गांव निवासी बृजेश की लड़की लापता हो गई थी। बृजेश ने सत्यवीर समेत गांव के ही चार-पांच लोगों पर भगाने का आरोप लगाया था। भाई ओंकार के मुताबिक, दो दिन पहले 31 जुलाई को सत्यवीर को जयपुर से पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था।

सपा सांसद बर्क सहित 4 को समन, 18 के वारंट

संभल, अमृत विचार : संभल हिंसा को लेकर दर्ज मुकदमे में पुलिस द्वारा चार्जशीट दाखिल कर दिए जाने के बाद अब अदालत में मामले का ट्रायल शुरू हो गया है। अदालत ने हिंसा आरोपी सांसद जियाउर्रहमान बर्क सहित चार लोगों को समन जारी कर तलब किया है। जबकि 18 के वारंट जारी किए गए हैं।

2024 में 24 नवंबर को जामा मस्जिद में सर्वे की कार्रवाई के दौरान हुई हिंसा को लेकर पुलिस की तरफ से कोतवाली संभल में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 335 में अन्य लोगों के साथ ही सांसद जियाउर्रहमान बर्क को भी आरोपी बनाया गया था।

सड़क हादसे में मां और आठ माह के बेटे की मौत

संवाददाता, टांडा (रामपुर)

- मुरादाबाद से रामपुर बाइक पर दवा लेने आ रहे थे दंपती साथ में बच्चा भी था
- अजीमनगर के इमरता गांव में हुआ हादसा, तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में मारी टक्कर

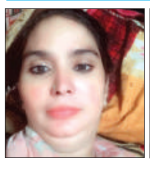

शबाना।

रजीम।

अमृत विचार : पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दंपती और उनका आठ माह का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तीनों को जिला अस्पताल भेजा जहां पहले मां, बाद में बच्चे ने दम तोड़ दिया।

मुरादाबाद के थाना गल शहीद के पुख्ता सराय गांव निवासी शब्बू अपनी पत्नी शबाना (28) और आठ माह के बेटे रजीम के साथ शुक्रवार रात रामपुर के अजीमनगर स्थित इमरता गांव में एक डॉक्टर के पास दवाई लेने आ रहा था। लालपुर गांव के नजदीक पहुंचे थे तभी पीछे से तेज गति से आ रही पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में शब्बू, शबाना और रजीम गंभीर घायल हो गए। अस्पताल में इलाज के दौरान शबाना और रजीम ने दम तोड़ दिया।

पांच बेटियों ने पिता की पार्थिव देह को दिया कंधा

संवाददाता, कानपुर

- पिता द्वारा लिए गए देहदान के संकल्प को भी पूरा किया

अमृत विचार: आईआईटी से सेवानिवृत्त व कर्मचारी नेता कामरेड आरके तिवार का निधन होने पर उनकी पांच बेटियों ने बेटे का फर्ज निभाया। अशोक नगर से मेडिकल कॉलेज तक पिता की अर्थी को न सिर्फ कंधा दिया, बल्कि ढपली बजाकर पिता को नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। पिता द्वारा लिए गए देहदान के संकल्प को पूरा करने के लिए जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज को देहदान दी और महिला सशक्तिकरण की अनूठी मिसाल पेश की।

अशोक नगर निवासी आईआईटी से सेवानिवृत्त और कर्मचारी नेता कामरेड आरके तिवारी (83) का एक अगस्त की शाम को संक्षिप्त बीमारी से निधन हो गया। कामरेड की बेटी पूनम ने देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर को फोन कर पिता द्वारा लिए गए संकल्प पूरा करने का आग्रह किया। अभियान प्रमुख मनोज सेंगर ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से वार्ता की और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर दो अगस्त की सुबह नौ बजे शव वाहन भेज कर देह को कॉलेज तक लाने की व्यवस्था की।

बेटी सरोज, पूनम, भावना, गीतांजलि और वसुधा ने मृत देह को कंधा दिया। अशोक नगर से शव यात्रा मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचीं। मेडिकल कालेज पहुंच कर बेटियों ने ढपली बजा कर अपने पिता को अंतिम विदाई दी। मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग के अनंत विजय ने आरके तिवारी के पार्थिव शरीर को सम्मान सहित स्वीकार किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा शुद्धिकरण सूचना

ई-टेण्डरिंग खुली निविदा सूचना सं. 35/2025 दिनांक 22.07.2025 के अंतर्गत क्रमांक 02 एवं 03 पर अंकित निविदा जो दिनांक 14.08.2025 को खोली जानी है जिसमें स्वीकृत पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि त्रुटिवश 12 माह हो गई है, के स्थान पर कार्य पूर्ण करने की अवधि 09 माह होगी। ई निविदा का विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट पर www.ireps.gov.in पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)
मुजाधि/डब्लू-192 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

रामनगरी के होटलों को मिलेगा इंडस्ट्री का दर्जा

अयोध्या कार्यालय

- लघु उद्योग भारती के औद्योगिक सम्मेलन में पहुंचे औद्योगिक विकास मंत्री ने की घोषणा

अमृत विचार : रामनगरी में पर्यटन के बहुत सारे अवसर प्राप्त हो रहे हैं। जल्द ही यहां के होटल व्यवसाय को इंडस्ट्री का दर्जा दिया जाएगा। प्रदेश सरकार इस पर विचार कर रही है। यह बात प्रदेश के औद्योगिक विकास व अवस्थापना मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने कही। शनिवार को वह लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित देवकाली स्थित रघुकुल सदन में आयोजित औद्योगिक सम्मेलन व गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने पहुंचे थे।

उन्होंने प्रदेश से आए उद्यमियों व प्रदेश की उद्योगों की समस्याओं को सुनने के बाद देश एवं प्रदेश की औद्योगिक नीति में पिछले आठ वर्षों में आए परिवर्तनों की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में लघु उद्योग एवं व्यापार के विकास के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। कहा कि वह मंत्री बनने से पूर्व लघु उद्यमी रहे हैं, इसलिए वह लघु उद्यमियों की समस्याओं को भी भांति समझते हैं। उन्होंने अपनी समस्याओं लिख कर उनके पास भेजने की बात कही, ताकि उनका निस्तारण किया जा सके।

इससे पूर्व उन्होंने रामलला व हनुमानगढ़ी पर दर्शन पूजन भी किया। सर्किट हाउस में की पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अयोध्या नगरी प्रदेश में सांस्कृतिक और औद्योगिक विकास का संगम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बने, इसके लिए उत्तर प्रदेश ठोस कदमों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। कहा कि सपा, बसपा की सरकारों ने उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रदेश की संज्ञा दी थी।

रामलला को लग रहा मालपुआ, मलाई का भोग

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी में सावन झूला मेले का उल्लास निखरने लगा है। राम मंदिर में विराजमान रामलला को प्रतिदिन मलाई और मालपुआ का भोग लगाया जा रहा है। अन्य मंदिरों में भी झूले पर विराजमान भगवान को विभिन्न पकवान व राज सेवा अर्पित किया जा रहा है। शाम होते ही मंदिरों की दिव्यता व भव्यता चमक रही है। मंदिरों में तरह-तरह के सांस्कृतिक आयोजन गीत-संगीत से रामनगरी झूम रही है। मंदिरों में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हो रहे हैं। दोपहर में भगवान को विश्राम देने के लिए मंदिर के पट बंद होते हैं। सखियों की घुंघरुओं की आवाज, मंदिरों ने निकल रही कजरी गीतों की धुनें लोगों को थिरकने पर मजबूर कर रही हैं।

राम मंदिर में चार किमी लंबी दीवार का निर्माण इसी सप्ताह से

अयोध्या, अमृत विचार : नवंबर से पहले राम मंदिर परिसर को तैयार करने के लिए मंदिर निर्माण समिति हर संभव प्रयास में जुट गई है। जल्द ही मंदिर के आसपास के क्षेत्र को विकसित करने का कार्य की संपन्न कर लिया जाएगा। इसके लिए राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र शनिवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने मंदिर निर्माण समेत अन्य प्रकल्पों के निर्माण कार्यों की प्रगति देखी। इसी सप्ताह से राम मंदिर की चार किलोमीटर लंबी सुरक्षा दीवार (बाउंड्रीवॉल) का निर्माण शुरू हो जाएगा। निर्माण कार्य के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। यह दीवार आठ माह में बनकर तैयार हो जाएगी। नृपेंद्र मिश्र ने कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों के साथ संक्षिप्त बैठक भी की।

ड्रोन से की रेकी, फिर नकदी व जेवर समेत 65 लाख की चोरी

बेहजम (खीरी), अमृत विचार: थाना नीमगांव क्षेत्र के पिपरी नरायनपुर गांव में शुक्रवार रात अज्ञात हाईटेक चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने पहले ड्रोन कैमरे से गांव की रेकी की और फिर देर रात पांच घरों में धावा बोलते हुए नौ परिवारों के यहां से करीब 5 लाख रुपये नकद और 60 लाख रुपये से अधिक के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के बाद गांव में दहशत और पुलिस के प्रति रोष है।

ग्रामीणों के अनुसार चोरों ने घटना से पहले और घटना के दौरान ड्रोन कैमरे से लगातार निगरानी की। कई मकानों में पीछे से दाखिल हुए तो कहीं खिड़की की ग्रिल काटकर अंदर घुसे। चोरों ने बाहर से दरवाजे बंद कर दिए थे ताकि कोई बाहर न निकल सके। चोर परशुराम के घर से पश्चिम दिशा से घुसकर गोविंद तिवारी के कमरे का ताला तोड़कर 60 हजार रुपये नकद और करीब 7 लाख रुपये के जेवरात चुरा लिए। पिंकू के कमरे से 23 हजार रुपये नकद और करीब 36 लाख के जेवर, विनोद के कमरे से 23,300 नकद व मायके आई बहन के जेवर समेत करीब 1.50 लाख के जेवर चोरी कर ले गए।

जम्मू मेल के ब्रेक जाम

कानपुर देहात। सूबेदारगंज से जम्मू कटरा तक जाने वाली सूबेदारगंज-जम्मू मेल के ब्रेक में अचानक खराबी आ गई, जिससे ट्रेन को रूरा स्टेशन पर रोकना पड़ा।

कार्यालय ग्राम पंचायत भुसाया विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

दिनांक : 02.08.2025

नीलामी सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है की गौशाला भुसाया विकास खंड इस्लामनगर जिला बदायूं में गोबर खाद की नीलामी दिनांक 05.08.2025 को दोपहर 12:30 बजे पंचायत घर पर की जाएगी।

सचिव प्रधान

कार्यालय ग्राम पंचायत जाफरपुर विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

दिनांक : 02.08.2025

नीलामी सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है की गौशाला जाफरपुर विकास खंड इस्लामनगर जिला बदायूं में गोबर खाद की नीलामी दिनांक 05.08.2025 को दोपहर 02:30 बजे पंचायत घर पर की जाएगी।

सचिव प्रधान

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश
सिंचाई कार्यशाला खण्ड, बरेली

ई-निविदा सूचना सं0 03/WM/IWDB/2025-26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री-क्वालीफिकेशन टेक्निकल विड एवं फाइनेशियल बिड सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के यांत्रिक ''ए'' श्रेणी के पात्र पंजीकृत निविदादाताओं से दिनाँक 14/08/2025 को 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदाओं की सूचना निम्नानुसार है।

लॉट संख्या	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	पंजीकृत श्रेणी
1	Painting of Shutter Assembly after Sand Blasting and Apply two coat of zinc Rich Primer and two coat of solvent less epoxy paint for 03 No. gates of Sharda Barrage Lakhimpur Khiri (as per BOQ) F.O.R at IWD Bareilly (Taxes extra)	22.20	0.45	20 Days	रू0 2300 एव GST 18% अलग से देय होगी।	यांत्रिक ''ए'' श्रेणी

A	वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि एवं समय	दिनाँक 07/08/2025 को समय 10:00 बजे से
B	बिड अपलोड करने की अवधि, जिसके साथ बिड डाक्यूमेंट शुल्क, बिड सिक्योरिटी, रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र एवं अन्य वांछित आवश्यक अभिलेख पी0डी0एफ0/एक्स0 एल0 फार्मेट में।	दिनाँक 07/08/2025 को समय 10:00 बजे से दिनाँक 14/08/2025 को 11.00 बजे तक
C	निविदा प्रपत्र शुल्क, बिड सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र एवं अन्य वांछित अभिलेख मूल रूप में कार्य प्रबंधक, सिंचाई कार्यशाला खण्ड, बरेली के कार्यालय में जमा करने की निर्धारित तिथि व समय	दिनाँक 14/08/2025 को 11:00 बजे तक
D	आनलाइन पार्ट-'ए' प्री-क्वालीफिकेशन, टेक्निकल बिड 01 (धरोहर धनराशि व तकनीकी भाग) खोले जाने की तिथि एवं समय	दिनाँक 14/08/2025 को 15:00 बजे
E	आनलाइन पार्ट – 'बी' (वित्तीय भाग) फाइनेशियल बिड खोले जाने की तिथि एवं समय	पार्ट 'ए' खोलने एवं इवैल्यूएशन के उपरान्त
F	बिड खोले जाने का स्थान	कार्यालय कार्य प्रबंधक, सिंचाई कार्यशाला खण्ड, बरेली

निविदा सूचना, सूचना विभाग की वेब-साइट http:information.up.gov.in, व सिंचाई विभाग की वेब-साइट http://idup.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा प्रपत्र ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाइट http:etender.up.nic.in से डाउन लोड किये जा सकते हैं, परन्तु निविदा प्रपत्र का मूल्य कार्य प्रबन्धक, सिंचाई कार्यशाला खण्ड, बरेली के नाम केवल इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन देय होगी जो निविदा के भाग-'ए' के साथ आवश्यक रूप से जमा किया जाएगा। निविदा प्रपत्र का मूल्य, निविदा के भाग-'ए' के साथ संलग्न न किये जाने की स्थिति में निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदा डालने से पूर्व ठेकेदार को साईट की विजिट स्वयं कर लेनी चाहिए। बजट एवं साइट की आवश्यकतानुसार कार्य की मात्रा घट/बढ़ सकती है। ठेकेदार को कार्य पूर्ण करने हेतु टी0 एण्ड पी0 एवं अन्य सामग्री की व्यवस्था करनी होगी।

(कार्य प्रबंधक)

UP-236504 दिनांक 01.08.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

ज्योतिर्मठ के हेलंग में दरका पहाड़, 12 लोग घायल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- आठ श्रमिकों को मामूली चोटें जबकि चार की हालत गंभीर

अमृत विचार : चमोली जिले के ज्योतिर्मठ में हेलंग के पास निर्माणाधीन विष्णुगाड़ पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के डेम साइट पर शनिवार सुबह भारी भूस्खलन से पहाड़ दरक गया। इस घटना में 12 श्रमिक घायल हो गए, जबकि चार श्रमिकों की हालत गंभीर बनी है।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि भूस्खलन के समय परियोजना स्थल पर करीब 300 श्रमिक काम कर रहे थे। पहाड़ से पत्थर लुढ़कने लगे तो श्रमिक जान बचाने के लिए भागे। इनमें आठ श्रमिकों को मामूली चोटें आई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी श्रमिकों को पीपलकोटी स्थित विवेकानंद अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि एक श्रमिक के पैर में चोट आई है, जबकि दूसरे को एम्बुलेंस से श्रीनगर स्थित अस्पताल ले जाया गया। दूसरे श्रमिक की रीढ़ की एमआरआई रिपोर्ट से चोट की गंभीरता का पता चलेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जिस स्थान पर भूस्खलन हुआ, वहां करीब 70 श्रमिक मौजूद थे। परियोजना स्थल पर फिलहाल काम रोक दिया गया है। टीएचडीसी को परियोजना स्थल पर मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद ही काम फिर से शुरू करने के लिए कहा गया है।

असीम अरुण के पीएस रहे जय किशन सिंह निलंबित

लखनऊ, अमृत विचार : समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निजी सचिव (पीएस) रहे जय किशन सिंह को निलंबित कर दिया गया है। पिछले दिनों निजी सचिव पर आउटसोर्स महिला कर्मचारी ने दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था। राज्यमंत्री ने खुद पुलिस से शिकायत कर निजी सचिव की गिरफ्तारी कराई थी।

बीती 28 जुलाई को गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में कार्यरत आउटसोर्स महिला कर्मचारी ने राज्यमंत्री से शिकायत की थी। आरोप लगाया गया था कि निजी सचिव ने कई बार छेड़छाड़ की। अक्सर कमरे में बुलाते थे। आए दिन छेड़छाड़ करते थे। विरोध करने पर नौकरी से निकालने की धमकी देते थे।

डेढ़ साल में धन दोगुना करने का लालच देकर ठगे 66 लाख रुपये

संवाददाता, काशीपुर

- कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ की रिपोर्ट दर्ज, जांच की गई शुरू

अमृत विचार: तीन व्यक्तियों ने डेढ़ साल में धन दोगुना करने का लालच देकर दो युवकों से 66 लाख 64 हजार 973 रुपये हड़प लिए। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रभात कॉलोनी निवासी अंशुल गुप्ता व मोहल्ला थाना साबिक निवासी विवेक सक्सेना ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट काशीपुर की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया। इसमें बताया कि बीती 31 मई 2021 को शिवम वाजपेई, रजत वाजपेई, उमेश चंद्र वाजपेई निवासीगण आरटीसी हेमपुर रोशनाबाद उनके स्टेडियम के पास स्थित इनोटेक पॉल्यूशन चेकिंग सेंटर पर अपने वाहन के प्रदूषण की जांच करने आए थे। इन तीनों ने अपने को फोरेक्स फॉर यू नामक कंपनी का डायरेक्टर बताते हुए उनसे उनकी कंपनी में रुपये इन्वेस्ट करने को कहा। बताया कि जो भी व्यक्ति हमारी कंपनी में 1 साल में जो भी रकम इन्वेस्ट करता है, कंपनी अगले डेढ़ साल में उसको दोगुना करके वापस देती है। अंशुल व विवेक ने बताया कि उनकी बातों पर विश्वास करके इन्वेस्ट करने को तैयार हो गए। उन लोगों ने कहा कि 01 अगस्त 2021 से 31 मार्च 2023 तक वित्तीय वर्ष के समापन की तिथि तक जो रकम इन्वेस्ट की जाएगी, उसको दोगुनी रकम वापस करेंगे। अंशुल ने बताया कि उसने अलग तारीखों में कुल 12 लाख 9 हजार 500 रुपये और विवेक ने 54 लाख 55 हजार 473 रुपये कंपनी में जमा करा दिए। जब 31 मार्च 2023 की समय अवधि पूरी होने पर कंपनी के डायरेक्टर से संपर्क किया, तब वह लोग टालमटोल करने लगे।

केदारनाथ धाम यात्रा फिर से हुई बहाल

देहरादून, अमृत विचार : भूस्खलन के कारण सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच सड़क बाधित होने से कई दिनों से रुकी केदारनाथ धाम यात्रा शनिवार को फिर शुरू हो गई। हालांकि अभी श्रद्धालुओं को करीब 22 किमी अतिरिक्त पैदल चलना होगा। एसपी रुद्रप्रयाग सर्वेश सिंह पंवार ने बताया कि मुख्य सड़क मार्ग, कुछ हद तक पैदल चलने लायक हो चुका है। आवागमन को सुचारू होने पर सोनप्रयाग से यात्रियों के समूह को गौरीकुंड होते हुए केदारनाथ के लिए भेजा गया है।

अस्पतालों में हेल्पडेस्क, ओपीडी में ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग: धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को शासकीय आवास पर उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिला चिकित्सालयों सहित महत्वपूर्ण चिकित्सालयों में हेल्प डेस्क बनाई जाए और आयुष्मान हेल्प डेस्क (आयुष्मान मित्र) की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। इन हेल्पडेस्क पर अनिवार्य रूप से पीआरओ की उपस्थिति रहेगी, जो मरीजों और उनके तीमारदारों को सहायता प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने जनता को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही और अव्यवस्था के लिए संबंधित अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय करते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कहा कि भीड़ नियंत्रित करने के लिए ओपीडी आदि की ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग के लिए सुदृढ़ सिस्टम विकसित किया जाए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद फरीदपुर (बरेली)

पत्रांक : 1017/न.पा.परि.फ./2025-26 दिनांक : 02.08.2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण/चार्टेड एकाउन्टेन्ड/पंजीकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद फरीदपुर (बरेली) में निम्नानुसार दोहरी लेखा प्रणाली कार्य वर्ष 2023-24 से करने हेतु अनुभवी चार्टटेड एकाउन्टेड नियुक्त कर कार्य कराना चाहती है। तदानुसार प्रति वर्ष कार्य हेतु दरें शीलबन्द निविदायें दिनांक 08.08.2025 को दोपहर 02 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिसकी बिक्री दिनांक 07.08.2025 को सायं 04 बजे तक पालिका कार्यालय फरीदपुर (बरेली) में की जायेगी। सशर्त एवं विलम्ब से आयी निविदा मान्य नहीं होंगे प्राप्त निविदाओं को दिनांक 08.08.2025 को सायं 04 बजे सक्षम अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। निविदा के साथ 02 प्रतिशत धरोहर धनराशि अधिकारी के नाम बन्धक कर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा-

क्र. सं.	कार्य विवरण	2 प्रतिशत धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य जी.एस.टी. अतिरिक्त	कार्य अवधि
1.	दोहरी लेखा प्रणाली कार्य (प्रति वर्ष कार्य) 2023-24 से	6000	500	15 दिवस
2.	वर्ष 2022-23 से प्रतिवर्ष आडिटेड एकाउन्टस व प्रोविजनल एकाउन्ट कार्य	1600	100	15 दिवस
3.	आयकर जी.एस.टी. कार्य	1600	100	-

नोट : उपरोक्त कार्य सम्बन्धी शर्ते पालिका कार्य दिवस में कार्यालय में सम्बन्धित पटल पर देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद फरीदपुर (बरेली) — अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद फरीदपुर (बरेली)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-लखीमपुर खीरी।

पत्रांक. 617/ग्रा0अभि0वि0/निविदा पत्रा0-1/2025-26, दिनांक. 19.07.2025

निविदा सूचना द्वितीय आमंत्रण

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश, की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-लखीमपुर खीरी के अर्न्तगत जनपद लखीमपुर खीरी में निम्नलिखत कार्यों हेतु उ0प्र0 ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में ए,बी,सी, डी0 श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों में अधोलिखित कार्य की ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0/लाट सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत लाख में	2 प्रतिशत धरोहर धनराशि लाख में	निविदा पत्रक का मूल्य (समस्तकरों सहित रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7
सांसद निधि						
01	लखीमपुर	ग्राम पंचायत रामपुर ग्रन्ट नं0 18 के मजरा सरकारगढ़ में इदरीश के मकान से हेमपुर तिराहे तक मिट्टी व खडंजे का कार्य, 620 मी0। वि0ख0 बांकेगंज	15.000	0.300	944.00	2 माह

1. वेब साइट पर निविदा की उपलब्धता तिथि- 05.08.2025 से 10.08.2025 तक
2. ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवॅ समय-10.08.2025 समय -12.00 बजे दोपहर तक
3. ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवॅ समय 10.08.2025 समय - 12.30 बजे दोपहर से
4. निविदा आमंत्रण कर्ता को संशोधन/शुद्धि पत्र जारी करने का आई0 टी0 बी0 क्लाज-9 के अनुसार अधिकार है, जो आन लाइन उपलब्ध रहेगा जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं होगा। समस्त इच्छुक बिडर्स को सलाह दी जाती है कि वे ई-टेण्डर पोर्टल को नियमित रूप से अवलोकन करते रहें और अन्य आवश्यक जानकारी एवॅ निविदा प्रपत्र डाउन लोड करने हेतु विवरण वेबसाइट http:// etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(हेमंत सक्सेना)
अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-लखीमपुर खीरी।

UP-236538 दिनांक 01.08.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

महिला को बंधक बनाकर लूटपाट, चोरी में रिपोर्ट

शीशगढ़ क्षेत्र में लगातार वारदात से दहशत, पहरा दे रहे लोग

संवाददाता, मानपुर

अमृत विचार : शीशगढ़ के मानपुर चौकी क्षेत्र में चोरी एवं लूटपाट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। दो दिन में दो गांवों में दो बड़ी लूट की घटना होने से क्षेत्र के लोगों में दहशत है, लोग रात-रात भर जागकर सड़कों पर डंडे लेकर घरों की रखवाली कर रहे हैं।

गुरुवार रात्रि में बदमाशों ने गांव रसूलपुर भिड़िया में घर में घुसकर महिला को बंधक बनाकर लाखों की लूट की थी, और अब शुक्रवार रात्रि को गांव मवई जरेल में बदमाशों ने महिला को बंधक बनाकर पीटा और लूटपाट की है।

मवई जरेल निवासी बिपिन ने बताया कि शुक्रवार रात 10 से 11 बजे के बीच उनकी पत्नी विनीता पेशाब करने के लिए उठी थी तभी अज्ञात चोर दीवार से सीढ़ी के सहारे घर में आया और उनकी पत्नी का दुपट्टा से गला कस दिया और उसके साथ मारपीट की। चोर कानों में पहनी सोने के कुंडल एक जोड़ी जेवरी छीनकर भाग गया। वह और उनका भाई घर के अंदर सो रहे थे और उनके माता-पिता घर के बाहर सो रहे थे। विपिन ने बताया कि उन्होंने रात में 112 पुलिस को सूचना दी लेकिन पुलिस पहुंची तब तक चोर भाग चुके थे।

लाठी-डंडों के साथ जागकर गांव में पहरा दे रहे ग्रामीण। ● अमृत विचार

● **गुरुवार को रसूलपुर के बाद मवई जरेल में की वारदात**

लगातार दो रातों में दो लूट की वारदात होने से पुलिस भी सवालों के घेरे में है। इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जांच शुरू कर दी है।

सीएम से फरीदपुर का नाम पीतांबरपुर करने की मांग

फरीदपुर, अमृत विचार : फरीदपुर तहसील का नगर क्षेत्र का नाम पीतांबरपुर किए जाने को क्षेत्रीय विधायक ने मुख्यमंत्री से सिफारिश की है। भाजपा विधायक प्रोफेसर डॉक्टर श्याम बिहारी लाल ने मुख्यमंत्री से मांग की है नगर पालिका परिषद फरीदपुर का नाम वर्तमान में फरीदपुर है जिसका यह नाम मुगल काल में कर दिया गया था। ब्रिटिश काल से फरीदपुर स्थित रेलवे स्टेशन का नाम पीतांबरपुर रेलवे स्टेशन है जो की दर्शाता है कि फरीदपुर का नाम पीतांबरपुर रहा है। महाभारत कालीन पांडवों द्वारा स्थापित प्राचीन पंचेश्वरनाथ मंदिर, सहित कई प्राचीन मंदिर हैं। जनमानस पीतांबरपुर के नाम से अधिक जानता है। फरीदपुर नगर पालिका एवं तहसील क्षेत्र का नाम पीतांबरपुर कर दिया जाए।

मेडिकल स्टोर में चोरी

मीरगंज, अमृत विचार: बीती शुक्रवार की रात हुरहुरी चौराहा रोड स्थित मेडिकल स्टोर में अज्ञात चोरों ने सेंध लगाकर 23,900 की नकदी ले गये।

कृषि के साथ पशुधन आय का साधन

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार: किसान सम्मन निधि योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है जिसका उद्देश्य किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ पशुपालन भी महत्वपूर्ण विकल्प है। यह बात पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कही। वह मझगवां ब्लाक सभागार में हुए कार्यक्रम में किसान सम्मान निधि प्रमाण पत्र का वितरण कर रहे थे। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का टीवी स्क्रीन पर सजीव प्रसारण भी देखा। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह, प्रधान यशपाल लोधी, अभय आर्य, एडीओ कृषि मुनेंद्र पाल आदि मौजूद रहे।

शेरगढ़ में ब्लाक सभागार में प्रधानमंत्री किसान उत्सव कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख भूपेंद्र कुर्मी ने किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त प्राप्त करने वाले 7 किसानों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान किसानों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया। ब्लॉक प्रमुख ने शेर सिंह, विजयपाल गंगवार, बीनेश कुमारी, बांधू राम, इस्राइल मंसूरी, बबलू कुमार, इम्तियाज अहमद आदि को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

मीरगंज में विकासखंड सभागार में ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार ने किसानों को सम्मान निधि के प्रमाण पत्र वितरित किये। किसानों को प्राकृतिक खेती, किसान सम्मान निधि, एवं कृषि सखियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में चंद्रसेन, शिवम गंगवार, मेहताब अहमद, हेमंत कुमार, मनोहर लाल, सरोज देवी पूजा देवी, संगीता राठौर रहे।

मझगवां सभागार में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का प्रसारण देखते पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह।

क्योलड़िया भदपुरा ब्लॉक परिसर में ब्लाक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने किसानों को सम्मानि निधि वितरित की। ब्लाक प्रमुख ने कृपाल सिंह, अवधेश कुमार भगवान दास को प्रमाण पत्र दिये। इस दौरान प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार रविंदर गंगवार भानु प्रताप कुमार श्यामलालमौर्य गजेंद्र सिंह गजेंद्र पाल आदि रहे। **नवाबगंज** में ब्लाक सभागार में किसान सम्मान दिवस पर किसानों को प्रशस्ति पत्र वितरित कर योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर वर्चुअल माध्यम से पीएम द्वारा किसान सम्मान निधि की 20 वी किस्त जारी करने के सीधे प्रसारण भी दिखाया।

430 में से 27 समस्याओं का निस्तारण

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : संपूर्ण समाधान दिवस पर हर सप्ताह आने वाली शिकायतों के अनुपात में मौके पर निस्तारण कम हो पा रहा है। हर तहसील में कमोवेश यही हाल है। नवाबगंज में 247 में से सात का निस्तारण किया गया जबकि फरीदपुर में आई 63 शिकायतों में 6 का निस्तारण हो पाया। आंवला में 58 शिकायतें दर्ज की गयीं, अधिकारियों ने 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया।

शनिवार को नवाबगंज में हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अविनाश सिंह व एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र ने जनशिकायतों को सुना। यहां 247 शिकायतें आईं जिसमे 7 का त्वरित निस्तारण किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पूर्व में आई कुछ भूमि विवाद की शिकायतों का निस्तारण नहीं हो पाया है। एसडीएम उदित पवार, तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह, सीओ गौरव सिंह, सीएमओ विश्राम सिंह आदि अफसर मौजूद रहे। इस मौके पर भाकियू (टिकैत) ने 5 सूत्रीय ज्ञापन दिया जिसमे लाभार्थियों के जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों को बनावने कीमांग की गई। **आंवला** में सम्पूर्ण समाधान दिवस में सबसे ज्यादा पुलिस संबंधी शिकायतें आईं। यहां 58 शिकायतें दर्ज की गयीं, अधिकारियों ने 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। एसडीएम विदुषी सिंह, सीओ नितिन कुमार सिंह ने शिकायतें सुनीं।

नवाबगंज में समाधान दिवस में समस्या सुनते डीएम अविनाश सिंह।

मीरगंज में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सभागार में किया गया। एसडीएम तृप्ति गुप्ता, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने जन शिकायतों को सुना। इस दौरान 37 शिकायतें आईं। जिसमे से 5 मौके पर पांच का निस्तारण किया गया।

फरीदपुर में समाधान दिवस की अध्यक्षता एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह ने की। होली तालाब के पानी से घरों में होने वाले जलभराव और रास्ता बंद होने की सामूहिक शिकायत का कई बार आवेदन देने के बाद भी समाधान नहीं होने की शिकायत ग्रामीणों ने की। समाधान दिवस में कुल 63 शिकायतें पहुंची जिनमें से 06 का निस्तारण मौके पर संभव हो सका। इस दौरान एसडीएम मल्लिका नैन, तहसीलदार प्रशांत अवस्थी, सहित कई अफसर मौजूद रहे।

बहेड़ी में एसडीएम रत्निका श्रीवास्तव ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान 25 शिकायतों में से 5 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। किसानों ने शिकायत कर जल्द गन्ने का भुगतान कराए जाने की मांग की। इसके अलावा राशन कार्ड बनवाने के लिए भी कई शिकायतें आईं। इस मौके पर तहसीलदार भानू प्रताप सिंह, ईओ शीशी प्रभा, आदि अफसर रहे।

नौकरी अच्छी नहीं लगती क्या : डीएम

नवाबगंज जिलाधिकारी ने शनिवार को नगर परिषद के ईओ लताड़ लगाई। पहले मोहल्ला सराय में हुए एक अतिक्रमण की शिकायत पर नाराजगी व्यक्त की फिर नगरमें रुके विकास कार्यों मे शिथिलता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए ईओ के ज्यादातर अवकाश पर रहने पर उन्हें चेतावनी दी। कहा, क्या आपको नौकरी अच्छी नहीं लगती है एक दाखिल खारिज की पत्रावली लम्बे समय तक लम्बित पड़ी होने की शिकायत पर डीएम ने नायब तहसीलदार सत्यवीर को भी फटकारा डीएम के सवालों पर नायब तहसीलदार मौन रहे जिस पर डीएम ने कड़ाई से वादों का समय से निस्तारण करने के आदेश दिए।

पांच लाख रुपये कम जमा करने का आरोप

आंवला। एक महिला ने एक बैंक शाखा के स्टॉफ पर 5 लाख रुपये खाते में कम जमा करने का आरोप लगाकर सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत की और कार्यवाही की मांग की है।अलीगंज के गांव भजनई निवासी रामकली पत्नी मुन्ना सिंह की शिकायत पर एसडीएम आंवला विदुषी सिंह ने बैंक एलडीएम और अलीगंज पुलिस को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

आटो पलटने से 9 लोग हुए घायल

आंवला, अमृत विचार: मनौना धाम से बरेली जाते समय श्रद्धालुओं से भरा आटो एक बाइक को बचाने के चक्कर में सड़क पर पलट गया। इससे आटो में सवार 9 श्रद्धालु घायल हो गये।

हरूनगला बरेली निवासी बॉबी ने बताया कि वह मनौना धाम से अपने आटो में सवारियां भरकर बरेली जा रहा था। शनिवार की दोपहर करीब 4 बजे आंवला भमोरा रोड के संग्रामपुर मोड़ पर एक बाइक चालक ने अचानक अपनी बाइक मोड दी। इससे ऑटो अनयंत्रित होकर सड़क पर पलट गया और सभी सवारियां आटो में दब गयीं। गांव की मोड़ स्थित मंदिर पर मौजूद लोगों ने सवारियों को बाहर निकाला। घटना में चालक बॉबी, सरिता पाल, सुरेन्द्र पाल, मिथलेश पाल, ढाई वर्षीय बच्ची संस्कृति, बिहार निवासी राजेश शर्मा, अनीता, संगीता देवी, अनीता घायल हो गयीं। मौजूद लोगों ने अयोध्या निवासी घायलों को अस्पताल भेजा है।

एसई को दिया ज्ञापन

राजपुर कलां, अमृत विचार: अलीगंज विद्युत उप केंद्र से 40 गांवों की संबंधित समस्याओं के विषय में अधीक्षण अभियंता (एसई) ज्ञानेंद्र सिंह को ज्ञापन दिया।

दादी ने डांटा तो किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

● **मां मायके में रह रही थी, घर में कारचोबी का काम करती थी**

अमृत विचार : गांव औंध में दादी से किसी बात को लेकर नाराज होकर 17 वर्षीय किशोरी ने दुपट्टे का फंदा गले में डालकर जान दे दी। देर शाम परिजनों की सूचना पर पुलिस को जानकारी हुई।

गांव औंध निवासी इदरीश का पत्नी से विवाद रहने के कारण वह अधिकतर मायके में ही रहती है घर पर उनकी 17 वर्षीय बेटी समीम और उसकी दादी रहती है। शनिवार को दादी ने किसी बात को लेकर समीम को डांट दिया था। जिससे वह नाराज हो गई। जब दादी गांव में चली गई तब दोपहर दो बजे घर में अकेले समीम ने गले में दुप्टा का फंदा लगाकर छप्पर की बल्ली से झूल गई। कुछ देर बाद जब दादी ने फंदे पर झूलते देखकर कोहराम मचाया तो कई लोगों ने आकर उसे उतारा। सूचना पर इदरीश भी घर पहुंच गए। शाम तक पत्नी आई। तब दोनो ने सलाह करके गांव वालों से राय लेकर देर शाम पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची। समीम ने कक्षा आठ तक पढ़ाई की थी, कारचोबी का काम करती थी।

धोबी तालाब पर बने मकानों को लेकर विवाद

बहेड़ी, अमृत विचार: धोबी तालाब पर बने मकानों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। नगर पालिका द्वारा इन मकानों को नोटिस दिए जाने के बाद पूर्व चेयरमैन पति नसीम ने मोहल्ले वालों के साथ प्रदर्शन किया और इसकी शिकायत एसडीएम रत्निका श्रीवास्तव से की ज्ञापन देकर नोटिस वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है, कि आवास गाटा संख्या 227 व 228 आदि पर निर्मित हैं।जिनका नगर पालिका व अन्य सरकारी विभागों का कोई वास्ता नहीं है।

एआरवी के लिए भटकती रही महिला

बिथरी चैनपुर, अमृत विचार: कुत्ते के काटने से एक गंभीर मरीज को एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने के नाम पर उसे इधर से उधर टरकाया गया। आखिरकार उन्हें निजी अस्पताल में वैक्सीन लगवानी पड़ी। मरीज के परिजनों ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है।

शनिवार को फरीदपुर निवासी जयश्री पर आवारा कुत्ते ने हमला बोल दिया। वह भतीजे तेजपाल के साथ वैक्सीन लगवाने तीनसौ बेड अस्पताल पहुंची। आरोप है कि वहां एआरवी क्लीनिक बंद थी। स्टाफ ने उन्हें जिला अस्पताल भेजा। जिला अस्पताल वैक्सीन लगवाने गयीं तो वहां से दोबारा 300 बेड अस्पताल जाने को कह दिया गया। हालत गंभीर होती देख भतीजे ने निजी अस्पताल में ऐंटी रैबीज वैक्सीन लगवाई।

सिटी डायरी

स्कूल के रास्ते में भरा पानी

रिठौरा, अमृत विचार : विकास खंड बिथरी चैनपुर राजकीय इंटर कॉलेज बालीपुर अहमदपुर में आने का रास्ता जर्जर और गड्ढेदार है। बरसात में स्कूल आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए बरसात का महीना मुश्किलों भरा हो जाता है। सड़क निर्माण को लेकर सीएम पोर्टल से लेकर आला अफसरों को समस्या बताई जा चुकी है लेकिन सुनवाई नहीं हुई है।

छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

आंवला, अमृत विचार : बाल विद्यापीठ सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में गायन प्रतियोगिता में विद्यालय के 25 छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रबंधक डॉ. संजीव गुप्ता ने कक्षा 6 (अ) से प्रशांत चौहान, कक्षा 7 (ब) से संस्कार शंखधार, कक्षा 8 (अ) से प्रांजल शर्मा, कक्षा 9 (ब) से अभिमन्यु चौहान, कक्षा 10 (ब) से अमृत्य भारद्वाज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अमित मिस्टर व नेहा मिस फेयरवेल

नवाबगंज अमृत विचार : गंगाशील महाविद्यालय फैजुल्लापुर में बीएससी, बीए, बीकॉम के 6वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों की फेयरवेल पार्टी समारोह हुआ। इसमें छात्र छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किये। इस दौरान मिस्टर एवं मिस फेयरवेल भी हुआ। छात्रा ईशा राम ने नृत्य प्रस्तुति की। बी.ए. के अमित कुमार मिस्टर फेयरवेल एवं बी.एससी गृहविज्ञान नेहा कुमारी मिस फेयरवेल चुनी गई।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना
मैंने नन्दकिशोर पुत्र पिण्डी दास निवासी इज्जतनगर, बरेली हाल निवासी 35-बी/ 05 मॉडल टाउन बरेली से एक बैनामा दिनांक 22.10.2021 को खरीदा था जिसका पंजीकरण बही सं. 1 जिल्द सं. 4879 पृष्ठ सं. 393 सिलसिला 410 पर उप निबन्धक कार्यालय द्वितीय बरेली पर किया गया था। उक्त बैनामा रास्ते में कहीं गिर गया है। काफी तलाशने पर अभी तक नहीं मिला। यदि कोई व्यक्ति मूल बैनामे का दुरूपयोग करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **रजनी खन्ना पत्नी श्री सुनील खन्ना निवासी 67, चन्द्रमणि बुद्ध बिहार इज्जतनगर बरेली**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने जोकि विनय कुमार (पुत्र श्री रामेश्वर दयाल) एवं पिंकी (पुत्री श्री रामआशीष) ने दिनांक 02.08.2025 को आपसी सहमति व परिवार के लोगों के मौजूदगी में ग्राम लधौली कलां में दहेज रहित विवाह कर लिया है। **विनय कुमार एवं पिंकी निवासी ग्राम लधौली कलां पर. तह. फरीदपुर जिला बरेली।**

सूचना
मैंने अपना नाम SAJID HUSAIN S/O ABDUL MAJID से बदलकर SAZID HUSAIN ANSARI S/O ABDUL MAJID रख लिया है। भविष्य में मुझे SAZID HUSAIN ANSARI S/O ABDUL MAJID नाम से जाना व पहचाना जाए। **नि. मोहल्ला चौधरी सराय, नई बस्ती, पांच पाकड़, बदायूं**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र हिमांचल व उसकी पत्नी फूलमती को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **सीताराम पुत्र सुन्दर लाल निवासी ग्राम सौंधा थाना सेहरामऊ उत्तरी जिला पीलीभीत।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस नं. UP25 20022223176 में मेरा नाम कृष्ण कुमार अंकित हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम कृष्ण कुमार अग्रवाल है। आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में भी मेरा नाम कृष्ण कुमार अग्रवाल ही दर्ज है। उपरोक्त कृष्ण कुमार व कृष्ण कुमार अग्रवाल दोनों एक ही व्यक्ति के नाम है।
कृष्ण कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. नरेन्द्र कुमार अग्रवाल निवासी 93, आशीष रॉयल पार्क, बरेली।

आवश्यकता है
श्री बालाजी पब्लिक जूनियर हाई स्कूल में गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, व संस्कृत के अध्यापकों की
रजऊ परसपुर फरीदपुर बरेली
संपर्क सूत्र-8171861909, 9627198880, 9411698840

आवश्यकता है
कक्षा 1 से कक्षा 8 तक सभी विषयों हेतु अध्यापक-अध्यापिकाओं की आवश्यकता है अंग्रेजी माध्यम हेतु
शीघ्र सम्पर्क करें
पार्वती जूनियर हा. स्कूल
विहारमान नगला बरेली
मो. 9897482402
whatsapp : 7037470469

INDIAN'S ACADEMY
Nigohi Shahjahanpur
REQUIRED TEACHERS
N.C. TO VIIIth
Subject:- S.ST., Computer, English and U.K.G.
Fluent in English.
Conveyence Available
SALARY 6000/- to 10,000/-
Interview on 04, 05, 06, 08, 25 in School working days.
Send your Resume 9628425505

आवश्यकता है
मेल Compounder क्लीनिक हेतु
महिला घरेलू खाना (समय 6AM to 11AM) बनाने हेतु।
संपर्क करें रोजाना
डा. राहुल कुमार क्लिनिक क्लीनिक
विकास भवन के सामने, रामपुर बाग, बरेली

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI
कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING
24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

अमृत विचार
MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES
CASHLESS
DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लैंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लैंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

ऑर्गन ट्रांसप्लांट यानी जीवनदान

अंग प्रत्यारोपण यानी ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन एक जीवनरक्षक प्रक्रिया है जिसमें सर्जरी के माध्यम से किसी व्यक्ति के खराब, आंशिक अथवा पूरी तरह नष्ट/निष्क्रिय रोगग्रस्त अंग के स्थान पर किसी स्वस्थ दानकर्ता से प्राप्त अंग अथवा अंग के एक हिस्से को प्रत्यारोपित किया जाता है। शरीर के किसी अंग के क्षतिग्रस्त होकर काम नहीं करने की स्थिति में उसकी जगह स्वस्थ शरीर से प्राप्त कोशिकाओं, ऊतकों यानी टिस्यूज़ अथवा अंगों को प्रत्यारोपित करना प्रत्यारोपण यानी ट्रांसप्लांटेशन कहलाता है। अतिगंभीर अथवा जानलेवा रोगों से पीड़ित और गंभीर रूप से दुर्घटनाग्रस्त लोगों की जान बचाने का यह एकमात्र विकल्प है। बड़ी संख्या में लोग अपने जीवन काल अथवा अपनी मृत्यु के बाद शरीर के अंगों को दान करने का स्वैच्छिक निर्णय लेते हैं। आमतौर पर यह प्रक्रिया तमाम चिकित्सीय प्रणालियों के असफल होने की स्थिति में अपनाई जाती है। प्रत्येक वर्ष हजारों लोग अंग प्रत्यारोपण की सहायता से आंख की रोशनी तथा स्वस्थ जीवन का उपहार प्राप्त करते हैं। यह प्रक्रिया जीवनदाई होने के साथ-साथ जोख़िमभरी भी है। अंग प्राप्तकर्ता व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा दानकर्ता के अंग को स्वीकार नहीं करना सबसे बड़ा जोख़िम है। अलग-अलग देशों में मानव कोशिकाओं, ऊतकों और अंगों के प्रतिरोपण और अंगदान की सुरक्षा, गुणवत्ता, प्रभावकारिता के संबंध में विभिन्नता देखी जाती है। संपूर्ण विश्व में ट्रांसप्लांटेशन की वृद्धि और उसके विकास में भारी असमानता है, और इस प्रक्रिया में अनेक चुनौतियां भी हैं। एशिया उपमहाद्वीप में भारत इस क्षेत्र में अग्रणी देश रहा है। मेडिकल साइंस में नित नई प्रगति के आधार पर प्रत्यारोपण की प्रक्रिया को एक नया आयाम मिला है।

डॉ. कृष्णा नंद पांडेय
वरिष्ठ विज्ञान लेखक

संपूर्ण विश्व में डायबिटीज़, हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, मदिरापान के व्यसन के चलते क्रॉनिक किडनी रोग और लीवर सिरोसिस विश्व स्तर पर मौत के 10 प्रमुख कारणों में शामिल हैं। उत्तरजीविता यानी सर्वाइवल, जीवन की गुणवत्ता तथा किफायत के संदर्भ में डायलिसिस की तुलना में किडनी ट्रांसप्लांटेशन यानी गुर्दे का प्रत्यारोपण सबसे सरल तरीका है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल ऑर्गन ऐंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एनओटीटीओ) की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार वर्ष 2023 में भारत में मृतक अंगदानकर्ताओं की कुल संख्या 1099 थी जिनमें 255 (23 प्रतिशत) महिलाएं और 844 पुरुष (77 प्रतिशत) शामिल थे। इनमें कुल 1022 मृतक अंगदानकर्ताओं से प्राप्त अंगों का प्रतिरोपण किया गया जिनमें मृतक महिलाओं और मृतक पुरुषों की संख्या क्रमशः 236 और 786 थी। भारत में वर्ष 2023 में कुल 13,426 गुर्दों का प्रत्यारोपण यानी किडनी ट्रांसप्लांटेशन किया गया, जिनमें 11,791 गुर्दे जीवित दानकर्ता तथा 1,635 गुर्दे मृतक दानकर्ता से प्राप्त किए गए थे। इसी प्रकार वर्ष 2023 में 52 महिलाओं और 169 पुरुषों में हृदय प्रत्यारोपण किया गया। इसी अवधि में फेफड़ों के प्रत्यारोपण की संख्या पुरुषों में 104 तथा महिलाओं में 93 थी, जबकि पैंक्रियाज के प्रत्यारोपण के कुल 27 मामले प्रकाश में आए थे (20 पुरुष,7 महिलाएं)।

अंग प्रत्यारोपण में चुनौतियां

अंग प्रत्यारोपण में नीति विषयक यानी एथिकल मुद्दा एक प्रमुख विषय है। मांग की तुलना में अंगों की कमी को देखते हुए ट्रांसप्लांट के लिए शरीर के अंगों की तस्करी जैसी असंवैधानिक गतिविधियां भी देखने में आती हैं। भारत में अंगदान और अंग प्रत्यारोपण की स्थिति में सुधार के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, मेडिकल साइंस के क्षेत्र में शोधकर्ताओं द्वारा मानव अंगों के स्थान पर जंतुओं के अंगों और बायोइंजीनियर्ड यानी प्रयोगशाला में निर्मित अंगों के प्रत्यारोपण के विकल्पों पर शोध किए जा रहे हैं। इससे मानव अंगों की मांग में कमी आ सकती है, परंतु मानव अंग प्रत्यारोपण का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता। ऐसे अंग उपलब्ध हो भी जाएं तो उन पर लगने वाली भारी लागत के चलते आम लोगों के लिए दुर्लभ ही साबित होंगे।

- अंगदान के विषय में लोगों में जागरूकता का बड़ा अभाव है।
- अंगों की अवैध तस्करी एक बड़ी समस्या है।
- अंगदान करने वाले व्यक्ति की चिकित्सा पात्रता की जांच करना आवश्यक है।
- अंगदान और प्रत्यारोपण के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने की आवश्यकता है।
- मृतक दानकर्ता की पहचान और अंगदान के प्रबंधन में कमी।
- प्रत्यारोपण के महत्व तथा अंगदान के संबंध में सांस्कृतिक प्रतिरोध के साथ-साथ समुदाय में जानकारी एवं जागरूकता में कमी।
- समुदाय में किडनी जैसे महत्वपूर्ण अंगों को पूरी तरह निष्क्रिय होने से बचाने हेतु उपयुक्त इलाज को बढ़ावा देने के लिए समुदाय में किडनी रोग की उपस्थिति पर जानकारी नहीं होना।
- जीवित अंगदानकर्ता को जोर जबरदस्ती और शोषण से बचाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था में कमी।

अंग प्रत्यारोपण से संबंधित जटिलताएं

ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मार्ग में सर्जरी की प्रक्रिया से संबंधित जटिलताएं मुख्य होती हैं। इस प्रक्रिया में संक्रमण, प्रतिरक्षा प्रणाली की कमजोरी होने के चलते बाहरी अंग का स्वीकार नहीं करने जैसी स्थितियां प्रमुख बाधक होती हैं।

सरकारी प्रयास

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल ऑर्गन ऐंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन यानी एनओटीटीओ अंगदान और प्रत्यारोपण के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था है, जो अंगदान के मामलों को संचालित करती है तथा उन पर नज़र रखती है। वह संस्था लोगों में अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाती है। सरकार द्वारा अंगदान के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है और अंगदान से जुड़े विविध पहलुओं पर लोगों में जागरूकता अभियान का संचालन किया जाता है।

अंग प्रत्यारोपित करने की उपयुक्त अवधि

मृत्यु के बाद अंगदान करने के लिए समय सीमा विभिन्न अंगों के लिए अलग-अलग होती है। चिकित्सा और शल्यक्रिया विशेषज्ञों के अनुसार कुछ प्रमुख अंगों के प्रत्यारोपण के लिए निम्नलिखित समय सीमा निर्धारित की गई है :

- हृदय : 4-6 घंटे
- फेफड़े : 4-6 घंटे
- यकृत (लिवर) : 6-12 घंटे, कुछ मामलों में 24 घंटे तक भी संभव
- गुर्दे (किडनी) : 72 घंटे
- पैंक्रियाज़ : 24 घंटे
- आंत : 6 घंटे
- कॉर्निया : 14 दिन
- हड्डियां : 5 साल
- त्वचा : 5 साल
- हृदय वाल्व : 10 साल

यह समय सीमा मृत्यु के बाद अंगों को संरक्षित करने और उन्हें सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित करने के लिए महत्वपूर्ण है। अंगदान के लिए समय सीमा का ध्यान रखना आवश्यक है ताकि अंगों को सुरक्षित रूप से प्रत्यारोपित किया जा सके और मरीज की जान बचाई जा सके। दानकर्ता और प्राप्तकर्ता एक दूसरे से दूर रहने की स्थिति में प्राप्त अंग को उपयुक्त रासायनिक मीडिया में संरक्षित रखते हुए उसे प्राप्तकर्ता के स्थान तक निर्धारित समय सीमा के भीतर पहुंचाना अनिवार्य होता है, यानी अंग प्रत्यारोपण में दानकर्ता से प्राप्त अंग अथवा उसके किसी हिस्से का उपयुक्त परिवहन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अंगदान से संबंधित कानून

अंगदान की आड़ में मानव अंगों की तस्करी जैसी कुरीतियों पर नज़र रखने और उन पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से कानून का प्रावधान है। भारत में अंगदान और प्रत्यारोपण के संबंध में सर्वप्रथम 11 जुलाई, 1994 में दि ट्रांसप्लांटेशन ऑफ द ह्युमन ऑर्गन्स ऐक्ट 1994 पारित किया गया था। जिसके अंतर्गत चिकित्सीय प्रक्रिया के लिए अंगों को निकालने, उनके भंडारण एवं प्रत्यारोपण के लिए नियमों के उपयुक्त अनुपालन का प्रावधान था। इस अधिनियम की आवश्यकता सर्वप्रथम महाराष्ट्र, गोवा और हिमाचल प्रदेश राज्यों में प्रस्तावित की गई, जिसे बाद में आंध्र प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर को छोड़कर सभी राज्यों द्वारा अपनाया गया। उसके बावजूद मानव अंगों के व्यापारीकरण तथा मानव तस्करी की संख्या में कोई गिरावट नहीं देखी गई। इसलिए वर्ष 2009 में इस अधिनियम की विसंगतियों को दूर करने के लिए संशोधन की इच्छा व्यक्त की गई। वर्ष 2011 में इस अधिनियम में संशोधन को भारत की संसद द्वारा पारित किया गया तथा वर्ष 2014 में इस अधिनियम के अंतर्गत कानूनों का प्रावधान किया गया। इस अधिनियम का

मुख्य उद्देश्य प्रत्यारोपण के व्यापरीकरण को रोकना था। अत : भारत में अंगदान के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करने वाला मुख्य अधिनियम "मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994" है, जिसे 2011 और 2014 में संशोधित किया गया था। वैश्विक स्तर पर वर्ष 1987 से विश्व स्वास्थ्य असेंबली में अंग प्रत्यारोपण के संबंध में अनेक प्रस्ताव पारित किए गए। हाल ही में वर्ष 2024 में आयोजित विश्व स्वास्थ्य असेंबली में सभी सदस्य देशों से आह्वान किया गया कि अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए तथा अनैतिक आचरणों को प्रतिबंधित किया जाए।

इस प्रकार अंगदान को महादान माना जाता है। अंगदान को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान सहायक हो सकता है। इस संबंध में भारतीय कानून का पालन करते हुए जीवित व्यक्ति अथवा मृतक के अंगों, उनके हिस्से को वांछित व्यक्ति में प्रत्यारोपित कर बड़ी संख्या में लोगों को मौत से बचाया जा सकता है।

कड़ी सावधानियां

दानकर्ता से प्राप्त अंग को प्राप्तकर्ता में प्रत्यारोपित करने से पहले कड़ी सावधानियां अपनानी पड़ती हैं। ट्रांसप्लांट सेंटर में विधिवत जांच के पश्चात प्रभावित व्यक्ति को राष्ट्रीय ट्रांसप्लांट की प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित किया जाता है, इसके उपरांत उसके लिए एक अंग की प्रतीक्षा प्रक्रिया की शुरुआत हो जाती है। सर्वप्रथम प्रभावित व्यक्ति और अंगदान करने वाले व्यक्ति यानी अंगदाता के बीच साम्यता का निर्धारण किया जाता है। रक्त वर्ग यानी ब्लड ग्रुप, शरीर के आकार, रोगी की गंभीरता, अंगदाता से दूरी, ऊतक के प्रकार और प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित होने की अवधि जैसी स्थितियों के आधार पर अंगदाता को वर्गीकृत किया जाता है। हालांकि, शरीर के अंग का मिलान यानी मैच करना लिंग, जाति, आय और समाज में व्यक्ति के विशेष स्तर के आधार पर बिल्कुल नहीं किया जाता। प्रतीक्षा अवधि बहुत अधिक होने और अंगदाता नहीं मिलने जैसी स्थितियों में प्रतीक्षा सूची में शामिल औसतन 20 प्रतिशत लोगों की हर रोज़ मृत्यु हो जाती है। संपूर्ण विश्व में किडनी ट्रांसप्लांट यानी गुर्दा प्रत्यारोपण के उदाहरण सर्वाधिक मिलते हैं।

कौन कर सकता है अंगदान

प्रत्येक राज्य में एक अधिकृत समिति होती है जो अंगदान के मामलों की जांच करने के उपरांत संतुष्टि होने पर अनुमति देती है। इस समिति द्वारा अंगदान की पात्रता का निर्धारण किया जाता है। अंगदान करने वाले व्यक्ति की आयु, उसके स्वास्थ्य और अन्य मापदंडों की जांच की जाती है। जीवित व्यक्ति द्वारा अपने किसी अंग या अंग के एक हिस्से को दान करने का निर्णय लिया जा सकता है। चिकित्सा विशेषज्ञों की एक संगठित मेडिकल टीम की सलाह में वह अपने नज़दीकी रिश्तेदार अथवा परिवार के किसी सदस्य को गुर्दा, यकृत के कुछ हिस्से, कुछ ऊतकों का अपने जीवन काल में ही दान कर सकता है। गंभीर दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप अथवा ऐसे व्यक्तियों के इलाज के दौरान हुई मृत्यु के बाद मृतक का अंगदान करने के लिए परिवार की सहमति आवश्यक है।

मृत व्यक्ति से अन्य व्यक्ति को जीवन दान

प्रत्यारोपित किए जाने वाले अधिकांश अंग जीवित व्यक्ति से प्राप्त किए जाते हैं। प्राय : गंभीर चोट लगने, दौरा पड़ने, हार्ट अटैक, अथवा गंभीर रूप से दुर्घटनाग्रस्त होने जैसी स्थितियों में लोग मृतप्राय अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराए जाते हैं, जिनमें अति गंभीर मामलों में मौतें हो जाती हैं। कभी-कभी चिकित्सक ऐसे व्यक्तियों के पहुंचते ही मृत घोषित कर देते हैं। ऐसी स्थिति में मृत व्यक्ति के शरीर में सुरक्षित अंगों को अन्य व्यक्ति में प्रत्यारोपित कर उसे जीवनदान दिया जा सकता है।

कहां है भगदड़ की जड़

उत्तर प्रदेश में हाल ही में भगदड़ की सिलसिलेवार घटनाओं के बाद सवाल बड़ा यह उठता है कि आखिर भगदड़ की जड़ है कहां? जवाब तलाशें तो पाएंगे कि हाथरस भगदड़ कांड के बाद जारी एसओपी पर अमल न हो पाना भी इन दिनों सामने आयीं भगदड़ की घटनाओं की बड़ी वजह रही है। दरअसल, न तो पुरानी घटनाओं से स्थानीय व्यवस्था सबक ले रही है और न ही आस्थावान भक्तजन संयम बरत रहे हैं। सच पूछिए तो प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं भावुक उठे थे। उस वक्त उन्हें खुद मोर्चा संभालना पड़ा। योगी ने बाद में बताया भी कि, मैंने व्यक्तिगत रूप से उनसे स्थिति को संभालने के लिए संतो से अनुष्ठान को विलंबित करने का अनुरोध किया। उस वक्त उन्होंने प्रभावी संकट प्रबंधन के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा था कि कठिन परिस्थितियों में, कई लोग घबरा जाते हैं और हार मान लेते हैं, लेकिन हमें धैर्य और संयम के साथ दृढ़ निर्णय लेने की शक्ति विकसित करनी होगी।

अजय दयाल
वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

- एसओपी को अमल न ला पाना बन रही भगदड़ की वजह।
- पुरानी घटनाओं से भी सबक नहीं ले पा रही है व्यवस्था।
- कहीं मजबूरी तो लापरवाही, विशेषज्ञों की राय अलग-अलग।

संभवतः मुख्यमंत्री के भी इस संदेश को स्थानीय प्रशासनिक अधिकारीगण व्यवहारिकता में नहीं ला पा रहे हैं? ऐसे में कहीं मजबूरी तो कहीं लापरवाही ऐसी घटनाओं की वजह बन रही है। हालांकि, इस विषय पर विशेषज्ञों की राय अलग-अलग है।

दरअसल, मंदिरों में उमड़ रहे आस्था के जनसैलाब के बीच मच रही भगदड़ चिंताजनक है। जरा-सी लापरवाही, कोई अफवाह या हड़बड़ी के चलते भगदड़ जैसी दुर्घटना होने की घटनाएं सामने आ रहीं हैं। ऐसी भगदड़ में लोगों की जानें भी जा रहीं हैं। हाल ही में हरिद्वार के मनसा मंदिर में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गई। हरिद्वार के बाद बाराबंकी और लखीमपुर के छोटी काशी मंदिर में भी भगदड़ मची। दरअसल, आस्थावान भीड़ के बीच भगदड़ और मौत होने की घटनाएं पहले भी होती रहीं हैं।

"भीड़ प्रबंधन की एसओपी होते हुए भगदड़ की घटनाएं होना स्थानीय व्यवस्था की चूक है। साफ दिखता है कि बिजली की सजावट हो या अन्य जनोपयोगी सुविधाएं, किसी विशेषज्ञ की देखरेख में दूरगामी परिणामों के मद्देनजर नहीं की जातीं।

-अरूण गुप्ता, रिटा. आईपीएस

भीड़ पर काबू पाने ए,बी,सी जैसे प्लान बनाये जाते हैं। यह भी मौके पर समझा जाता है कि ऐसी जगहों पर करेंट, जलभराव, बंदर या जानवर से बचाव कैसे हो? कितनी भीड़ का आंकलन कर समय प्रबंधन करना होता है।

-रविन्द्र के. नायक, रिटा. आईएएस

पहले स्थानीय प्रशासन के जिम्मेदार ऐसे मौकों पर ब्रीफिंग करते थे, बकायदा ट्रेनिंग होती थी। इसमें व्यवस्थाओं के विशेषज्ञ शामिल होते थे। यानि पीडब्ल्यूडी, विद्युत, सिविल डिफेंस आदि। अब ऐसा क्यों नहीं हो रहा?

-नितिन रमेश गोकर्ण, रिटा. आईएएस

धार्मिक आयोजनों अथवा मंदिरों में किसी खास अवसर पर जाने वालों को भी संयम बरतना होगा। रूढ़ीवादी मानसिकता के साथ अपनी व अपने परिजनों की जान खतरे में डालना उचित नहीं। इष्टदेव के प्रति कभी भी आस्था प्रकट की जा सकती है।

-डॉ. माननी श्रीवास्तव

ऐसी घटनाओं के पीछे हम इसे लोकल इंटिलिजेंस का फेल्योर भी कह सकते हैं। प्रसिद्ध मंदिरों या धार्मिक स्थलों पर कब किस अवसर पर भीड़ उमड़ती है, यह जगजाहिर है। स्थानीय प्रशासन का काम ही भीड़ का पूर्वनुमान लगाना और उसके मद्देनजर व्यवस्थाएं करनी होतीं हैं।

-शैलेन्द्र नाथ टंडन, रिटा. जज

लोगों में सिविक सेंस विकसित करने का अभियान छेड़ना होगा। स्कूल टाइम से ही बच्चों को ट्रेनिंग देने की आवश्यकता है। कई देशों में ऐसा होता है।

- डॉ. अतुल अग्रवाल, वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ बरेली"

भीड़ प्रबंधन और बचाव

साल भर पहले हाथरस में स्वयंभू बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई थी। उस वक्त ऐसा बबंडर उठा कि पूरा देश हिल गया था। 2 जुलाई, 2024 को हुई इस दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित 121 से ज्यादा लोगों ने जान गंवाई। इसी घटना के बाद शासन की ओर से भीड़ प्रबंधन और भगदड़ से बचाव के लिए एसओपी जारी की गई थी। एसओपी के तहत यूपी में जिला, रेंज और जोन स्तर पर अलग-अलग इंटिग्रेटेड सिस्टम बनाया जाना था। डीएम, सीएमओ, सिविल डिफेंस, फायर बिग्रेड और स्थानीय पुलिस के साथ स्वयं सेवी संगठनों के स्तर पर नियमित रूप से इंटिग्रेटेड सिस्टम को अपडेट किया जाना था। आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों को पूर्वाभ्यास कराए जाने के भी निर्देश थे। यहां तक कि स्थानीय मजिस्ट्रेट और जिम्मेदार अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किए जाने और संभावित खतरों (आग,

बिजली, सड़क दुर्घटना और श्वास अवरोधक) के आकलन के आधार पर आपातकालीन योजना भी तैयार किए जाने की बात थी। खासकर कार्यक्रम की पूरी जानकारी और वहां आने वालों की अनुमानित संख्या की जानकारी जुटाई जाने के साथ सुरक्षा और ट्रैफिक के लिए जरूरी पुलिस, पीएसी, केंद्रीय बल, अधिकारियों और संसाधनों का मांग पत्र तैयार किए जाने के इनपुट एसओपी में थे। मजबूत बैरिकेडिंग, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, ऑपरेशनल कंट्रोल रूम को भी इसका हिस्सा बनाया जाना था।

अस्थि एवं जोड़ दिवस

आयुर्वेद और एलोपैथी का समन्वयात्मक दृष्टिकोण

मनुष्य के शरीर की गति और संतुलन का मूलाधार उसकी अस्थियां और जोड़ होते हैं। जब तक हड्डियां मजबूत और जोड़ लचीले रहते हैं, तब तक व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय और आत्मनिर्भर बना रहता है। लेकिन जब अस्थियां कमजोर होने लगती हैं या जोड़ों में दर्द और सूजन उत्पन्न होती है, तब न केवल शरीर की गति बाधित होती है बल्कि मानसिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन भी प्रभावित होता है। इसी संदर्भ में लोगों को हड्डी और जोड़ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए भारत में हर वर्ष 4 अगस्त को 'अस्थि एवं जोड़ दिवस' मनाया जाता है। यह दिन न केवल चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों को एक मंच प्रदान करता है, बल्कि आम जनता के लिए भी यह आत्मनिरीक्षण और चेतना का समय है। आज भारत ही नहीं, विश्वभर में हड्डी और जोड़ रोग सार्वजनिक स्वास्थ्य की एक गंभीर चुनौती बन चुके हैं। अनुमान के अनुसार भारत में 5 करोड़ से अधिक लोग ऑस्टियोपोरोसिस से पीड़ित हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस की दर 45 वर्ष से अधिक उम्र वालो में 22 प्रतिशत से ज्यादा लोगो में ऐस्टिओआर्थ्राइटिस पाया जाता है, जोड़ों की बीमारियों के कारण लाखों लोग चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं, यह सिर्फ स्वास्थ्य का नहीं बल्कि एक सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा बन गया है। अत: इसकी रोकथाम और समुचित उपचार में सभी चिकित्सा पद्धतियों की भागीदारी आवश्यक है।

डॉ. एस के साहु
प्रोफ़ेसर, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय बरेली

बढ़ती हुई जनसंख्या, आधुनिक जीवनशैली, बदलते आहार, शारीरिक श्रम की कमी, प्रदूषण, तनाव और अत्यधिक औद्योगिक यंत्रों पर निर्भरता ने अस्थियों और जोड़ों से संबंधित रोगों को एक महामारी का रूप दे दिया है। आज की तारीख में भारत सहित पूरी दुनिया में ऑस्टियोपोरोसिस, ऑस्टियोआर्थराइटिस, रूमेटॉइड आर्थराइटिस, गठिया, स्लिप डिस्क, स्पोंडिलोसिस जैसी समस्याएं तीव्रता से बढ़ रही हैं। यह समस्याएं न केवल बुजुर्गों को बल्कि युवाओं, महिलाओं और किशोरों को भी प्रभावित कर रही हैं। चिकित्सा विज्ञान की दोनों प्रमुख धाराओं–एलोपैथी और आयुर्वेद-ने इन रोगों की व्याख्या अपने-अपने तरीके से की है और आज समय की मांग है कि दोनों पद्धतियां मिलकर एक समन्वित उपचार प्रणाली विकसित करें।

हड्डियों की कमजोरी के मुख्य कारण

विटामिन-डी की कमी, एस्ट्रोजन की कमी (महिलाओं में), अधिक उम्र, धूम्रपान, शराब, फिजिकल एक्टिविटी की कमी, स्टेरॉयड दवाओं का अधिक प्रयोग और अनुवांशिकता। एलोपैथिक डॉक्टर कैल्शियम सप्लीमेंट, विटामिन-डी, हॉर्मोन थेरेपी और कभी-कभी बायफॉस्फोनेट जैसी दवाएं देते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, हड्डियों की कमजोरी वात दोष के अधिकता से होती है। वात शरीर को सुखाने वाली शक्ति है, जो जब असंतुलित होती है तो अस्थियों को कमजोर कर देती है। आयुर्वेद में आंतरिक पाचन अग्नि और धातु पोषण की भूमिका मानी जाती है, और अस्थि धातु के पोषण में जब अवरोध होता है तो अस्थि रोग होते हैं। इसलिए आयुर्वेद केवल कैल्शियम नहीं देखता, बल्कि देखता है :

- क्या पाचन अग्नि ठीक है?
- क्या धातु संचरण (धातु परिपाक) संतुलित है?
- क्या वात दोष सामान्य है?

एलोपैथी यानी आधुनिक चिकित्सा पद्धति, रोग के लक्षणों को नियंत्रित करने, तीव्र अवस्थाओं में राहत देने और सर्जिकल उपचार में अत्यधिक दक्ष है। उदाहरण के लिए यदि किसी व्यक्ति की हड्डी टूट जाती है या जोड़ पूरी तरह घिस जाता है, तो सर्जरी, रिप्लेसमेंट और फिजियोथेरेपी जैसे विकल्प बहुत प्रभावशाली सिद्ध होते हैं। एलोपैथी की विशेषता क्विक रिलीफ, वैज्ञानिक जांच (जैसे एक्स-रे, एमआरआई, डीईएक्सए स्कैन), सर्जिकल परिशुद्धता और गहन देखभाल है। लेकिन दीर्घकालिक रोगों में जैसे-आर्थराइटिस, ऑस्टियोपोरोसिस या क्रॉनिक बैक पेन-एलोपैथी कभी-कभी केवल लक्षण नियंत्रण तक सीमित रह जाती है।

दूसरी ओर, आयुर्वेद एक समग्र चिकित्सा पद्धति है जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर बल देती है। आयुर्वेद में हड्डियों को "अस्थि धातु" कहा गया है, जो सप्तधातुओं में पांचवां स्थान रखती है। इसका पोषण मेद धातु से होता है और इसका संतुलन वात दोष पर निर्भर करता है। जब वात दोष बढ़ जाता है, तब शरीर में संधिवात (ऑस्टियोआर्थराइटिस), आमवात (रूमेटाइड आर्थराइटिस), कटिशूल (लोअर बैक पेन), ग्रीवास्तंभ (सरवाइकल स्पाइन), अस्थिभंग (बोन फ्रैक्चर), जैसे रोग उत्पन्न होते हैं। आयुर्वेद रोग के मूल कारण को पहचानता है, उसे शरीर से बाहर निकालता है और शरीर की स्वयं-चिकित्सक प्रणाली को सशक्त बनाता है। विशेषत: पंचकर्म चिकित्सा, वातनाशक औषधियां, अस्थिवर्धक आहार, योग और जीवनशैली सुधार-आयुर्वेद के वे साधन हैं जो जोड़ों और हड्डियों के स्वास्थ्य को दीर्घकालिक रूप से मजबूत बनाते हैं।

वैज्ञानिक शोधों द्वारा आयुर्वेद की पुष्टि

- आज कई वैज्ञानिक शोध यह साबित कर चुके हैं।
- हड़जोड़ का प्रयोग टूटी हुई हड्डी की उपचारात्मक को तेज करता है।
- अश्वगंधा और शतावरी अस्थि द्रव्यमान बढ़ाने में सहायक हैं।
- अभ्यंग (तेल मालिश) से साइनोवियल द्रव का प्रवाह बढ़ता है और जोड़ों की गतिशीलता सुधरती है।
- इन शोधों ने आयुर्वेद को नई वैज्ञानिक मान्यता दी है और एलोपैथिक चिकित्सा में इसे एकीकृत रूप से अपनाने की दिशा में काम हो रहा है।

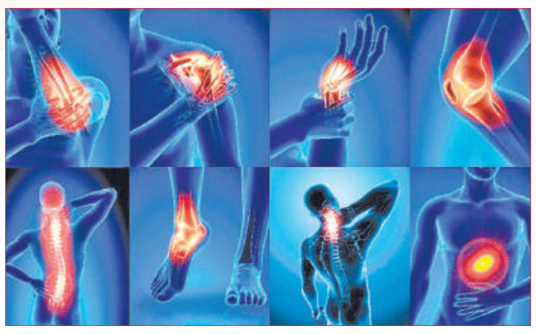

एलोपैथी में प्रयोग होने वाली फिजियोथेरेपी, एक्सरसाइज, मसल स्ट्रेचिंग और थर्मल थेरेपी भी आयुर्वेद की स्वेदन और योग क्रियाओं से बहुत मेल खाती है। जहां फिजियोथेरेपी आधुनिक उपकरणों से मांसपेशियों और जोड़ों को मजबूत करती है, वहीं आयुर्वेदिक पिंड स्वेदन, अवगाह स्नान, अभ्यंग और योगासनों से शरीर का संतुलन लौटाया जाता है। इस प्रकार ये दोनों विज्ञान न केवल एक-दूसरे को प्रतिस्थापित करते हैं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर परस्पर पूरक भी बन सकते हैं।

पद्धतियों का तुलनात्मक मूल्यांकन

यदि हम दोनों पद्धतियों का तुलनात्मक मूल्यांकन करें तो एलोपैथी जहां तीव्र अवस्था में आपातकालीन राहत देती है, वहीं आयुर्वेद दीर्घकालिक समाधान प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित रोगी को जब आधुनिक चिकित्सा में एनएसएआईडी (पेन किलर) दिए जाते हैं, वे अस्थायी रूप से दर्द कम करते हैं लेकिन लिवर और किडनी पर दुष्प्रभाव डाल सकते हैं। इसके विपरीत यदि वही रोगी आयुर्वेद में दशमूल क्वाथ, योगराज गुग्गुलु, बस्ती चिकित्सा और संतुलित आहार के माध्यम से इलाज करता है, तो रोग की जड़ पर कार्य होता है और बिना दुष्प्रभाव के रोग नियंत्रित होता है। इसी तरह, हड्डी टूटने की स्थिति में जहां एलोपैथी में प्लास्टर और सर्जरी की भूमिका है, वहीं आयुर्वेद में हड़जोड़, लक्षादि गुग्गुलु, अश्वगंधा और गोंद के प्रयोग से तेजी से पुनर्निर्माण हो सकता है।

आयुर्वेद और एलोपैथी के साझा बिंदु

रोग के कारण की पहचान- एलोपैथी में ब्लड टेस्ट, एक्स-रे, एमआरआई से कारणों की पहचान की जाती है, वहीं आयुर्वेद में दोष, धातु और अग्नि की स्थिति देखी जाती है।

निवारणात्मक दृष्टिकोण- आयुर्वेद 'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं' के सिद्धांत पर चलता है। एलोपैथी में भी अब निवारक आर्थोपेडिक्स (जैसे गिरने से बचाव, जीवनशैली में बदलाव) पर ज़ोर बढ़ रहा है।

पुनर्वास- आयुर्वेदिक स्नेहन, स्वेदन, और योग–यह सब एलोपैथिक फिजियोथेरेपी के साथ मिलकर संयुक्त पुनर्वास में चमत्कारिक हो सकते हैं।

अब यदि हम हड्डी और जोड़ स्वास्थ्य को जीवन के विभिन्न चरणों में देखें तो दोनों पद्धतियां एक-दूसरे को पूरक बन सकती हैं। जैसे बचपन और किशोरावस्था में हड्डियों का विकास तीव्र होता है, वहां एलोपैथी द्वारा टीकाकरण, खाद्य पूरक, और बाल रोग विशेषज्ञों की सलाह जरूरी है, वहीं आयुर्वेद इस अवस्था में गिलोय, च्यवनप्राश, तिल, दूध और घी से अस्थि धातु की वृद्धि सुनिश्चित करता है। महिलाओं के लिए, विशेष रूप से प्रसव और रजोनिवृत्ति के बाद, एलोपैथी द्वारा विटामिन-डी सप्लीमेंट, कैल्शियम टैबलेट्स और बीएमडी परीक्षण जरूरी हैं, वहीं आयुर्वेद इन्हें अशोकारिष्ट, शतावरी कल्प, सौठ और नियमित व्यायाम से सहारा देता है।

आज की आवश्यकता है कि चिकित्सा पद्धतियों को एक-दूसरे के विरोध में न रखकर, उनके मिलन बिंदुओं को खोजा जाए, जिसमें रोगी को दोनों पद्धतियों से उचित लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। सरकार द्वारा स्थापित आयुष विभाग, एलोपैथी चिकित्सालयों में पंचकर्म इकाइयां, और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में योग प्रशिक्षक-यह सब इसी एकीकृत सोच का परिणाम है। यदि एलोपैथी और आयुर्वेद एक मंच पर आ जाएं, तो हम अस्थि और जोड़ रोगों की रोकथाम, उपचार और पुनर्वास के क्षेत्र में अद्वितीय प्रगति कर सकते हैं।

सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय योजनाएं

सरकार द्वारा "राष्ट्रीय आयुष मिशन" और "फिट इंडिया मूवमेंट" जैसी योजनाएं आमजन को जीवनशैली और पारंपरिक चिकित्सा की ओर ले जाने का प्रयास कर रही हैं। हड्डी और जोड़ दिवस के माध्यम से यह संदेश फैलाना चाहिए कि योग, पंचकर्म, आयुर्वेदिक आहार और एलोपैथिक वैज्ञानिक निदान मिलकर ही समाज को अस्थि रोगों से मुक्त कर सकते हैं। अंतत: यही कहा जा सकता है कि "अस्थि एवं जोड़ दिवस" हमें यह सोचने को विवश करता है कि क्या हम अपने शरीर की नींव की रक्षा कर रहे हैं? क्या हम अपने जोड़ों को उस लचीलापन और शक्ति के साथ देख रहे हैं जिसकी उन्हें आवश्यकता है? और क्या हम आयुर्वेद और एलोपैथी को साथ लाकर उस समग्र चिकित्सा की ओर बढ़ रहे हैं जो रोगी को संपूर्ण स्वास्थ्य प्रदान कर सके? अस्थि एवं जोड़ दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम केवल रोग की बात न करें, बल्कि स्वस्थ जीवन की ओर लौटने का मार्ग तलाशें। एलोपैथी जहां तात्कालिक राहत और वैज्ञानिक परामर्श देती है, वहीं आयुर्वेद संपूर्ण रोग निवारण, मानसिक संतुलन और जीवनशैली पर बल देता है। यदि इन दोनों पद्धतियों को एकीकृत करके देखा जाए, तो यह न केवल रोगी के लिए लाभकारी है बल्कि यह चिकित्सा क्षेत्र में एक नई क्रांति का सूत्रपात भी कर सकता है। अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और पीएचसी स्तर पर दोनों पद्धतियों का एकीकृत अभ्यास ही अगला चिकित्सा मॉडल होना चाहिए।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है टमाटर

लाल टमाटर देखने में जितना आकर्षक होता है, भोजन के स्वाद को बढ़ाने में भी उतना ही कारगर होता है। टमाटर! ये मीठे, रसीले और स्वादिष्ट होते हैं। हर कोई जानता है, कि ये आप के लिए अच्छे होते हैं। टमाटर खाने के फायदे बहुत हैं और इसके गुण और इसे खाने से सेहत को होने वाले लाभ के बारे में जब आप जानेंगे तो आप टमाटर को ज़रूर खाएंगे।

गर्भावस्था के दौरान स्त्रियों के शरीर में लौह तत्व की कमी को पूरा करने वाला टमाटर को स्वादिष्ट व गुणकारी फल माना जाता है। टमाटर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस व विटामिन सी पाये जाते हैं, विटामिन, पोटाश, मैगजीन, लौह और कैल्शियम से भरपूर टमाटर को चटनी, सांस कैचाअप, जैम और विभिन्न व्यंजनों के रूप में सेवन किया जा सकता है।

अंजु अग्निहोत्री
लखनऊ

इसके अलावा लोग सर्दियों के मौसम में टमाटर का सूप भी पीते हैं। यह सेहत के लिए बहुत ही लाभदायक है। टमाटर के पौष्टिक गुणों की सबसे अच्छी बात यह है कि यह सोडियम, संतृप्त वसा, कोलेस्ट्रॉल और कैलोरी में स्वाभाविक रूप से कम है। आप टमाटर का सेवन सलाद, सैंडविच, सब्जियों के लिए ग्रेवी, सॉस और सूप में शामिल करके कर सकते हैं। टमाटर के पास अविश्वसनीय स्वास्थ्य लाभ हैं, इसलिए आप उन्हें अपने आहार में जोड़ना चाहिए।

न केवल टमाटर पोटेशियम, मैंगनीज, मैग्नीशियम, फास्फोरस और तांबा का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन उनके पास आहार संबंधी फाइबर और प्रोटीन भी है, साथ ही लाइकोपीन जैसे कई कार्बनिक यौगिक हैं जो उनके स्वास्थ्य लाभ में योगदान करते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट में अमीर

इसमें लाइकोपीन की एक बड़ी मात्रा होती है, जो कैंसर के कारण मुक्त कणों को साफ करने में अत्यधिक प्रभावी होती है।

विटामिन और खनिजों का समृद्ध स्रोत

एक टमाटर दैनिक विटामिन सी आवश्यकता के बारे में 40 प्रतिशत प्रदान कर सकता है।

हृदय को सुरक्षित रखें

विशेषज्ञों का कहना है कि टमाटर में लाइकोपीन सीरम लिपिड ऑक्सीकरण को रोकता है, इस प्रकार हृदय रोगों के खिलाफ सुरक्षात्मक प्रभाव डालता है।

पाचन में सहायता

कब्ज और दस्त को रोकने के लिए वे बहुत अच्छे हैं।

दृष्टि सुधार

टमाटर में मौजूद विटामिन ए के लिए धन्यवाद, वे दृष्टि में सुधार लाने में सहायता करते हैं, और रात-अंधापन और धब्बेदार अध: पतन को रोकने में सहायता करते हैं।

लोअर उच्च रक्तचाप

यह टमाटर में पाए जाने वाले पोटेशियम के प्रभावशाली स्तरों के कारण है।

स्किनकेयर के लिए महान

दैनिक टमाटर की खपत आपके दांत, हड्डियों और त्वचा की सहायता करेगी। इसके अलावा, टमाटर के जूस के सामयिक आवेदन को गंभीर सनबर्न के साथ मदद करने के लिए जाना जाता है।

गैस्ट्रोन्स रोकें

नियमित खपत में गैस्ट्रोन से राहत मिल सकती है।

मूत्र पथ के संक्रमण को रोकें

यह तथ्य है कि टमाटर जल सामग्री में उच्च है, जो पेशाब को उत्तेजित कर सकता है, इसलिए वे एक मूत्रवर्धक हैं

मधुमेह के प्रबंधन में मदद

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि टमाटर की दैनिक खपत टाइप 2 मधुमेह के ऑक्सीडेटिव तनाव को कम कर देता है।

टॉयलेट में गलत तरीके से बैठना हो सकता है खतरनाक

जैसे-जैसे लोगों के भीतर अपने आपको आधुनिक व सुशिक्षित दिखाने का चलन बढ़ा उसे भारतीय ढंग की अधिकांश चीजें एकदम से निरर्थक प्रतीत होने लगी। जिसका नतीजा कि, इंडियन टॉयलेट जिन्हें आज विदेशों में सुबह-सुबह फ्रेश होने के लिए सर्वोत्तम माना जाता उसे भी घर के बाहर निकाल दिया है।

आजकल घर हो या बाहर कहीं भी जाओ वेस्टर्न स्टाइल के टॉयलेट व कमोड सिस्टम ही नजर आते हैं। जिनकी वजह से लोगों में अब कब्ज की शिकायत ही नहीं बढ़ने लगी बल्कि, नीचे बैठने की तो आदत ही छूट गई बच्चे तक अब जमीन पर बैठने में दिक्कत महसूस करते हैं। डॉक्टर्स ने घुटने के मरीजों या बुजुर्गों को उनकी असमर्थता देखते हुए यदि इसका उपयोग करने की सलाह दी तो बाकी, लोगों ने अपने आप ही स्वयं को मरीज मान लिया कि, आज नहीं कल सही इसका उपयोग तो करना ही है। ऐसी सोच के साथ हर घर में अब यह दिखाई देने लगे जो सुविधजनक उन्हें ही लगते जिन्हें भारतीय शैली की टॉयलेट में बैठना पसंद नहीं या बनता ही नहीं है।

इंदु सिंह
स्वतंत्र लेखिका

जबकि, वास्तविकता कहो या वैज्ञानिक दृष्टिकोण भारतीय शैली के टॉयलेट में उकड़ू होकर बैठने से पेट पर सही ढंग से दबाब पड़ता तो फ्रेश होना भी आसान हो जाता जबकि, वेस्टर्न में ऐसा नहीं होता है। वेस्टर्न टॉयलेट के कारण लोग अब टॉयलेट जाते तो पैर तक नहीं धोते क्योंकि, उन्हें लगता कि, पैर तो गंदे नहीं हुए तो उन्हें क्यों धोना जबकि, हमारे यहां शौचालय में जाने मात्र से पैर धोना अनिवार्य हो जाता लेकिन, इनमें जाकर लोग मजे से बाहर आ जाते हैं। यही नहीं वे इस पर आराम से बैठकर मोबाइल चलाते या अखबार पढ़ते जो उनकी पेट की सेहत के लिए कहीं से भी अच्छा नहीं क्योंकि, जब आप शौच के लिए गए हो तो आपका पूरा ध्यान केवल उसी पर केंद्रित होना चाहिए जो हाथ में रखे मोबाइल के कारण हो नहीं पाता है। इसलिए अपनी इस गलत आदत को जल्द से जल्द सुधारे टॉयलेट देशी हो या विदेशी वहां कुछ भी ऐसी चीज लेकर न जाएं जो आपके ध्यान को भटकाती है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले कहीं ज्यादा बेहतर और शुभ फल दिलाने वाला साबित होगा। इस सप्ताह आपकी कामना से कहीं अधिक धन और मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। अटके हुए कार्यों में गति आएगी। किसी योजना अथवा किसी व्यक्ति के पास फंसा हुआ पैसा आसानी से निकल आएगा।

वृष
इस सप्ताह आप अपने करियर और कारोबार पर पूरी तरह से फोकस करते हुए नजर आएंगे। आपका प्रयास अपने कार्यों में अधिक से अधिक सफलता और लाभ प्राप्त करने का रहेगा। हालांकि ऐसा करते समय आपको अपने सेहत और संबंधों पर भी ध्यान देना होगा।

मिथुन
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आपकी बहुप्रतीक्षित कामना पूरी हो सकती है। आपके अटके हुए कार्यों में गति आएगी। करियर-कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए शुभता लिए है। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी।

कर्क
इस सप्ताह आपका मन किसी अनजान भय को लेकर ग्रसित रहेगा। कामकाज में अचानक आने वाली अड़चन के चलते मन चिंतित रहेगा। इस सप्ताह कर्क राशि के जातकों को उनके परिश्रम के अनुसार फल नहीं मिलने पर मन में निराशा और आत्मविश्वास में कमी देखने को मिलेगा।

सिंह
इस सप्ताह सभी को मिलाकर सधे हुए कदमों से अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हैं तो उन्हें निश्चित रूप से मनचाही सफलता मिल जाएगी। पेशेवर लोगों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। यदि आप लंबे समय से भूमि-भवन या वाहन आदि को क्रय करने की योजना बना रहे थे तो वह इस सप्ताह साकार होती हुई नजर आएगी।

कन्या
इस सप्ताह किसी भी निर्णय को जल्दबाजी अथवा भावनाओं में बहकर लेने से बचना होगा अन्यथा उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। इस सप्ताह बहुत ज्यादा भागदौड़ भरी रहने वाली है। इस दौरान आपको छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करने पड़ सकते हैं।

तुला
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ एवं सार्थक साबित होने जा रहा है। इस सप्ताह आपको अपनी मेहनत और प्रयास का पूरा फल मिलेगा। इस सप्ताह तमाम तरह के कार्यों को लेकर बनाई गई रणनीति कामयाब होगी। करियर और कारोबार में मिलने वाली सफलता और लाभ के चलते आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी बनी रहेगी।

वृश्चिक
यह सप्ताह शुभता और सफलता लिए है। इस सप्ताह आपको स्वजनों और शुभचिंतकों का पूरा सहयोग और समर्थन मिलेगा। कोई बहुप्रतीक्षित समाचार प्राप्त होगा। किसी व्यक्ति विशेष से मेल-मुलाकात के योग बनेंगे। सत्ता-सरकार से संबंधित अटके हुए कार्य पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी।

धनु
इस सप्ताह बहुत सधे हुए कदम के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता रहेगी। इस सप्ताह एक छोटी सी भूल आपके लिए बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। ऐसे में किसी भी कार्य को पूरी जिम्मेदारी और बेहतर तरीके से पूरा करने का प्रयास करें। अपने कार्य को किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने की भूल बिल्कुल भी न करें।

मकर
यह सप्ताह थोड़ा आपाधापी से भरा रह सकता है। सप्ताह की शुरुआत लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा से होगी। यात्रा थकान भरी तथा उम्मीद से कम फल प्रदान करने वाली साबित होगी। इस सप्ताह धन का लेनदेन करते समय खूब सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी। बहुत सोच-विचार कर ही किसी को धन उधार दें अन्यथा उसको वापस लेने में परेशानी उठानी पड़ सकती है।

कुंभ
इस सप्ताह आपके कार्य धीमी गति से ही सही लेकिन आगे बढ़ते हुए नजर आएंगे। करियर-कारोबार के सिलसिले में की जाने वाली यात्राएं सुखद एवं मनचाही सफलता दिलाने वाली साबित होंगी। सप्ताह की शुरुआत में किसी प्रिय व्यक्ति के घर आगमन से खुशियों का माहौल बना रहेगा।

मीन
यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। ऐसे में किसी भी दिशा में बहुत सोच-समझकर कदम उठाने की आवश्यकता रहेगी। यदि आपका कार्यक्षेत्र में किसी के साथ विवाद चल रहा है तो उससे उलझने की बजाय अपने लक्ष्य पर फोकस करना बेहतर रहेगा। इस सप्ताह भावनाओं में बहकर रोजी-रोजगार में बदलाव करने का प्रयास न करें अन्यथा बाद में पछताना पड़ सकता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 20

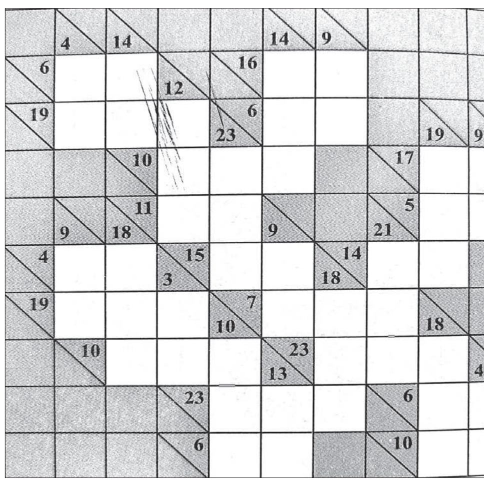

काकुरो 19 का हल

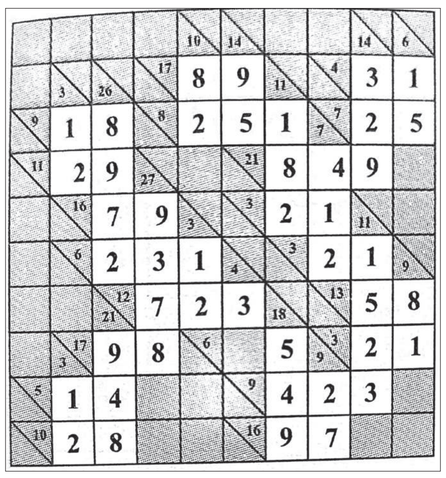

शब्द संसार

कहानी

नया सबक

राजेश ओझा
गोण्डा

जितनी तीव्र गति से उसके पैर उठ रहे थे, उतनी ही तीव्र गति से उसका मस्तिष्क भी दौड़ रहा था। आज यदि कम्प्यूटर से उसके मस्तिष्क का मुकाबला होता तो कम्प्यूटर शायद पीछे हो जाता। जब आप कुछ बेहतर कर लेते हो तो उसके सापेक्ष प्रशंसा स्वाभाविक हो जाती है। आज उसकी कुछ-कुछ यही स्थिति थी। जबसे उसने आज वाली कहानी को पूर्ण किया था तभी से उसका मन गुरुदेव से जंचाने को उत्सुक था। वह सोच रहा था कि गुरुदेव आज वाली कहानी पढ़कर उछल पड़ेंगे। उसकी साहित्यिक महत्वाकांक्षा अपने चरम पर थी। नियमित अध्ययन और प्रखर मनीषा उसके साहित्यिक जीवन का पाथेय रहा था। वह लगातार पिछले से बेहतर लिखने का प्रयास कर रहा था। उसकी तल्लीनता और एकाग्रता का परिणाम अत्यन्त अभिरामी आया। अब लोग उसकी नई कहानियों की प्रतीक्षा करने लगे थे।

आज वाली कहानी से मन में एक नया विश्वास आया था। उसे लग रहा था कि अब उसका लेखन इस स्तर का हो गया है कि बड़ी से बड़ी पत्रिकाएं भी उसे अस्वीकृत नहीं कर सकतीं। लिखने के बाद उसे अब प्रकाशन-हेतु जुगाड़ नहीं लगाना था। किसी भी संपादक से तैलीय संबंध नहीं बनाने थे। अबतक का उसका श्रम प्रकाशन की गारंटी बन चुका था। उसके जीवन में साहित्य से अधिक महत्वपूर्ण अब कुछ नहीं था। वह सोते-जागते,उठते-बैठते, खाते-पीते सिर्फ साहित्य की ही चर्चा करता। वह कुछ भी कर रहा होता लेकिन मस्तिष्क में सिर्फ साहित्य रहता। भाषा पर उसका अधिकार इस तरह हो गया था कि क्षेत्र के स्थापित साहित्यकार अब उससे ईर्ष्या करने लगे थे। लोग उसे बिम्ब का जादूगर कहते। किस प्रसंग पर शब्दों से कैसा चित्र उकेरना है, इसमें वह निपुण हो गया था। शिल्प ऐसा कि लोग उसकी बुनावट की दाद देते। उसे लग रहा था कि अब वह सम्पूर्ण साहित्यकार हो चुका है।

कहीं पढ़ा था उसने कि साहित्य-साधना ऐसी हो कि व्यक्ति शब्द बन जाए। साहित्य में अमरत्व शब्द बनकर ही पाया जा सकता है। जब आपका साहित्य गांव-गली से निकलकर खेत-खलिहान होते हुए पान की गुमटियों और चाय के ठेलों पर कुछ समय रुककर पुस्तकालय तक की यात्रा कर लेता है तब वह पूर्ण साहित्य बनता है और ऐसा कालजयी साहित्य रचने वाला साहित्यकार तब शब्द बनकर अमर हो जाता है। उसे अपनी साहित्यिक-साधना से लगने लगा था कि वह शब्द बनने की प्रक्रिया में है।

आज जैसे ही कहानी को पूर्ण किया तो सदैव की भांति प्रथमतः उसे स्वयं पढ़ा फिर मुस्करा पड़ा। सच में यह कहानी बहुत खूबसूरत बन पड़ी थी। शायद उसके साहित्यिक जीवन की सबसे खूबसूरत कहानी। मन में उत्साह की तरंग हिलोर मार रही थी। आज गुरुदेव का आवास उसे बहुत दूर लगने लगा था। जब कहीं अतिशीघ्र पहुंचने का लक्ष्य हो तब नजदीक की दूरी भी अत्यंत दूर लगने लगती है। वह तुरंत गुरुदेव तक पहुंच कर अपनी प्रशंसा सुनने को आतुर था। वह जब भी किसी नयी कहानी को गुरुदेव को दिखता, गुरुदेव उसकी पीठ ठोंकते। यदि कोई संशोधन आवश्यक होता तो उसे अत्यंत स्नेहिल भाव में संशोधित करवाते और अगले सृजन -हेतु उस गलती को लेकर आगाह करते।

वह गुरुदेव के साहित्यिक टेस्ट से भली-भांति परिचित था। उसे पता था कि यह कहानी गुरुदेव को आनंद से भर देगी। जब आप किसी कार्य की निष्पत्ति चाहते हो तो उस-हेतु आपका श्रम उसके अनुकूल ही होना चाहिए। उसने इस कहानी को गढ़ने में सचमुच बड़ा श्रम किया था। आज वाली कहानी में कहीं किसी संशोधन की आवश्यकता नहीं थी। उसका प्रसन्न होना अकारण नहीं था।

गुरुदेव ने साहित्य के अतिरिक्त और कुछ नहीं किया था जीवन में। साहित्य ने भी उन्हें कभी निराश नहीं किया। शहर के साहित्यिक पितामह थे वै। उनके विषय में एक बात अक्सर कही जाती थी, कि गुरुदेव ने रूढ़ को समाप्त किया है। वै 'साहित्य जगत के ऐसे वृक्ष बने जिनके तले तमाम-तमाम साहित्यिक पौध उगीं और आज पुष्पित, पल्लवित हो रही हैं। उनके साहित्यिक शिष्यों ने उन्हें शहर में गुरुदेव के रूप में प्रसिद्ध कर दिया था। गुरुदेव ने अपनी साहित्य-साधना और नये साहित्यकारों को गढ़ने में काफी यश कमाया था। उनके द्वारा दिया गया प्रमाणपत्र अन्तिम माना जाता था। ऐसे में जब उसने गुरुदेव के दरवाजे पर घण्टी को बजाया तो घण्टी के साथ उसका दिल भी बहुत तेजी से धड़का था। दरवाजा खुलते ही उसने चरण स्पर्श किया था। गुरुदेव बिना कुछ बोले दरवाजे से हंट गये थे और वह अन्दर आ गया था। घर का वातावरण डराने वाला था। जैसे कुछ अभी-अभी भयानक होकर गुजरा हो। वह जिस उत्साह से आया था वह तिरोहित हो गया था, फिर भी डरते-डरते बोला- "गुरुदेव नई कहानी लिखा हूं। आप एक बार देख लेते तो भेज देता कहीं प्रकाशन के लिए।"

"आज तुमसे दो बात कहनी है। पहला तो यह कि अब तुम इस स्तर के हो गये हो कि तुम्हें किसी से जंचाने की आवश्यकता नहीं है और दूसरा यह है कि जीवन में सिर्फ साहित्य ही सबकुछ नहीं है।" गुरुदेव अत्यंत सपाट लहजे में बोले थे।

"गुरुदेव मैं समझ नहीं पाया।" वह हकलाते हुए बोला।

"साहित्य के अतिरिक्त और क्या सोचा है?" अब वह चौंका था। जिसने स्वयं पूरा जीवन साहित्य के अतिरिक्त कुछ नहीं किया आज वही ऐसा प्रश्न कर रहा है। वह बोल पड़ा- "गुरुदेव! मैं फिर समझा नहीं ।"

"व्यक्तिगत जीवन के दायित्व के लिए क्या सोचा है?"

"गुरुदेव साहित्य-सेवा के अतिरिक्त और कुछ नहीं सोचा है।" "साहित्य-सेवा परिवार के जीवन को कितना प्रभावित करता है?" "गुरुदेव! जो साहित्यकार अपने भावों और विचारों के द्वारा वायु-मण्डल को सुरभित, विकसित और प्रफुल्लित करने की सामर्थ्य रखता है, उसके लिए परिवार तो बहुत छोटी इकाई है। सच्चा साहित्यकार युग का प्रतिनिधित्व ही नहीं करता वह युग का निर्माण भी करता है। परिवार के लिए अलग से क्या सोचना?"

"मतलब साहित्यकार के जीवन में अपने परिवार के प्रति दायित्व-बोध के लिए कोई स्थान नहीं है?"

"गुरुदेव! साहित्यकार परिस्थिति-विशेष में उत्पन्न होता है। वह बढ़ते हुए संस्कार ग्रहण करता है। प्रेरणा प्राप्त करता है फिर अपनी परिस्थितियों को अपनी रचनाओं में प्रतिबिंबित करता है। अपनी सम-सामयिक परिस्थितियों और उसमें लुके-छिपे समाज के विकृत स्वरूपों को परिष्कृत करने का भी कार्य करता है। परिवार के प्रति दायित्व-बोध के लिए कोई भिन्न उपक्रम साहित्यकार को नहीं शोभता। ईश्वर ने उसे सामान्य नागरिक बनाकर नहीं भेजा है कि वह सिर्फ परिवार-परिवार रटता रहे। माता,पिता,पत्नी, बच्चे,भाई,बुआ,फूफा में उलझकर रह जाए। ईश्वर ने उसे कुछ विशेष बनाया है। वह साहित्यकार नहीं जो अपनी स्थिति से अपने भावों और विचारों के द्वारा वायुमंडल सुरभित न कर दे।" वह अब खुलकर बोला था।

"फिर तो साहित्यकार को अपना परिवार नहीं बनाना चाहिए। पूरी पृथ्वी उसके पारिवारिक परिधि में होती ही है। अपना बच्चा भी नहीं पैदा करना चाहिए।" गुरुदेव झुंझलाते हुए बोले। "गुरुदेव! आज मैं अचम्भित हो रहा हूं। जिस व्यक्ति ने सदैव सिर्फ साहित्य-सेवा के अतिरिक्त और कुछ नहीं किया वही व्यक्ति आज मुझसे साहित्य से दूर होने की बात कैसे कर सकता है?" "साहित्य से दूर होने की बात नहीं कर रहा लेकिन यह बताना आवश्यक है कि जीवन में साहित्य ही सबकुछ नहीं है। आज पहली बार मैं घर में बेइज्जत हुआ हूं। साहित्य के लिए जिस आदर्श की बात तुम गढ़ रहे हो उससे बेहतर मैं आजतक तर्क दे रहा था। एक अधन्नी नहीं कमाया कभी। बड़े भैया ने अपने परिवार के साथ मेरे परिवार का भी पालन-पोषण किया लेकिन आज उनके न रहने के बाद मुझे बेइज्जत किया जा रहा है। आज मुझे पहली बार यह महसूस हो रहा है कि परिवार बनाया है तो उसका दायित्व-बोध सबसे पहले सीखना चाहिए। तुम मेरे अति आत्मीय हो। प्रतिभा संपन्न हो। मैं चाहता हूं मेरी तरह तुम्हारे जीवन में यह भटकन न आवै। तुम्हारे जीवन की शुरुआत हो रही है अब। यह बराबर याद रखना कि साहित्य आपके परिवार को रोटी नहीं देगा।" "गुरुदेव! मैं अपने छोटे मुंह से बड़ी बात कहने जा रहा हूं। आपने ध्यान नहीं दिया। आप पूर्णकालिक साहित्य-सेवा करके भी धनोपार्जन कर सकते थे। मेरे सामने कुमार विश्वास और अमीश का उदाहरण है। यह लोग सिर्फ साहित्यकार हैं और लगजीरियस जीवन जी रहे हैं।"

गुरुदेव इतनी वार्ता के बाद पहली बार हंसे थे। बोले– "बेटा अपवाद कभी भी आदर्श उदाहरण के कोटि में नहीं आते। अमीश और विश्वास साहित्यिक गलियारे के भ्रामक उदाहरण हैं। इनको आप अपवाद कह सकते हो आदर्श उदाहरण नहीं। रही बात मेरी तो मेरे हाथ में सदैव वे वाले ही पत्थर थे जो आसमान में सुराख करने हेतु तबियत से ही उछाले गये थे लेकिन पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण ने सदैव उसे खींचकर मेरे सर को ही घायल कराया। आप अपनी कहानी लेकर वापस जाओ। अब अपनी कहानी जंचाने तब आना जब पारिवारिक दायित्व को पूरा करने-हेतु कुछ और शुरू कर चुके हो।" वह आज एक नया सबक सीखकर अपनी कहानी समेटे वापस जा रहा था।

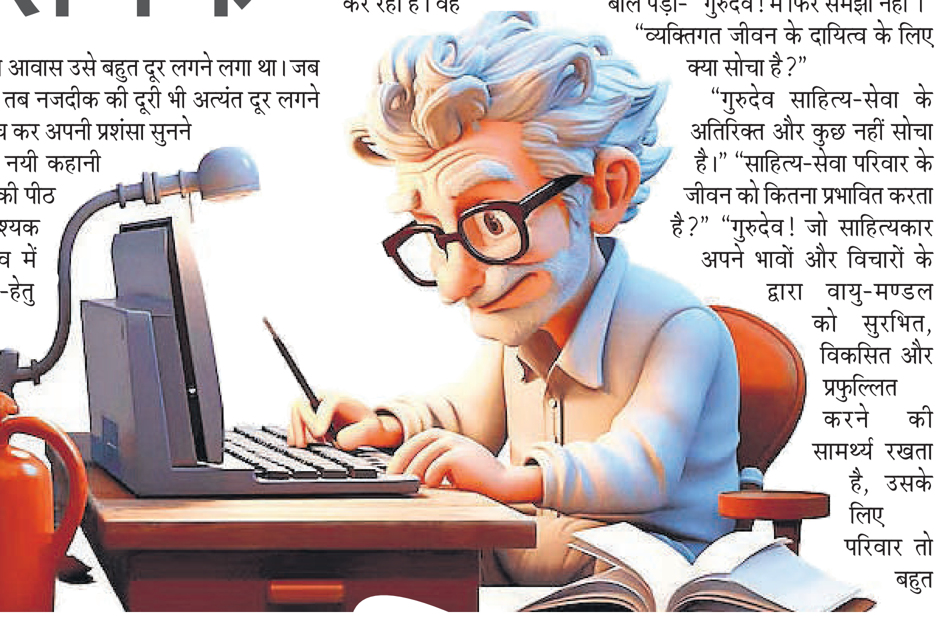

कविताएं/गीत

आयातित मुस्कानों से

झांक रहा है
सूरज
रोशन दानों से।
और हवाएं
बचती हैं
अनजानों से।

मन में
जमीं हुईं हैं जाने
कब–कब से परतें।
सही बात
कहने से भी तो
सारे ही डरते।
चाह रहे
बचना अब चेहरे
अपनी ही पहचानों से।

चुभती दोपहरी
में दो पल
छांव हुई वोझिल।
सांझ खुदी की
परछाई से
आज रही है मिल।

रिश्ते सारे
ही लगते हैं
कहीं दूर के मेहमानों से।

आंखों में
दूरी के भाव,
साफ नजर आते।
घर में
आहट सुनते ही हैं,
कदम ठिठक जाते।
काम सभी के
चल जाते हैं
आयातित मुस्कानों से।

पंकज मिश्र 'अटल'
शाहजहांपुर

सावन पिया

मैं सुबह की ओस
तू सूरज की पहली धूप पिया
मैं सतरंगी इंद्रधनुष
तू बाहें फैलाए क्षितिज पिया
मैं पूनम की चांद
तू स्याह रात पिया
मैं खूबसूरत गीत
तू मीठा सरगम पिया
मैं लहराती आंचल
तू हवा का झोंका पिया
मैं भींगे नैनों की कोर
तू नैनों में सजता काजल
पिया
मैं नृत्य करती घुंघरू
तू मेरा झनकार पिया
मैं कांच की चूड़ियां
तू उस पर चढ़ा हरा रंग पिया
मैं रचती मेहंदी
तू प्रीत का गहरा रंग पिया
मैं पावन सी बहती अल्हड़
गंगा
तू बांहे थामे मेरा धार पिया

मैं बरखा बहार
तू झूमता सावन पिया
मैं तुममें वशीभूत गौरी
तू पूर्णतम शिव पिया
सब रीत सब श्रृंगार
है तुमसे पिया
मन की हूं जोगन
पर तुमसे पूरा संसार पिया।

ज्योति वत्सल
बाराणसी

सावन का पहला दिन

सावन का पहला दिन,
रिमझिम रिमझिम से
शुरुआत।
मन : पटल पर सजी
अचानक,
यादों की बारात।

तुम निकले थे पैदल कॉलेज
छोटी छतरी तान।
मैं भी आगे खड़ा मिलूंगा
था तुमको अनुमान।

फिर उस छोटी सी छतरी में,
भीगे दोनों गात।

आया मुझे याद कुछ दिन में
मेरा हुआ विवाह।
हुमक उठी पहली बारिश में
पति–पत्नी की चाह।

सावन की वह पहली बारिश,
थी मधुरिम सौगात।

वर्तमान में लौटा
पत्नी ले आई जब चाय।
दोनों ही वृद्धावस्था में
बदन हुए कृशकाय।

समझ रहे हम खड़े लॉन में
पोते के ज़ज़्बात।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

लघुकथा

सरस प्रशंसा

घनश्याम अवस्थी
गोण्डा

गिरिजा बाबू साहित्य पढ़ने के बहुत शौकीन थे, विशेषकर कहानी और उपन्यास। उनके अपने घर में ही एक समृद्ध पुस्तकालय था, अनगिनत पत्र-पत्रिकाओं को संजोकर रखना, उनका स्वभाव था। वास्तव में उनके जैसा पाठक दूर-दूर तक नहीं था।

एक दिन वे किसी काम से गोण्डा आए। काम निबटाने के बाद लौटते हुए जैसे ही कचेहरी के बगल से गुजरे, उन्हें एडवोकेट राकेश तिवारी की सहसा याद आ गई। फिर क्या था, अपनी फिटफिटिया मोड़ लिये। एडवोकेट साहब केवल वकालत ही नहीं करते थे, अपितु एक कुशल शब्द-शिल्पी भी थे। उनकी अनेक कहानियां और लघुकथाएं देश की प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती थीं। उनकी कहानियों ने गिरिजा बाबू को इतना प्रभावित किया था कि उन्हें पढ़कर वे पहले भी एक बार उनसे मिलने आ चुके थे। यह व्यवहार एक पाठक और साहित्यकार के बीच का था, न कि मुवक्किल और वकील के बीच का। सीट के निकट पहुंचते ही गिरिजा बाबू बोले, "भइया! प्रणाम।" अरे गिरिजा बाबू! आऊ। आज कहां रस्ता भुलाय गयव! वकील साहब ने बहुत आत्मीयता से उनको बैठाया। हाल-चाल पूछा। मिलने आये हर किसी को मान-महत्त्व देना उनका स्वभाव था। थोड़ी ही देर बाद उन्होंने गिरिजा बाबू को साथ लिया और चल पड़े जलपानगृह की ओर। रास्ते में ही कचेहरी के जानेमाने वकील गुरुदत्त पाण्डेय जी की सीट पड़ी। पाण्डेय जी वरिष्ठ थे, इसलिए तिवारी जी उनका बहुत सम्मान करते थे। वे बेहद कंजूस इंसान थे और सामाजिक तो बिलकुल ही नहीं। तिवारी जी उनका अभिवादन करते हुए थोड़ा ठिठके। गिरिजा बाबू से उनका परिचय कराते हुए बोले-"गिरिजा बाबू! दद्दा हमारे मार्गदर्शक हैं। आप बहुत ईमानदार और परोपकारी इंसान हैं। सबसे ख़ास बात यह है कि आपको अपनी प्रशंसा बहुत ख़राब लगती है। प्रशंसा करने वाले को तत्काल फटकार देते हैं आप।" तभी पाण्डेय जी ने दोनों लोगों से बैठने का इशारा किया। तिवारी जी थे तो जल्दी में, लेकिन पाण्डेय जी में यह नरमी उन्हें पहली बार ही दिखी थी, सो आदेशानुपालन में बैठ गए। पांच मिनट भी नहीं बीता कि पाण्डेय जी के मुंशी जी रसमलाई लेकर आ गए। बातचीत के दौरान पाण्डेय जी ने पर्ची में कुछ लिखकर मुंशी जी को दिया था। शायद वह रसमलाई ही लाने का आदेश था। पाण्डेय जी को अपनी प्रशंसा कितनी अप्रिय थी!

डीपी

डॉ. तबस्सुम जहां
दिल्ली

"तुम व्हाट्सएप्प में अपनी प्रोफाइल फोटो में खुद की तस्वीर क्यों नहीं लगाते हो? ये कुत्ते-बिल्ली क्यों लगाते रहते हो?"
वो मुस्कुराया। चेहरे पर एक हलकी-सी संजीदगी उभर आई।
"असल में मैं अपनी उससे बात करता हूं, इसलिए अपनी तस्वीर नहीं लगाता।"
"क्या? यानी उसने तुम्हें अभी तक देखा ही नहीं?"
"अरे नहीं, वो तो मेरी पुरानी दोस्त है। देख चुकी है बहुत करीब से।"
"फिर?"
"अब वो शादीशुदा है। उसका पति मुझे नहीं जानता उसने मेरा नंबर एक लड़की के नाम से सेव कर रखा है। अगर मैं डीपी में अपनी असली तस्वीर लगा दूं, तो उसका पति शक कर बैठेगा। शायद हमारी अधूरी लव स्टोरी की परतें खुल जाएं।"
"तो फिर तुम?"
"जब भी उससे बात करनी होती है, मैं लड़की बन कर करता हूं। बात भी हो जाती है और पहचान भी छुपी रहती है।"
इतना कहकर उसने फोन जेब में रख लिया। और उसकी डीपी पर अब भी वही बिल्ली की तस्वीर चमक रही थी।

समीक्षा

कलाकार को प्रदत्त गुरु-दक्षिणा

हरिशंकर शर्मा उत्साह और ऊर्जा से भरे हुए कलाकार हैं। सत्रह-अठारह वर्ष की आयु में मन में कलाकार बनने की उमंग लेकर अपने शहर बरेली में प्रसिद्ध कलाकार प्रोफेसर हरिश्चंद्र राय से उनके घर पर जाकर मिले। प्रोफेसर हरिश्चंद्र राय का जन्म 27 मई 1923 को बरेली में हुआ था। उनकी मृत्यु 30 अक्टूबर 2018 को हुई। उनकी पुस्तक में यथार्थवादी शैली के साथ-साथ अजंता, पहाड़ी, राजपूत और मुगल शैली के रेखांकन देखने को मिलते हैं। यथार्थवादी शैली में उनके गतिशील रेखांकन सजीव जान पड़ते हैं। चित्र देखो तो लगता है अभी बोल पड़ेंगे। एक चित्र डॉ राधाकृष्णन का है। इस पर डॉ राधाकृष्णन के हस्ताक्षर भी हैं। एक चित्र स्वामी शिवानंद के दस जून 1946 के हस्ताक्षर के साथ पुस्तक की शोभा बढ़ा रहा है। स्वामी शिवानंद के मुख-मंडल की तेजस्विता और कर्मठता को कलाकार ने संपूर्ण प्रतिभा के साथ आकार दिया है। संबंधित महापुरुषों द्वारा चित्रों पर हस्ताक्षर करने से यह भी सिद्ध होता है कि वे लोग इन रेखांकनों से संतुष्ट हैं। यथार्थवादी शैली में बनाए गए रेखांकन ज्यादा प्रभावशाली कहे जायेंगे। चाहे पगड़ी बांधकर शांत भाव से खड़ा हुआ एक प्रौढ़ व्यक्ति हो या सिर पर फल की टोकरी लेकर जाती हुई पारंपरिक लहंगा-चुन्नी ओढ़ी हुई स्त्री को दो प्रौढ़ व्यक्ति उदासीन भाव से निहार रहे हों। सभी यथार्थवादी चित्रों में शालीनता है। पैरों में पहने जाने वाले कड़े और पाजेब को भी रेखांकन का विषय बनाकर प्रोफेसर राय ने प्रस्तुत किया है। एक रेखांकन वर्षा से बचते हुए सिर पर पल्ला ढककर तेजी से दौड़ लगाती भारतीय नारी का है। चित्र स्वयं में परिदृश्य को प्रस्तुत कर रहा है। हरिशंकर शर्मा बरेली मूल के निवासी हैं। शिक्षक पद से सेवानिवृत्त होकर जयपुर में रहते हैं। अपने कलागुरु को उनके द्वारा प्रदत्त कला पुस्तक के पुनर्प्रकाशन द्वारा जिस तरह याद किया गया है, वह एक अनूठी गुरु दक्षिणा कही जाएगी।

पुस्तक का नाम : प्रोफेसर हरिश्चंद्र राय के रेखांकन
संपादन : हरिशंकर शर्मा
प्रकाशक : दृशी प्रकाशन जयपुर
प्रथम संस्करण : 2025
मूल्य 120
समीक्षक : रवि प्रकाश रामपुर।

व्यंग्य

प्याज़ की परतें

रमेश चन्द्र द्विवेदी
पूर्व प्रधानाचार्य, नैनीताल

प्याज़ की परतों को उतारना हंसी-खेल नहीं है। यह रसोई की आत्मा है। आलू के साथ इसकी युगलबंदी है। आलू यदि सब्जियों का राजा है तो प्याज़ भी कम नहीं है। घर में प्याज़ न हो तो घरवाली मुंह फुलाकर एक कोने बैठ जाएगी। घर में प्याज़ हो तो उसे छिलने में आफ़त आती है। बारिश के मौसम में प्याज़ के पकौड़े भला किसको नहीं अच्छे लगते हैं। मैंने फरमाइश क्या कर दी, आफ़त मोल ले ली। किचन से ही श्रीमती जी की आवाज़ आती है- "अजी! सुनते हो। ज़रा प्याज़ काट दो मैं तुम्हारे लिए पकौड़े बनाने जा रही हूं।" ऐसा लगता है कि जैसे सारे पकौड़े मैं ही उदरस्थ कर लूंगा।

मेरी दशा तो 'सांप छछून्दर' की सी हो गई। अब न उगलते बनता है न निगलते। मैं उस घड़ी को कोस रहा हूं-किस मुख से मैंने कह दिया। अब अगर प्याज़ नहीं काटता हूं तो उधर बीवी का नाराज़ होना तय है। विवश होकर मुझे किचन में जाना ही पड़ा। थाली में प्याज़ और चाकू जैसे मेरा इंतजार कर रहे हों। मुझे अपनी हक़ीक़त मालूम है। प्याज़ काटते समय नानी याद आ जाती है। सूखे छिलके तो आसानी से उतर जाते हैं लेकिन उनको काटना- 'आ बैल मुझे मार' को दावत देना है। आमतौर से एक प्याज़ में आठ से तेरह परतें होती हैं। चाकू की पहली धार पड़ते ही आंसुओं की बूंदें झिलमिलाने लगती हैं, फिर आंसुओं की झड़ी और फिर उसके बाद सैलाब उमड़ने में देर नहीं लगता है। नासिका से पानी निकलने लगता है। हाथ से ज़रा पोछ दो तो असर दोगुना-चौगुना हो जाता है। इधर मैं प्याज़ काट रहा था और उधर श्रीमती जी मंद-मंद मुस्कुरा कर जले पर नमक छिड़कते हुए कहा रहीं थीं - 'अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे'।

जैसे-तैसे प्याज़ काटकर मैं नल के पास भागा। पानी के छींटें मारे। आंखें खरगोश की आंखों की तरह लाल-लाल हो रही थी। 'आग बबूला 'मैं श्रीमती जी के ऊपर हो रहा था लेकिन प्रकट करने का साहस मेरे पास नहीं था। उधर श्रीमती जी पकौड़े तलने में व्यस्त हो गयीं। आंखों में 'गुलाब जल' डाला तो थोड़ी राहत मिली। बस अब इंतज़ार था तो पकौड़े खाने का। वो कहते हैं न कि 'मेहनत का फल मीठा' होता है। इतने में ही श्रीमती जी पकौड़े लेकर हाज़िर हो गईं। मैंने पूछा- "अजी! चटनी कहां है।" श्रीमती जी बोलीं- "थोड़ा सब्र कीजिए अभी लाती हूं।" मैं गाना गुनगुनाने- "फुलौरी बिना चटनी कैसे बनी" में व्यस्त हो गया। बाहर बारिश की बूंदें टपक रही थीं और मेरी रसना पकौड़ी के लिए मचल रही थी।

प्याज़ की परतें भी अजीब होती हैं। इसकी कीमतें जब आसमान छूती हैं तो जेब हल्की होने में देर नहीं लगती है। मैं श्रीमती जी से आग्रह करता हूं- "प्याज़ महंगी है फल खाओ।" श्रीमती जी कहतीं हैं- "किचन तुम्हीं सम्हालो।" मैं असमंजस में पड़ जाता हूं। प्याज़ किसी को रुलाती है तो किसी को हंसाती भी है। प्याज़ की कीमतों ने तो भाजपा वालों को ऐसा रुलाया की 27 साल बाद ही दिल्ली में इस बार उसकी सरकार बनी। गले में प्याज़ की माला पहनकर नेता वोट मांगने निकल पड़ते थे। लोग उपहार में प्याज़ भेंट करने लगे। प्याज़ भाव खा रही थी और नेता मौके की नज़ाकत को भुनाने में लगे हुए थे। प्याज़ की महिमा बड़ी विचित्र है। जब पैदावार अच्छी होती है तो क़ीमत नहीं मिलती और सड़कों पर किसान प्याज़ उड़ेलकर चल देते हैं। जिस साल प्याज़ नहीं होती है उस साल महंगाई अपने चरम पर होती है।

प्याज़ की परतों की तरह ही भ्रष्टाचार की परतें भी होती हैं। जब इसकी परतें खुलने लगती है तो बड़े-बड़े लोगों को भी जेल की हवा खानी पड़ती है। प्याज़ का मूल्य बढ़ते ही अर्थ व्यवस्था की परतें खुल जाती हैं। खुलकर नेतागिरी होती है। सड़कें जाम हो जाती हैं। आंदोलनों की बाढ़ आ जाती है। वोट पाने के लिए कुछ नेता लोग प्याज़ बांटना शुरू कर देते हैं। जमाखोरों की बन आती है। वैसे तो प्याज़ की कमी इस देश में नहीं होनी चाहिए लेकिन कृत्रिम महंगाई पैदा करके प्याज़ की कीमतें बढ़ायी जाती हैं।

प्याज़ का अपना दर्शन होता है। इसका प्रभाव शिक्षा के क्षेत्र में भी देखा जा सकता है। प्याज़ की परतों की तरह जब हम किताबों के पृष्ठों को परत-दर-परत खोलते हैं तो ज्ञान की वही खोखली बातें जिसका पाठ्यक्रम से रिश्ता बन जाता है। परिणाम आने पर आंसू और तनाव दे जाता है। अभिभावकों की आंखों में प्याज़ की तरह जलन पैदा करता है।

प्याज़ की हर परत आम आदमी के संघर्ष का प्रतीक बन जाता है। मेहनत की परत, महंगाई का भार, टैक्स की मार आम आदमी को चुकाने के लिए विवश कर देता है।

अभी मैं बैठ कर प्याज़ पर चिंतन कर ही रहा था कि श्रीमती जी चाय लेकर आ गयीं। चाय रखते हुए उन्होंने पूछा- "कहो जी! कैसे रहे पकौड़े?" न चाहते हुए भी मुझे मुस्कुरा कर उत्तर देना पड़ा- "फाइव स्टार होटल जैसे"। आंखों के कोने में अभी भी कुछ अश्रु बिन्दु झिलमिला रहे थे। अपने आंचल के छोर से पोछते हुए श्रीमती जी ने कहा- "अगली बार जब प्याज़ काटना तो टिश्यू पेपर लेकर अवश्य बैठना।"

रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेहिल रिश्ते का महत्वपूर्ण और विशेष त्योहार है। यह राखी के नाम से भी लोक प्रचलित है। बहन, भाई की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधती है और उनकी सुरक्षा तथा खुशहाली की कामना करती हुई प्रार्थना करती है। यह केवल भावनात्मक त्योहार नहीं है बल्कि भारतीय सांस्कृतिक निष्ठा का पारिवारिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और नैतिक जीवन-मूल्य है। इसकी परंपरा से जुड़ी हुई कई कथाएं हैं। एक पौराणिक कथा के अनुसार देवराज इंद्र जब दानवों से युद्ध करते हुए परास्त हो रहे थे तो उनकी पत्नी इंद्राणी ने उन्हें रक्षा सूत्र बांधकर विजय की प्रार्थना की थी। यह रक्षा सूत्र धागा भर नहीं होता है। उस धागे में लिप्त होता है हृदय का मंगल भाव, शुभकामना का प्रबल प्रभाव, प्रार्थना का दिव्य आलोक।

संजय पंकज
वरिष्ठ लेखक

महाभारत के प्रसंगानुसार श्रीकृष्ण की उंगली में चोट लगने और रक्त बहते देखकर द्रौपदी ने तुरत अपनी साड़ी फाड़ कर पट्टी बांधी थी। कृष्ण की ऐसी मुंहबोली बहन थी द्रौपदी जिसे कृष्णा कहा गया। कृष्ण ने द्रौपदी को रक्षा का वचन दिया था और यथासमय उसके मान-सम्मान की रक्षा की थी। एक पुरानी प्रचलित कथा के अनुसार देवी लक्ष्मी ने राजा बली को राखी बांधी थी और अपने पति विष्णु को वापस मांगा था। विष्णु जगत पालक हैं और जगत पालक कहीं एक जगह कैद होगा तो फिर चराचर जगत का क्या होगा? इन कथाओं का प्रतीकात्मक संदेश और अर्थ है। सर्व सामर्थ्यवान भी रक्षाबंधन की स्नेहिल पावनता और अकूत आशीष शक्ति को अस्वीकार नहीं कर सके।

भाई-बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन

इतिहास में भी रक्षा सूत्र के संदर्भ में कई कथाएं हैं। हमेशा विजेता रहने की आकांक्षा से भरा हुए सिकंदर, पोरस की प्रखरता और पराक्रम से विचलित हो गया था। कहा जाता है कि सिकंदर की पत्नी रक्षाबंधन के बारे में जानती थी। उसने भारतीय राजा पोरस को राखी भेजी। पोरस ने बहन की राखी का मान रखा। युद्ध की स्थिति समाप्त हो गई। सिकंदर के कैद में होने के बावजूद पूरे पराक्रम, आत्मविश्वास और स्वाभिमान के साथ राजा पुरू ने सिकंदर को अनुत्तरित किया था। कहते हैं बहन के सुहाग और विश्वास की रक्षा के लिए पोरस ने युद्ध में ढील दे दी थी। रक्षाबंधन की परंपरा उन बहनों ने डाली जो सगी नहीं थीं। मध्यकालीन युग में चित्तौड़ की विधवा रानी कर्णावती और सम्राट हुमायूं से जुड़ी हुई कथा है। गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह से अपनी सुरक्षा के लिए रानी ने हुमायूं को राखी भेजी थी। उस राखी का मान रखते हुए हुमायूं ने कर्णावती की रक्षा की थी और उन्हें बहन मान सम्मानित किया था।

रक्षाबंधन आज भले ही भाई बहन के त्योहार के रूप में रूढ़ हो गया है मगर परंपरा से यह विश्वास और आत्मीय संबंध का एक अमोघ बंधन है। प्रजा और पुरोहित अपने राजा को सुरक्षित रहने के लिए विश्वास का यह सूत्र बांधते थे। इसका प्रचलन आज भी है। ब्राह्मणों के द्वारा यजमानों को, प्रजा के द्वारा पालकों को, पत्नी के द्वारा पति को, गुरु के द्वारा शिष्य को रक्षासूत्र बांधा जाता है। भारतीय स्त्रियां सीमा पर तैनात सैनिकों को स्वयं भी उपस्थित होकर या फिर डाक से राखी भेज कर उनकी रक्षा की प्रार्थना करती हैं। यह त्योहार त्याग, पवित्रता और सहयोग का संदेश देता है। मांगलिक अवसरों पर सबसे पहले गणेश जी को रक्षा सूत्र बांधा जाता है। राजा दशरथ के हाथों श्रवण कुमार की मृत्यु के उपरांत उसके अंधे मां-बाप ने दशरथ को श्राप भी दिया था और उन्हें रक्षा सूत्र में भी बांध दिया था। आज भी गणेश जी के बाद श्रवण को रक्षा सूत्र अर्पित किया जाता है। अमरनाथ की धार्मिक यात्रा रक्षाबंधन के दिन ही पूर्ण होती है। हरियाली, नमी और जीवंतता का पवित्र महीना सावन अपने चरम पर उमड़ते-घुमड़ते बादलों के बीच पूर्णिमा के चांद की ज्योत्सना से आलोकित होता है तो प्रकृति का अलौकिक सौंदर्य चतुर्दिक फैल जाता है। यह मास शिव को प्रिय है। शिव कल्याण और प्रेम में सन्निहित होते हैं। रक्षाबंधन कल्याण और प्रेम की हार्दिक भावना से आबद्ध हो स्नेह के अटूट संबंध को सुदृढ़ और शाश्वत करने के लिए आशीर्वादात्मक संकल्प में पूर्णिमा के दिन आत्मिक निर्मलता के पर्व के रूप में उजागर होता है। आज भले ही इसे भाई-बहन के स्नेह-पर्व के रूप में मनाया जाता है मगर इसकी परंपरा पौराणिक और सनातन है। वैदिक काल में हमारे ऋषि, विचारक, साधक और सर्जक प्रकृति के परिवेश में चिंतन और सृजनरत रहा करते थे। प्रकृति की सारी जीवनदात्री संसाधन-संपदाओं का आभार प्रकट करते हुए वे वृक्षों के साए में सुरक्षित ज्ञान-अर्जन और जीवन-सूत्र की तलाश करते थे। प्रकृति को परमात्मा के साक्षात दर्शन स्वीकारते हुए हमारे पूर्वज वृक्षों से अपना गहरा संबंध जोड़ते थे। उसकी सुरक्षा के लिए सदा तत्पर रहते थे। उसे हरा-भरा रखने के लिए एक तरफ मेड़ बांधते थे तो दूसरी तरफ कृतज्ञता प्रकट करते हुए प्रकृति के सहोदर होने के नाते उससे लिपटकर भाव विभोर हो जाते थे। भुजाओं का यह बंधन हृदय का बंधन था। वहीं से सभ्य समाज को सुसंस्कृत बनाते हुए मांगलिक परंपराओं की शुरुआत हुई।

प्रकृति ब्रह्मांड की सबसे बड़ी शक्ति है। इसी से संचालित होता है परमात्म तत्व भी। जीवन-चक्र को संरक्षित, सुरक्षित और संबर्धित यही प्रकृति करती है। समस्त प्राकृतिक परिवेश और समस्त प्राणियों के जीवन का संरक्षण पर्यावरण करता है। पर्यावरण का अर्थ होता है चारों ओर से घेरे हुए। यह सब कुछ को आवृत किए रहता है। प्राचीन काल में ऋषि मुनियों के ज्ञानात्मक उपदेश और मांगलिक अनुष्ठान की पूर्णाहुति इसी दिन होती थी। यज्ञ पूर्ण होने पर वृक्षों पूजा की जाती थी। उनके प्रति आभार और स्नेह-सम्मान प्रकट किया जाता था। पूजित और संकल्पित धागों से उन्हें बांधा जाता था। हमारे पुरखे अपनी रक्षा के लिए प्रकृति और वृक्षों से प्रार्थना करते थे और उन्हें सुरक्षित रखने का दायित्वपूर्ण विश्वास देते थे।

युद्ध में पांडवों की जीत को सुनिश्चित करने के लिए कृष्ण ने युधिष्ठिर को सेना की रक्षा के लिए रक्षाबंधन का त्योहार मनाने का सुझाव दिया था। माता कुंती ने पौत्र अभिमन्यु की रक्षा के लिए तो माता यमुना ने अपने भाई यमराज को सुरक्षा सूत्र बांधा था। कलाई पर राखी बांधते हुए -

'येन बद्धो बलि राजा, दानवेंद्रो महाबलः।/तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचलः।' मंत्र का जाप किया जाता है। इसका अर्थ है-जिस रक्षा सूत्र से महान शक्तिशाली राजा बलि को बांधा गया था, उसी सूत्र से मैं तुम्हें बांधती हूं। है रक्षे, तुम अडिग रहना।- यह मंत्र रक्षा और समृद्धि का प्रतीक है।

अलौकिक है रक्षाबंधन का त्योहार

रक्षाबंधन का त्योहार अलौकिक है। इसे लौकिक रूप में मानवीय संबंधों में आयोजित करते हुए व्यापकता दिया जा रहा है जबकि प्रकारांतर से प्राचीन काल में यह प्रकृति पर्व के रूप में आयोजित होता रहा है। अनेक ऋषि महर्षियों के प्रकृति प्रेम से आगे बढ़कर पराक्रमी योद्धा और तपोनिष्ठ त्यागी परशुराम ने निर्जीव भूमि और निर्जन पठारों को वृक्षारोपण से हरित-भरित कर दिया था। अपने पुरुषार्थ और शौर्य के बल पर उन्होंने समुद्र से बड़े भू-भाग को मुक्त कराते हुए उसे हरियाली से आच्छादित कर दिया था। केरल हरियाली से लहालोट भरा हुआ है और यह भूखंड परशुराम ने अर्जित किया था। परशुराम वनवासियों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करते थे और उनसे उसकी रक्षा का वचन लेते थे। वे वनवासियों को रक्षासूत्र बांधते हुए आशीषते थे तो वनवासी वृक्षों को रक्षासूत्र बांधकर उन्हें सुरक्षित रखने का विश्वास देते थे। प्रकृति से जीव का अन्योनाश्रय संबंध है। जीवन प्रकृति पर निर्भर है। अनर्गल इच्छाओं के वशीभूत मनुष्य आज प्रकृति का सबसे बड़ा शत्रु बन गया है। जीवन में घुटन, तनाव और नकारात्मकता का आधिक्य होता चला जा रहा है। मनुष्य का जीवन उल्लास, उत्साह और सहयोग से कटता हुआ संवेदनहीन हो रहा है। इस तरह के स्वभाव का कारण प्रकृति की उदासीनता है। प्रकृति और पर्यावरण को आज लहूलुहान किया जा रहा है। वृक्षों की बेतहाशा कटाई हो रही है, धरती को जानलेवा जहर से भरा जा रहा है और हवाओं को मारक बारूद से प्रदूषित किया जा रहा है। शोषण, अत्याचार और आतंकवाद का हिंसक पंजा सबको अपनी गिरफ्त में ले रहा है। बुद्धि विपरीत और विकृत हो गई है। जब तक मस्तिष्क को भरपूर शुद्ध ऑक्सीजन नहीं मिलेगा और हृदय में शुद्ध रक्त का संचार नहीं होगा भावना में सकारात्मकता संभव नहीं है। इसके लिए प्रकृति को संरक्षित, सुरक्षित और संबंर्धित करने की जरूरत है। सादगी पूर्ण जीवन जीते हुए प्रकृति मां के श्रृंगार और स्वास्थ्य के लिए समर्पित होने की आज सबसे बड़ी जरूरत है। प्रकृति मां के साधु और साधक बेटे, वृक्षों को रक्षाबंधन में विश्वास के साथ बांधने की आवश्यकता है। व्यावहारिकता और वैज्ञानिकता है कि हम प्रकृति को रक्षासूत्र में आबद्ध करें। रक्षाबंधन को व्यापकता देते हुए इसे प्रकृति पर्व के रूप में आयोजित किया जाना जीवन, पर्यावरण और मानवीय निर्मल बुद्धि के लिए श्रेयस्कर है।

छात्रों में वैज्ञानिक सोच से होगा राष्ट्र का विकास

रोजमर्रा के जीवन में होने वाली समस्याएं और उन समस्याओं को सुलझाने के लिए वैज्ञानिक नई-नई तरकीबों का इस्तेमाल करना वैज्ञानिक सोच को दर्शाता है। शहर के जीआईसी में बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के माध्यम से अपने भीतर की वैज्ञानिक सोच को उजागर करने का काम कर रहे हैं। इस सप्ताह लगी विज्ञान प्रदर्शनी में अपने अनंत विचारों के साथ बाल वैज्ञानिक पहुंचे जिन्होंने अपने हुनर का लोहा मनवाया। – *शब्या सिंह तोमर, बरेली*

हेयरपिन... टर्न्स सेवियर डिवाइस

बीबीएल स्कूल के कक्षा 11 के छात्र नौमित चौधरी ने हेयरपिन टर्न्स सेवियर डिवाइस बनाया है। इसका इस्तेमाल पहाड़ों के पतले किनारों पर अगले वाहन की दूरी देखने के लिए किया जा सकता है। नौमित ने बताया उनको ये विचार अपने पिता के साथ पहाड़ी रास्तों पर इस समस्या को मेहसूस किया। फिर इस पर काम करना शुरू किया। इस डिवाइस में अल्ट्रासोनिक सेंसर का इस्तेमाल किया गया है। जिससे वायुप्रदूषण की मात्रा, ध्वनि व सेंसर इमेजिंग आदि की जानकारी मिलती है। इस प्रोजेक्ट को बनाने में करीब 7500 रुपये खर्च हो चुके हैं। ये साइन बोर्ड्स की जगह पहाड़ी रास्तों पर इंस्टाल किया जा सकता है। नौमित ने बताया भविष्य में एआई तकनीक से इस तरह के डिवाइस को कार में भी इंस्टाल करने की तकनीक पर काम करने की योजना है।

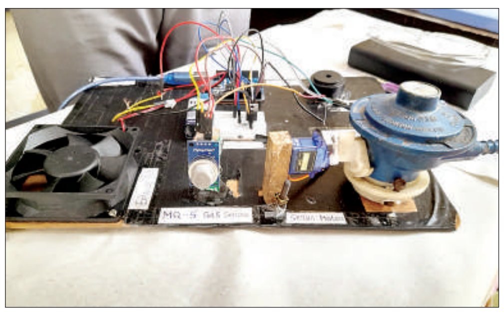

आधुनिक गैस सिलिंडर...नहीं होंगे हादसे

केडीईएम इंटर कॉलेज के कक्षा 11 के छात्र अनुभव अग्निहोत्री ने घरों व कंपनियों में गैस रिसाव के बाद भयंकर हादसों को देखते हुए एलपीजी गैस सिलिंडर विद एडवांस फीचर तैयार किया। इस मॉडल की विशेषता है कि इसमें गैस के रिसाव को सूंघने वाला एमक्यू 5 गैस सेंसर लगा है। जिसमें ये पूरा सेट गैस सिलिंडर के एडाप्टर से जुड़ा है। गैस का रिसाव होते ही सेंसर से हार्न बजने लगता है, इसके बाद एडाप्टर में लगी मोटर गैस की सप्लाई ऑटोमेटिक बंद कर देती है। और अंत में एग्जॉस्ट फैन स्वतः खुल जाता है। इससे घरों, छोटे रेस्टोरेंट आदि जगहों पर हादसे होने बच सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण की ओर नया प्रयास

एसआर इंटर नेशनल स्कूल की छात्रा नमामि मिश्रा ने बिलंबी का पेड़ जिसे आम भाषा में ककड़ी का पेड़ भी कहा जाता है। इस पेड़ की सहायता से पर्यावरण संरक्षण की ओर नया प्रयास किया है। छात्रा ने बताया इस पेड़ का इस्तेमाल रबर इंडस्ट्री में फार्मिक एसिड की जगह किया जा सकता है। फार्मिक एसिड रबर प्लांट से लेटेक्स को कोग्युलेशन प्रक्रिया या थक्के बनाने के काम आता है। जबकि फार्मिक एसिड के इस्तेमाल से मजदूरों को त्वचा का संक्रमण होने से बचाया जा सकता है। बिलंबी के पेड़ का इस्तेमाल इस समस्या से प्राकृति तरीके से निजात दिला सकता है।

चूल्हा एक काम अनेक

भुता ब्लाक के उच्च प्राथमिक विद्यालय के कक्षा 8 वीं के छात्र सुभलेश ने बहुद्देश्यीय चूल्हे का निर्माण अपने शिक्षकों के सहयोग से किया। सुभलेश के अनुसार वर्तमान समय में ग्रामीण परिवेश में रहने वाले लोग आज भी ईंधन से चूल्हा जलाते हैं। लेकिन इसके कारण काफी समय व्यर्थ होता है। इसे देखते हुए एक खोखले चूल्हे का निर्माण किया। जिसमें खाना बनने के साथ डिस्टिल्ड वाटर व अलग से पानी भी गरम किया जा सकता है।

डीसी करंट की तकनीक से फसल बचाने की निकाली तरकीब

उच्च प्राथमिक विद्यालय कांधरपुर के अमन कक्षा आठवीं के छात्र रहे अमन ने आसान वैज्ञानिक सोच ने किसानों की मुश्किलें हल करने की तरकीब निकाली है। जिसका नाम क्रॉप प्रोटेक्शन विदआउट एनी हार्म रखा गया। इससे जानवरों को नुकसान पहुंचाए बिना किसान अपनी फसल बचा सकता है। जिसमें 10 वोल्ट की करंट का इस्तेमाल किया गया है। जब खेत के किनारे लगे दोनों तार आपस में जुड़ेंगे तब 100 डीसीबी का हार्न बजने लगता है। जिससे जानवर पीछे हट जाता है। तो वहीं रात में जानवर खेत में घुसने की कोशिश करते हैं तो तार से छूते ही तेज रौशनी उनकी आंखो में पड़ती है। अमन का दावा है कि ये तकनीक बहुत प्रभावी होगी और इससे जानवर भी सुरक्षित रहेंगे। क्योंकि वर्तमान समय में आरा वाले तार से जानवर घायल हो जाते हैं।

खाना खजाना

रबड़ी घेवर....

सावन में रक्षाबंधन त्योहार का मुख्य मिष्ठान्न घेवर लगभग सभी के घरों में खाया जाता है। घेवर एक राजस्थानी मिठाई है जिसकी बनावट मधुमक्खी के छत्ते जैसी होती है, जिसे घी, मैदा और चीनी के सिरप से बनाया जाता है। आज हम आपके लिए खास मलाई घेवर की रेसिपी लाए हैं, इसे घर पर बनाना हल्का सा कठिन ज़रूर है पर नामुमकिन बिल्कुल भी नहीं।

प्रीतम कोठारी
फूड ब्लॉगर

सामग्री

बेटर बनाने के लिए

- 1 कप मैदा
- 1 टेबलस्पून बेसन
- 3 टेबलस्पून घी
- 1/2 कप ठंडा पानी फ्रिज का
- 5-6 आइस क्यूब

चासनी के लिए

- 1/2 टेबलस्पून नींबू का रस
- 1 कप चीनी
- 1/2 कप पानी
- 1 चुटकी फूड कलर (ऑरेंज)
- 1 चुटकी इलायची पाउडर

रबड़ी के लिए

- 1 किलो दूध
- 1 चुटकी इलायची पाउडर
- 1चुटकी केसर के रेशे
- 3 टेबलस्पून चीनी

बनाने की विधि

सबसे पहले आप बेटर बनाने के लिए मिक्सिंग बाउल में 3 चम्मच घी डालकर उसमें 5-6 आइस क्यूब डालें और हल्का होने तक फेटे। इसके बाद 3 से 4 मिनट में हमारा घी एकदम क्रीमी हो जाएगा और हल्का हो जाएगा। अब इसमें बेसन मिक्स करें उसके बाद मैदा मिलाए और थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर हाथ से फेटते हुए पतला बैटर बना ले। पानी थोड़ा-थोड़ा करके ही डाले। एकदम से नहीं डालना है और डेढ़ कप पानी हमें पूरा डालना है। इसमें गुठलीया नहीं रहनी चाहिए अगर आपको लगे कोई गुठली है तो आप एक जाली वाली छलनी से इसे छान ले। अब मिक्सचर को एक सॉस की बोतल में भर ले। एक पतीले में आधे से कम घी भरे और तेज आंच पर गर्म करे जब एकदम से तेज हो जाए तब धीरे-धीरे करके सॉस की बोतल से बेटर घी में डालते जाए। जैसे-जैसे बेटर घी में डालेंगे जाली बनती जाएगी और थोड़ा थोड़ा करके बेटर डालते जाए 5-7 मिनट तक यही प्रक्रिया दौहराये। फिर पांच 5 मिनट बाद हमारा घेवर अच्छे से पक जाएगा और सुनहरा हो जाएगा। अब एक चाकू की सहायता से बीच में थोड़ा सा छेद कर ले और किसी लंबी डंडी की सहायता से तैयार घेवर को बाहर निकाल ले।

चासनी बनाने के लिए- एक कड़ाही में चीनी, पानी, इलायची पाउडर और कलर को मिक्स करके उबाल ले चासनी ज्यादा गाढ़ी नहीं करनी है नींबू का रस मिक्स कर दें जिससे चीनी चासनी में जमेगी नहीं।

रबड़ी बनाने के लिए -1 लीटर दूध को आधा होने तक उबाल ले फिर इसमें केसर के रेशे, इलायची पाउडर और चीनी मिलाकर गाढ़ा होने तक पकाएं और उसे ठंडा कर ले हमारी रबड़ी तैयार है। अब घेवर को जाली पर रखे अब उस पर चम्मच की सहायता से तैयार चासनी फैलाए। 2 मिनट रख दे जिससे एक्स्ट्रा चासनी नीचे निकल जाएगी। अब इस पर तैयार रबड़ी लगाए बादाम, पिस्ते, केसर गुलाब के फूल व सिल्वर वर्क से सजाकर रबड़ी के घेवर का आनंद लें।

बम-बम भोले

मुरादाबाद में श्रावण मास में तीर्थयात्रा के दौरान गंगा नदी से पवित्र जल लेकर आते श्रद्धालु। एजेंसी

बंगाली अस्मिता के विमर्श को कुंद करेगी सीएए हेल्प डेस्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के 'बंगाली अस्मिता' विमर्श को कुंद करने और मतुआ मतों को दोबारा अपने पाले में करने के लिए भाजपा ने पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में सीएए सहायता डेस्क शुरू किए हैं, जो दस्तावेज के बिना नागरिकता आवेदन की सुविधा प्रदान करते हैं। भाजपा के इस कदम को 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले शरणार्थी मतदाताओं को लुभाने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

सीएए सहयोगिता शिविर के नाम से ये सहायता डेस्क सबसे पहले बागदा में शुरू हुए और अब ये तेजी से बोनगांव दक्षिण और उत्तर 24 परगना के अन्य मतुआ बहुल इलाकों में प्रारंभ किए जा रहे हैं। सहायता डेस्क का संदेश स्पष्ट है, पहले आवेदन करें, बाद में सत्यापन। एक भाजपा नेता ने कहा कि धार्मिक उत्पीड़न के कारण पड़ोसी देशों से आए शरणार्थी, जिनमें से अधिकांश के पास कोई दस्तावेज नहीं हैं।

'दुष्कर्म से बचने के लिए घर में रहें' लिखे पोस्टर से मचा बवाल

- अहमदाबाद यातायात पुलिस के सुरक्षा अभियान के लिए प्रायोजित पोस्टरों ने खड़ा किया विवाद

अहमदाबाद, एजेंसी

अहमदाबाद यातायात पुलिस द्वारा सुरक्षा अभियान के लिए कथित तौर पर प्रायोजित पोस्टरों ने विवाद खड़ा कर दिया है, क्योंकि इनमें से कुछ पोस्टरों में महिलाओं को दुष्कर्म से बचने के लिए घर पर रहने का आग्रह किया गया है। शहर के कुछ इलाकों में चिपकाए पोस्टरों की विपक्ष ने आलोचना की है।

इनको शहर के कुछ इलाकों में लगाया गया था, जिनमें लिखा था, 'देर रात पार्टी में न जाएं, आपके साथ दुष्कर्म या सामूहिक दुष्कर्म हो सकता है और अपने दोस्त के साथ अंधेरे और सुनसान इलाके में न जाएं, अगर उसके साथ दुष्कर्म या सामूहिक दुष्कर्म हो गया तो? यह पोस्टर सोला और चांदलोडिया इलाकों में सड़क डिवाइडर पर लगाए गए थे, जिन्हें अब हटा लिया गया है।

पुलिस उपायुक्त नीता देसाई ने स्पष्ट किया कि ट्रैफिक पुलिस ने केवल सड़क सुरक्षा से जुड़े पोस्टरों को प्रायोजित किया था, न कि महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित पोस्टरों को। उन्होंने दावा किया कि सतर्कता ग्रुप नामक एनजीओ ने ट्रैफिक पुलिस की सहमति के बिना विवादित पोस्टर बनाए और लगाए। एनजीओ ने हमसे संपर्क किया था और कहा था कि वे स्कूलों और कॉलेजों में यातायात जागरूकता कार्यक्रम करना चाहते हैं और इसके लिए वे हमारी सहायता चाहते हैं। उन्होंने हमें केवल यातायात जागरूकता से जुड़े पोस्टर दिखाए थे, ये विवादित पोस्टर नहीं। ये हमारी जानकारी के बिना लगाए गए और जैसे हमें पता चला, हमने इन्हें तुरंत हटवा दिया। इस मामले को लेकर आप ने भाजपा की सरकार पर निशाना साधा है और राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। आप ने कहा, गुजरात में महिलाओं के सशक्तीकरण की बात करने वाली सरकार की हकीकत कुछ और ही है।

नेशनल ब्रीफ

साइबर ठगी के शिकार छात्र ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 19 वर्षीय छात्र ने मोबाइल फोन खरीदने की कोशिश करते समय ऑनलाइन धोखाधड़ी में 94,000 रुपये गंवाने के बाद यहां रोहिणी इलाके में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। महेश राणा 14 जुलाई को उत्तरी दिल्ली स्थित अपने घर से लापता हो गया था। उसका शव 16 जुलाई को बेगमपुर जल शोधन संयंत्र के पास मिला। पुलिस के मुताबिक, राणा ने अपनी मां को संदेश भेजकर बताया था कि उसके साथ साइबर धोखाधड़ी हुई है और वह घर छोड़कर जा रहा है। इसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। राणा डीयू के 'स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग' में बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष का छात्र था।

शिअद नेता मजीठिया की हिरासत बढ़ाई

चंडीगढ़। पंजाब के मोहाली जिले की एक अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की न्यायिक हिरासत शनिवार को 14 अगस्त तक बढ़ा दी। मजीठिया को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। वह पटियाला स्थित नयी नाभा जेल में कैद हैं। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने शिअद नेता को 25 जून को कथित रूप से आय से अधिक संपत्ति के एक मामले में गिरफ्तार किया था। उन्हें छह जुलाई को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था और 18 जुलाई को उनकी हिरासत बढ़ाई गई थी

तेलंगाना की मंत्री को समन जारी

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव द्वारा दायर आपराधिक मानहानि शिकायत पर एक स्थानीय अदालत ने तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा को 21 अगस्त को पेश होने के लिए समन जारी किया है। रामा राव ने मंत्री पर उनके खिलाफ अपमानजनक बयान देने का आरोप लगाया है। रामा राव की याचिका पर हाल में संज्ञान लेते हुए अदालत ने वन मंत्री सुरेखा को समन जारी किया। इस बीच, सुरेखा ने शनिवार को कहा कि वह देश की न्यायपालिका का बहुत सम्मान करती हैं और इस मामले में कानून अपना काम करेगा।

झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन गंभीर

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की हालत गंभीर है और फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि वह एक महीने से ज़्यादा समय से दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती हैं। शिबू सोरेन (81) को जून के आखिरी हफ्ते में किडनी संबंधी समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

धन शोधन मामले में राबर्ट वाड्रा को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने धन शोधन के मामले में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा को शनिवार को नोटिस जारी किया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सुशांत चंगोत्रा ने हरियाणा के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से गुरुग्राम में एक जमीन सौदे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार की शिकायत पर दर्ज मुकदमे में यह नोटिस जारी किया।

लोकसभा चुनाव में धांधली के आरोप पर कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

100 सीटों पर हुई धांधली का फोड़ूंगा बम : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में हेरफेर के जो सबूत मिले हैं, वो एटम बम की तरह

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया पिछले लोकसभा चुनाव में करीब 100 सीट पर धांधली हुई है और अगर इनमें से 15 सीट पर भी धांधली नहीं हुई होती, तो नरेन्द्र मोदी आज देश के प्रधानमंत्री नहीं होते। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस के विधि, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक विधिक सम्मेलन में इस बात को फिर से दोहराया कि कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में हेरफेर के जो सबूत मिले हैं, वो एटम बम की तरह हैं।

उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में इसका सबूत दिया जाएगा कि कैसे लोकसभा चुनाव में धांधली हुई। निर्वाचन आयोग ने कर्नाटक में मतदाता सूची से जुड़े राहुल गांधी के दावे को शुक्रवार को निराधार बताया था। राहुल गांधी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज (नरेन्द्र मोदी) प्रधानमंत्री पद पर बहुत ही साधारण बहुमत के साथ हैं। हमारा मानना है कि (लोकसभा चुनाव में) 70, 80 या 100 सीट तक पर धांधली हुई है। यदि 15 सीट पर भी धांधली नहीं हुई होती, तो वह (मोदी) भारत के प्रधानमंत्री नहीं होते। उन्होंने कहा, हम अगले कुछ दिन में यह साबित करने जा रहे हैं कि एक लोकसभा चुनाव में कैसे धांधली हो सकती है और कैसे की गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 2014 से ही मुझे चुनाव प्रणाली पर संदेह है। (भाजपा की) प्रचंड जीत हासिल करने की क्षमता आश्चर्यजनक है।

बोले- अरुण जेटली को मुझे धमकाने के लिए भेजा गया था

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि जब उन्होंने कृषि से जुड़े कानून का विरोध किया तो तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली को उन्हें धमकाने के लिए भेजा गया था। भाजपा ने राहुल गांधी की टिप्पणी को फर्जी खबर करार दिया और कांग्रेस नेता से कहा कि वह आख्यान के अनुरूप चीजों को बदलकर पेश करने के बजाय तथ्यों पर टिके रहें। जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने भी कांग्रेस नेता के दावे को खारिज करते हुए कहा कि उनके पिता धुर लोकतांत्रिक थे और विरोधी विचार वाले किसी व्यक्ति को धमकाने का उनका स्वभाव ही नहीं था।

फौरन फोड़ें बम पर खुद खतरे से दूर रहें : राजनाथ

पटना, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निर्वाचन आयोग पर बिहार में 'वोट चोरी' का आरोप लगाने के लिए शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की। पटना में एक कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने विधानसभा चुनावों की तुलना एक चौराहे से की, जिसमें एक रास्ता (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) आगे की प्रगति की ओर ले जाता है और दूसरा (इंडिया' गठबंधन) बिहार को अराजकता और जाति संघर्ष के पुराने दौर में वापस ले जाता है।

भाजपा नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि उनके पास एटम बम है। अगर ऐसा है, तो उन्हें तुरंत उसे फोड़ देना चाहिए। उन्हें बस यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह खुद खतरे से दूर रहें। रक्षा मंत्री ने कहा, राहुल ने संसद में भूकंप आने की धमकी दी थी, लेकिन जब उन्होंने अपनी बात रखी, तो वह बेकार साबित हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का निर्वाचन आयोग एक ऐसी संस्था है, जो निर्विवाद ईमानदारी के लिए प्रतिष्ठित है।

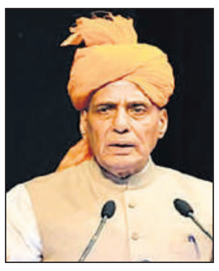

- केंद्रीय मंत्री बोले- निर्वाचन आयोग ऐसी संस्था, जो निर्विवाद ईमानदारी के लिए प्रतिष्ठित है

भाजपा ने जेटली पर गांधी की टिप्पणी को फर्जी खबर बताया

नई दिल्ली। भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत अरुण जेटली पर राहुल गांधी की टिप्पणी को फर्जी खबर करार दिया और कांग्रेस नेता से कहा कि वह विमर्श के अनुरूप चीजों को बदलकर पेश करने के बजाय तथ्यों पर टिके रहें। कांग्रेस नेता की टिप्पणी पर भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, फर्जी खबर से सावधान। मालवीय ने कहा कि विधेयक के समर्थन या विरोध में कोई भी चर्चा इन घटनाक्रम के बाद शुरू हुई। यह कहना कि अरुण जेटली ने राहुल गांधी से संपर्क किया था, भ्रामक है।

कांग्रेस नेता के आरोप निराधार, चुनाव मशीनरी पर अनुचित दबाव डालने का प्रयास : ईसी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 2024 के लोकसभा चुनाव में धांधली के दावों को शनिवार को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि इन निराधार आरोपों का उद्देश्य चुनाव मशीनरी पर अनुचित दबाव डालना और यहां तक कि चुनाव अधिकारियों को धमकाना है। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने यहां कांग्रेस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों का हवाला दिया, जहां पार्टी ने मतदाताओं की तस्वीरों और नामों की भौतिक रूप से जांच की और कथित तौर पर पाया कि कुल 6.5 लाख मतदाताओं में से 1.5 लाख मत फर्जी थे। गांधी ने कहा, भारत में चुनाव प्रणाली समाप्त हो चुकी है। निर्वाचन आयोग ने एक्स पर एक फैक्ट-चेक पोस्ट में कहा कि गांधी के बयान भ्रामक और निराधार हैं। लोकसभा-2024 के लिए मतदाता सूची तैयार करने के दौरान, मसौदा और अंतिम दोनों मतदाता सूचियां कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों के साथ साझा की गईं थी और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत अपील योग्य थीं।

पुणे : सांप्रदायिक हिंसा में 500 के खिलाफ पांच केस दर्ज, 15 गिरफ्तार

पुणे, एजेंसी

- यवत गांव में सोशल मीडिया पर कथित पोस्ट से भड़की थी हिंसा
- आगजनी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में 17 हिरासत में

पुणे जिले के यवत गांव में सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर भड़की सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है और 500 से अधिक व्यक्तियों के खिलाफ कुल पांच प्राथमिकी दर्ज की हैं। एक अधिकारी ने बताया कि 'व्हाट्सएप' पर आपत्तिजनक स्टेटस लगाने वाले युवक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

यवत पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक नारायण देशमुख ने बताया कि अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और इन सभी को छह अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आक्रोश के कारण शुक्रवार दोपहर दौंड तहसील के यवत गांव में सांप्रदायिक तनाव फैल गया और हिंसा की अलग-अलग घटनाएं सामने आईं।

इस दौरान लोगों के समूहों ने तोड़फोड़ की और संपत्तियों को आग लगा दी। यवत पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, हमने हिंसा के सिलसिले में अब तक कुल पांच मामले दर्ज किए हैं। इनमें से चार मामले 500 से अधिक लोगों के खिलाफ हैं, जो कथित तौर पर आगजनी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में संलिप्त थे। इनमें से 100 से अधिक लोगों की पहचान हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हिंसा में शामिल लोगों ने एक मोटरसाइकिल, दो कारों, एक धार्मिक स्थल और एक बेकरी को निशाना बनाया और आगजनी की।

उन्होंने बताया कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। उन्होंने बताया कि यवत में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और स्थिति नियंत्रण में है।

पुणे के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संदीप सिंह गिल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रारंभिक जांच किसी सुनियोजित साजिश की ओर इशारा नहीं करती और जांच पूरी होने तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

आईआईटी मुंबई के छात्र ने की आत्महत्या

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई के 22 वर्षीय छात्र ने शुक्रवार देर रात पवई स्थित छात्रावास की इमारत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि छात्र रोहित सिन्हा ने देर रात करीब ढाई बजे छात्रावास की 10वीं मंजिल से छलांग लगा दी। उन्होंने बताया कि सिन्हा को निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार दिल्ली निवासी सिन्हा धातुकर्म विज्ञान में चौथे वर्ष का छात्र था। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

जमानत पर जेल से बाहर आई केरल की दो नन, नेताओं ने किया स्वागत

बिलासपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की विशेष अदालत ने शनिवार को मानव तस्करी और जबरन धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार केरल की दो नन समेत तीन लोगों को जमानत दे दी। बचाव पक्ष के वकील अमृतो दास ने बताया कि एनआईए अदालत सिराजुद्दीन कुरैशी ने शुक्रवार को जमानत याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अदालत ने आरोपियों की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली और तीनों को सशर्त जमानत दे दी है। आवेदकों को 50 हजार का मुचलका जमा करना होगा, वे देश नहीं छोड़ सकते, उन्हें पासपोर्ट जमा करना तथा उन्हें जांच

में सहयोग करना होगा। जमानत पर सुनवाई के बाद, दास ने कहा था कि अभियोजन पक्ष ने पूछताछ के लिए तीनों की हिरासत की मांग नहीं की और कथित पीड़ित युवतियों को उनके घर भेज दिया गया था। सरकारी अभियोजक दाऊराम चंद्रवंशी ने भी पुष्टि की। बजरंग दल की शिकायत पर नन प्रीति मैरी और वंदना फ्रांसिस के साथ सुकमन मंडावी को दुर्ग रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था।

मंत्रियों ने की द केरल स्टोरी को पुरस्कार देने की आलोचना

तिरुवनंतपुरम। केरल के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री साजी चेरियन ने फिल्म द केरल स्टोरी को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार देने की शनिवार को आलोचना की और आरोप लगाया कि संघ परिवार के राजनीतिक एजेंडे के तहत इस फिल्म को पुरस्कार दिया जा रहा है। दिल्ली में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा जूरी प्रमुख और फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर ने शुक्रवार को की। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में द केरल स्टोरी के लिए फिल्म निर्माता सुदीप्तो सेन को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला है। इसको सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्रामी का भी पुरस्कार भी मिला है।

तेजस्वी ने मसौदा मतदाता सूची में अपना नाम नहीं होने का दावा किया, उपमुख्यमंत्री ने किया खंडन

पटना, एजेंसी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित 'मसौदा मतदाता सूची' में उनका नाम नहीं है। हालांकि, उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी के साथ ही पटना जिला प्रशासन ने इस दावे का खंडन करते हुए मसौदा मतदाता सूची का एक स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें यादव का विवरण और तस्वीर देखी जा सकती है।

प्रेस वार्ता के दौरान, पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने अपने फोन को एक बड़ी स्क्रीन से जोड़ा और अपना ईपीआईसी नंबर खोजने की कोशिश की, जिससे परिणाम आया कि कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। तेजस्वी यादव ने कहा, देखिए! मैं खुद मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हूं। इससे मैं चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाता हूं। शायद, मुझे नागरिक नहीं माना जाएगा और मैं इस घर में रहने के अधिकार से भी वंचित हो जाऊंगा। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने यह भी दावा किया कि जब बूथ स्तर का अधिकारी उनके यहां गणना प्रपत्र लेकर आया था, तो उसने उन्हें कोई रसीद नहीं दी। राजद नेता ने कहा, लेकिन, मैंने कोई कसर नहीं छोड़ते हुए अपना हस्ताक्षरित और विधिवत भरा हुआ फॉर्म सौंपते हुए अपनी तस्वीर खिंचवा ली थी।'' कुछ पत्रकारों ने यादव को सुझाव दिया कि वह शनिवार को निर्वाचन आयोग द्वारा सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराए गए मतदाता सूची के मसौदे का प्रिंटआउट देखें, हो सकता है उनका नाम उसमें हो।

- जिला प्रशासन ने स्क्रीनशॉट साझा कर दावे का किया खंडन

पुरी में आग के हवाले की गई किशोरी की दिल्ली एम्स में मौत

भुवनेश्वर, एजेंसी

- 19 जुलाई को तीन बदमाशों ने अपहरण कर लगा दी थी आग

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को बताया कि पुरी में एक पखवाड़े पहले तीन अज्ञात बदमाशों द्वारा कथित तौर पर आग के हवाले कर दी गई 15 वर्षीय लड़की की दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुरी जिले में भार्गवी नदी के तट पर 19 जुलाई की सुबह तीन अज्ञात लोगों ने लड़की का कथित तौर पर अपहरण कर लिया और उसे आग लगा दी थी।

उसकी मां ने बलंगा थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में बताया कि घटना उस समय हुई जब नाबालिग एक दोस्त से मिलने के बाद अपने घर जा रही थी। तीन लोगों ने उसे रोककर अगवा कर लिया और उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। वह 70 प्रतिशत से अधिक झुलस चुकी थी। उसे 19 जुलाई को सबसे पहले पिपिली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बाद में उसे उसी दिन एम्स, भुवनेश्वर ले जाया गया और अगले दिन हवाई मार्ग से दिल्ली के एम्स ले जाया गया, जहां उसकी कम से कम दो 'सर्जरी' और 'स्किन ग्राफ्टिंग' की गई। ओडिशा पुलिस ने शुक्रवार को दिल्ली एम्स में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पीड़िता का बयान दर्ज किया था।

उपलब्धि — 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपण की तुलना में महत्वपूर्ण छलांग

भारत ने 2024 में रिकॉर्ड 18,900 अंग किए प्रत्यारोपण

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा कि भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर ली है, जो किसी एक वर्ष में अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपण की तुलना में एक महत्वपूर्ण छलांग है।

उन्होंने कहा कि अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, तथा केवल अमेरिका और चीन से पीछे है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत हाथ के प्रत्यारोपण में विश्व में अग्रणी है, जो हमारी अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा क्षमताओं और हमारे चिकित्सा पेशेवरों के अटूट समर्पण को दर्शाता है। राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) द्वारा 15वें भारतीय अंगदान दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में नड्डा ने कहा कि प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले रोगियों और अंगदान करने वालों की संख्या के बीच काफी अंतर है। उन्होंने कहा, अंग खराब होने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हो रही है, जिससे जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा हो रहा है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ रहा है। हर साल, हजारों लोग अंग प्रत्यारोपण का इंतजार करते हैं। तत्काल आवश्यकता के बावजूद, प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षारत रोगियों की संख्या और उपलब्ध दाताओं की संख्या के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर बना हुआ है। नड्डा ने कहा, हमारे प्रत्यारोपण पेशेवरों के अटूट समर्पण के कारण भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जो किसी एक वर्ष में अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है।

अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, जो केवल अमेरिका और चीन से पीछे है।

- स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- अंग प्रत्यारोपण में भारत तीसरे स्थान पर

समग्र स्वास्थ्य के लिए योग अपनाने का आग्रह

नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और खान-पान की आदतें अंग खराब होने के प्रमुख कारणों में से एक हैं, इसलिए निवारक उपाय और जीवनशैली में सुधार करना आवश्यक है। उन्होंने लोगों से समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए योग अपनाने का आग्रह किया। नड्डा ने कहा, आयुर्वेद और योग हमारे अंगों को मजबूत बनाने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं। हमें समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए योग को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समय-समय पर सभी को बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

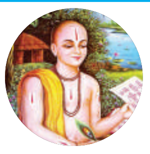

राम नाम अवलंब बिनु,
परमारथ की आस।
बरषत वारिद–बूंद गहि,
चाहत चढ़न अकास॥

राम–नाम का आश्रय लिए बिना जो लोग मोक्ष की आशा करते हैं अथवा धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष रूपी चारों परमार्थों को प्राप्त करना चाहते हैं वे मानो बरसते हुए बादलों की बूंदों को पकड़ कर आकाश में चढ़ जाना चाहते हैं। भाव यह है कि जिस प्रकार पानी की बूंदों को पकड़ कर कोई भी आकाश में नहीं चढ़ सकता वैसे ही राम नाम के बिना कोई भी परमार्थ को प्राप्त नहीं कर सकता।

ज्ञान से मित्रता जरूरी

> भाषा की शक्ति बड़ी है लेकिन असीम और अनंत नहीं हैं। वस्तु, व्यक्ति या रूप का नाम लेना आसान है लेकिन चित्त में उभरने वाले भावों का वर्णन दुष्कर। परम चेतना विराट है। असीम है। परम चेतन की व्याख्या नहीं हो पाती। भाषा और शब्दों की सीमा है। तब उसकी चर्चा हो कैसे? वैदिक काव्य में परस्पर विरोधी गुणों को जोड़कर विराट को समझाने का रम्य प्रयास है। 'उसे' भाषा में समझाया नहीं जा सकता। वह अनुभूति अनिर्वचनीय है, अव्याख्येय है। उसकी व्याख्या असंभव है।

ज्ञान से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं। गीता की घोषणा है-नहि ज्ञानेन पवित्रमिह विद्यते। ऋग्वेद में 'ज्ञान' विषयक एक सूक्त (ऋ 10.71) है। 'ज्ञान' यहां एक देवता हैं। ऋग्वेद के देवता अभिभूत करते हैं। यहां पशु पक्षी भी देवता हैं। कृषि भी देवता है। साहस (मन्यु) भी देवता हैं। श्रद्धा और हांथ भी देवता है। जहां जहां दिव्यता वहां वहां देवता। वस्तुओं मनोभावों को देवता मानने की वैदिक शैली अनूठी है। यही परंपरा ट्रक चालक भी निभाते हैं। वह गाड़ी पर बैठते ही स्टीयरिंग को प्रणाम करता है, सिर झुकाता है चल देता है। लोग ऐसे कृत्यों पर हंसते हैं। हंसना जायज है। स्टियरिंग को प्रणाम करने का कोई तुक नहीं। लेकिन ऋग्वेद में 'नमस्कार' भी देवता हैं। मूर्ति, स्टीयरिंग, किताब, पेड़ या नदी को किए गए नमस्कार का सीधा संबंध हमारी अंतश्चेतना से है। मूर्ति या स्टीयरिंग नमस्कार के भूखे नहीं है। वे इसका जवाब भी नहीं देते। लेकिन नमस्कार से हमारे मन और काया में रासायनिक परिवर्तन होते हैं। नमस्कार अंतः करण को प्रीतिभाव से भरता है।

सृष्टि के प्रारम्भ में कोई एक आदि तत्व या मूलभूत द्रव्य रहा होगा। उसी से भिन्न भिन्न पदार्थो का विकास हुआ। परम तत्व एक से अनेक रूपों में हो गया। ऋषि बताते हैं "अग्रं यत्प्रैरत नामधैयं दधानाः-प्रारम्भिक स्थिति में विभिन्न पदार्थो का नामकरण ही ज्ञान का प्रथम सोपान बना। इनका शुद्ध ज्ञान अनुभूति में होता है और वह अंतः प्रेरणा से प्रकट होता है।" (ऋ 10.71.1) रूप देखकर नाम रखना, रूप के साथ नाम मिलाकर जानना ज्ञान की शुरूआत है। रूपों के भीतर छुपे गुण-धर्म का ज्ञान अनुभव से ही आता है। यहां अनुभव पर जोर है। जलती अग्नि या बहती हुई नदी दिखाई पड़ीं यह रूप था। नाम रखा गया अग्नि या नदी। रूप के साथ नाम याद रखना ज्ञान की प्रथम सीढ़ी है।

नाम पदार्थ नहीं है। वह वस्तु या पदार्थ का भाषिक प्रतिनिधि है। नाम और रूप मिलाकर ज्ञान बनते हैं। इसके सामाजिक बोध और ज्ञान को साझी बनाने के लिए भाषा चाहिए। भाषा सुबोध चाहिए। सुसंस्कृत भी चाहिए। ऋषि कहते हैं, "सूप से सत्तू स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन भाषा गढ़ते हैं और मित्रगण आत्मीय भाव से समझ लेते हैं। ऐसे सफल विद्वान की वाणी में लक्ष्मी का निवास होता है" (वही, मंत्र 2) भाषा ज्ञानी की वाणी में सरस्वती नहीं लक्ष्मी के निवास का रूपक है। वाणी स्वयं देवी है। वह स्वयं सरस्वती है। भाषा का ज्ञान अतिरिक्त समृद्धि है। इसलिए यहां लक्ष्मी का रूपक है। आगे कहते हैं "ज्ञानियों ने तत्वज्ञानियों के अंतःकरण में प्रविष्ट भाषा को प्राप्त किया। उसे प्रसारित किया।" (वही, मंत्र-3) ज्ञानी को तत्वज्ञानियों से भाषा संस्कार मिले। तब उनका प्रसार हुआ।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उ.प्र.

माना जाता है कि जो प्रत्यक्ष है, वह सत्य है, वही ज्ञान है। ऋषि सतर्क करते है "अनेक लोग देखकर भी ज्ञान नहीं पाते। अनेक लोग सुनकर भी ज्ञान नहीं पाते। लेकिन सुपात्र के सामने वाणी स्वयं ही अपना सत्य रूप प्रकट कर देती है।" (वही, मंत्र 4) पढ़कर लिख देना एक शैली है। लोग ऐसे लेखकों को विद्वान कहते है। सुना सुनाया दोहरा देने वाले भी ज्ञानी जैसी प्रतिष्ठा पाते है लेकिन ऋषि कहतें हैं, "शाब्दिक भावों को ग्रहण करने और उन्हें दोबारा प्रकट करने वाले प्रशंसा पाते है परन्तु उनमें से भी बहुत ऐसे हैं जो भाषा का फल (अर्थ) और फूल (अभिप्राय) नहीं जानते, ऐसे लोग दूध रहित गाय दुहते हैं। वाणी के जरिए प्रपंच करते हैं।" (वही मंत्र 5) खास बात है अनुभव। अनुभूति ही ज्ञान को वास्तविक बताती है। ऋषि 'ज्ञान से मित्रता, को जरूरी बताते है "जो सत्य ज्ञान की धारा से मित्रता त्याग देते हैं यस्ति त्याज सचिविदं सखायं-ज्ञान से सखा भाव नहीं रखते, उन्हें दिव्यवाणी (ज्ञान) में अपना हिस्सा नहीं मिलता।" (वही-मंत्र 6)

ऋग्वेद में एक समान ज्ञानी, एक समान श्रोत्रशक्ति सम्पन्न मेधावी भी 'एक समान' नहीं बताये गए। कहते हैं "दर्शन शक्ति सम्पन्न, श्रोत्रशक्ति सम्पन्न, एक समान ज्ञान से युक्त मित्र भी अनुभवजन्य ज्ञान में एक समान नहीं होते।" (वही मंत्र 7) साथ साथ रहने वाले, आपस में मित्र, एक ही विषय में एक जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त विद्वान भी अनुभव भिन्नता के कारण एक समान नहीं हो सकते। सत्यबोध ही ज्ञान है। हम सबका इन्द्रिय बोध एक ही पदार्थ के रूप को भिन्न-भिन्न रूप में ग्रहण करता है। सत्य सदा सत्य है। सत्य 'त्रिकाल अबाधित' होता है। भूत, भविष्य और वर्तमान उस पर प्रभाव नहीं डालते। अस्तित्व सत्य है। व्यक्त भी सत्य है पर समूचा व्यक्त भिन्न भिन्न रूपों में विभाजित जान पड़ता है। रूप प्रत्यक्ष हैं, सत्य हैं। परिवर्तनशीलता भी सत्य है। रूप का अंतस्-अव्यक्त सत्य है। अव्यक्त अरूप सदा एक है।

भाषा की शक्ति बड़ी है लेकिन असीम और अनंत नहीं हैं। वस्तु, व्यक्ति या रूप का नाम लेना आसान है लेकिन चित्त में उभरने वाले भावों का वर्णन दुष्कर। परम चेतना विराट है। असीम है। परम चेतन की व्याख्या नहीं हो पाती। भाषा और शब्दों की सीमा है। तब उसकी चर्चा हो कैसे? वैदिक काव्य में परस्पर विरोधी गुणों को जोड़कर विराट को समझाने का रम्य प्रयास है। 'उसे' भाषा में समझाया नहीं जा सकता। वह अनुभूति अनिर्वचनीय है, अव्याख्येय है। उसकी व्याख्या असंभव है। पुराणों में उसे अव्याख्येय बताते हुए बड़े दिलचस्प प्रतीक गढ़े गए कि समुद्र को स्याही और हिमालय को कलम बनाकर भी उसका वर्णन नहीं हो सकता। बड़े से बड़े द्रष्टा, कवि और देवता, आदि भी उसके सामर्थ्य का वर्णन नहीं कर सकते। लेकिन ऋषियों ने उसे अनुभूति में जाना था। वे गद्गद् थे। परम उल्लास में थे। उल्लास से ही मंत्र काव्य फूटे, लेकिन विराट का वर्णन असंभव था।

विराट को समझना बड़ा कठिन है। प्रगाढ़ अनुभूति में उसका बोध हो भी जाए तो बोध को बताना और भी कठिन। पुराणों में 'गूंगे के स्वाद' का प्रतीक इस्तेमाल हुआ है। स्वाद की मधुमयता का बखान गूंगा करे तो कैसे करे? अस्तित्व की अनुभूति का बखान और भी असंभव है।

तुलसीदास ने गाया है "एक दारूगत देखिय एकू/ पावक सम जुग ब्रह्म विवेकू-एक अग्नि प्रत्यक्ष है, वही अग्नि गुप्त है, ब्रह्म भी ऐसा ही है, जो प्रत्यक्ष है वह ब्रह्म, जो अप्रत्यक्ष है वह भी ब्रह्म। 'व्यक्त' प्रत्यक्ष हैं, अव्यक्त में वे एक है। ऋग्वेद (10.5.7) में कहते हैं, "असच्च सच्च परमें व्योमन-परम व्योम में सत् असत् दोनों हैं।" सच्च/असच्च हमारी आंखे देखती हैं। इसे समझाने के लिए दो शब्दों का प्रयोग हुआ। असल बात परम व्योम है। मंत्रों के लिए कहते है "ऋचा अक्षर परम व्योमन-ऋचाएं/मंत्र परम व्योम में रहते है।" अव्यक्त परब्रह्म जब व्यक्त प्रकट बनता है तब सत् असत्। सृष्टि का व्यक्त भाग ही इकाई में व्यक्ति है और भाषा में अभिव्यक्ति है। संसार में व्यक्त है अनंत में अव्यक्त और व्यक्त है।

ब्रह्म सम्पूर्णता का पर्यायवाची है। यह वेदांत दर्शन का प्रिय विषय है। ऋग्वेद में प्रकृति की तमाम शक्तियों को विभिन्न देवनाम दिए गए हैं। लेकिन मूल सत्य 'एकं सद्' है। उपनिषदों में ऋग्वेद की 'एकंसद' (एक ही सत्य) अनुभूति का विकास है। ऋग्वेद में उसे इन्द्र अग्नि और वरूण अदिति जैसे नाम दिए गए। उपनिषदों में उसे ब्रह्म, सच्चिदानंद, प्राण और ईश्वर जैसे अशरीरी/आधिभौतिक नामों से जाना गया। लेकिन नाम से क्या होता है? नाम रूप के साथ ज्ञान से मित्रता जरूरी है।

निर्यात का बड़ा बाजार

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने लेदर और फुटवियर उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए जिस समग्र नीति को कार्यान्वित करने का निर्णय लिया है, वह तमाम चुनौतियों से जूझ रहे इस उद्योग को 'मेक इन इंडिया' और 'लोकल टू ग्लोबल' की पहचान से आगे निकलकर न सिर्फ स्मार्ट औद्योगिक हब, बल्कि प्रदेश को फुटवियर-लेदर विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने का मार्ग सुनिश्चित करने वाली है। इसे प्रदेश को वैश्विक फुटवियर और लेदर विनिर्माण का केंद्र बनाने की दिशा में निर्णायक पहल इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि वर्तमान में भारत इस क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह कहना गलत नहीं है कि प्रदेश को इस क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने की अपार संभावनाएं हैं।

अमित नारायन
कानपुर

देश से निर्यात होने वाले कुल चमड़े में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत होने के बावजूद अभी तक इस संबंध में कोई समन्वित नीति नहीं तय थी, जबकि उत्तर प्रदेश के बाद चर्म निर्यात में लगातार अग्रसर तमिलनाडु काफी पहले अपनी फुटवियर व लेदर उत्पाद नीति लागू कर चुका है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में भी अगर इस दिशा में मजबूती से कदम बढ़ाने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, तो इसकी वजह भी थी। राज्य में लेदर और फुटवियर उद्योग में पारंपरिक कौशल, प्रशिक्षित श्रमबल, कच्चे माल की उपलब्धता और सशक्त औद्योगिक केंद्रों की मौजूदगी है। लेदर व फुटवियर एक्सपोर्ट के लिहाज से कानपुर और उन्नाव जहां 200 से ज्यादा टेनरियों के कारण वैश्विक स्तर पर फिनिश्ड लेदर, सेफ्टी फुटवियर तथा लेदर एक्सेसरीज के क्षेत्र में बड़ी पहचान रखते हैं, वहीं आगरा की ख्याति फुटवियर राजधानी की है, जबकि लखनऊ और बरेली इस मामले में उभरते हुए केंद्र के रूप में स्थापित हो रहे हैं। 'उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर एवं नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति 2025' में क्लस्टर आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता देने का निर्णय हुआ है।

> देश से निर्यात होने वाले कुल चमड़े में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत होने के बावजूद अभी तक इस संबंध में कोई समन्वित नीति नहीं तय थी, जबकि उत्तर प्रदेश के बाद चर्म निर्यात में लगातार अग्रसर तमिलनाडु काफी पहले अपनी फुटवियर व लेदर उत्पाद नीति लागू कर चुका है।

नई नीति में यह भी स्पष्ट रूप से परिभाषित होना है कि प्रदेश में कौन-से क्षेत्र इस उद्योग के लिए सबसे उपयुक्त हैं। ऐसे में इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कुछ और नए जिले भी लेदर और फुटवियर उद्योग की विकास यात्रा का हिस्सा बन सकते हैं। इसके साथ ही इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि लेदर और नॉन-लेदर फुटवियर निर्माण इकाइयों को बढ़ावा मिलने तथा इस क्षेत्र से जुड़ी सहायक यूनिटों जैसे सोल, इन सोल, बकल्स, जिप, लेस, केमिकल, डाइंग, हील्स, टैग्स और लेबल्स और मशीनरी निर्माण को अगर विशेष प्रोत्साहन मिलता है, तथा स्किलिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जाता है, तो प्रदेश में एक ऐसा एकीकृत फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार हो सकेगा, जिसमें डिजाइन से डिलीवरी तक की प्रक्रिया को स्थानीय स्तर पर ही पूरा किया जा सकेगा। उद्यमियों का मानना है कि अगर यह नीति मजबूत इरादों और प्रस्तावित सुविधाओं के साथ जमीन पर उतरती है तो उत्तर प्रदेश चीन और वियतनाम जैसे देशों को कड़ी टक्कर देने में सक्षम हो सकता है। किंतु यह तभी संभव होगा, जब ऐसी समग्र, व्यावहारिक और उद्यमी मित्र नीति आगे बढ़ाई जाए, जो नए अवसरों का द्वार खोलने वाली हो

युवाओं के भविष्य के साथ प्रयोग

देश के सबसे बड़े भर्ती निकायों में शुमार एसएससी (कर्मचारी चयन आयोग) की परीक्षाएं आजकल युवाओं के लिए परीक्षा कम और यातना अधिक बनती जा रही हैं। इस बार फिर जिस तरह एसएससी की हालिया परीक्षाओं में अव्यवस्थाएं उजागर हुई हैं, उसने न सिर्फ छात्रों के धैर्य की परीक्षा ली है, बल्कि देश की परीक्षा प्रणाली और बेरोजगारी से लड़ने के जिम्मेदारों के दावों पर भी गहरा प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है।

जिन युवाओं ने वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा के लिए तैयारी की, उन्हें 2 दिन पहले तक एडमिट कार्ड नहीं मिला। जिनको मिला, उन्हें कर्नाटक, अंडमान जैसे हजारों किलोमीटर दूर के सेंटर आवंटित कर दिए गए- ये वही छात्र हैं जिन्होंने फॉर्म में तीन निकटवर्ती शहरों की प्राथमिकता दी थी।

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

तकनीकी खामियां अब सामान्य समस्या बन गई हैं। कहीं सिस्टम क्रैश कर रहा है, तो कहीं माउस और स्क्रीन काम नहीं कर रही। छात्र पहले ही मानसिक दबाव में होते हैं, उस पर यह तकनीकी उत्पीड़न और दुर्व्यवहार असहनीय हो जाता है। एक ब्लैकलिस्टेड एजेंसी एडुक्विटी को परीक्षा संचालन का जिम्मा सौंपने की बात की जा रही है, तो क्यों न पूछा जाए कि क्या एसएससी युवाओं के भविष्य के साथ प्रयोग कर रही है?

पेपर रिपीट होना और आधार ऑथेंटिकेशन की वजह से कई छात्रों का फॉर्म रिजेक्ट होना या परीक्षा केंद्र पर पर दिक्कतें अभ्यर्थी बता रहे हैं। सबसे अधिक अमानवीय यह रहा कि कई परीक्षाएं बिना पूर्व सूचना रद्द कर दी गईं, छात्र सैकड़ों किलोमीटर चलकर पहुंचे, खर्चा किया, समय गंवाया, और परीक्षा हॉल पहुंचकर पता चला कि परीक्षा ही रद्द हो गई है।

एक शिक्षक होने के नाते यह सब देखना और सुनना अत्यंत पीड़ादायक है। रोज कक्षा में जिन बच्चों को पढ़ा रहे हैं, जिनकी आंखों में सरकारी नौकरी का सपना पलता है, उनके सपनों के साथ ऐसा बेरुखा व्यवहार हमें भीतर तक झकझोरता है। हम उन्हें केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, उन्हें उम्मीद और आत्मविश्वास भी देते हैं- लेकिन जब यह व्यवस्था उनकी मेहनत को इस तरह रौंद देती है, तो खुद को असहाय और अपराधी महसूस करने से भी नहीं रोक पाते।

यह केवल तकनीकी या प्रशासनिक विफलता नहीं है, यह युवाओं के रोजगार के सपने की हत्या है। जिम्मेदारों को यह समझ लेना चाहिए कि जब तक एसएससी जैसी संस्थाएं पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता नहीं दिखाएंगी, तब तक लाखों युवाओं में अविश्वास और आक्रोश की आग जलती रहेगी। सरकार और एसएससी को चाहिए कि वे तुरंत छात्रों से संवाद करें, समस्याओं की सार्वजनिक जांच हो, जिम्मेदारी तय हो, और भविष्य में ऐसे हालातों की पुनरावृत्ति रोकी जाए। देश के युवाओं के रोजगार के सपने के रास्ते में जो भी बाधा है, उसे हटाना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है।

डिजिटल कोलाहल में गुम होती आवाज़ें

> आज यह मंच 'सूचना' का नहीं, 'प्रतिक्रिया' का माध्यम बन गया है। लोग किसी भी खबर पर बिना जांचे–परखे प्रतिक्रिया देते हैं, उसे आगे बढ़ाते हैं और एक ऐसा भ्रमजाल रचते हैं जिसमें झूठ और सच की पहचान करना कठिन हो जाता है।

आज का समय तकनीक का है और तकनीक ने मनुष्य को न सिर्फ आधुनिकता का चोला पहनाया है, बल्कि उसके सोचने, समझने और बोलने की शैली को भी बदला है। सोशल मीडिया के विभिन्न मंच-फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सऐप आदि ने एक ऐसा आभासी संसार रच दिया है, जिसकी सीमाएं किसी देश, धर्म, जाति या भूगोल से नहीं बंधीं। यह एक ऐसा डिजिटल लोक बन गया है जिसमें पूरी दुनिया समाहित है और जहां एक क्लिक में व्यक्ति विश्व के किसी भी कोने में घट रही घटनाओं से न केवल परिचित हो सकता है, बल्कि उस पर प्रतिक्रिया भी दे सकता है।

बात अगर सुविधाओं की करें, तो यह सोशल मीडिया एक अद्भुत वरदान की तरह प्रतीत होता है। जिस आम आदमी की आवाज़ को कभी उसकी चारदीवारी से आगे सुनने वाला कोई नहीं था, उसी व्यक्ति को आज लाखों-करोड़ों तक पहुंचने का माध्यम मिल गया है। जिन प्रतिभाओं को पहचानने के लिए वर्षों संघर्ष करना पड़ता था, उन्हें आज एक वीडियो, एक कविता, एक चित्र या एक विचार के माध्यम से न केवल पहचान मिल रही है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक अवसर भी मिल रहे हैं। यह मंच एक ओर जहां संवाद और सृजन का लोक है, वहीं लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का सशक्त साधन भी बन चुका है। लेकिन यह तस्वीर उतनी उजली नहीं जितनी ऊपर से दिखती है। सोशल मीडिया की यह आभासी दुनिया अब महज़ एक मंच नहीं रह गई है, यह अब एक विशाल रंगमंच बन गई है, जहाँ हर कोई अभिनेता है, लेकिन दर्शक नहीं। यहाँ सब बोलना चाहते हैं, पर सुनने का धैर्य खो बैठते हैं। हर कोई अपनी बात को अंतिम सत्य मानकर दूसरों की बात को खारिज कर देना चाहता है। ज्ञान और संवाद की रोशनी में जहां अभिव्यक्ति खिलती है, वहीं उसी मंच पर ईर्ष्या, दिखावा और खोखले शोर की चिंगारियां भी फूटती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जहां यह मंच सत्य को उजागर करने की ताकत रखता है, वहीं यह झूठ को भी सुनामी की तरह फैला देता है।

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
नई दिल्ली

आज यह मंच 'सूचना' का नहीं, 'प्रतिक्रिया' का माध्यम बन गया है। लोग किसी भी खबर पर बिना जांचे-परखे प्रतिक्रिया देते हैं, उसे आगे बढ़ाते हैं और एक ऐसा भ्रमजाल रचते हैं जिसमें झूठ और सच की पहचान करना कठिन हो जाता है। अफवाहें यहां बिजली की गति से दौड़ती हैं और वास्तविकता की सांस फूल जाती है। कटाक्ष, ट्रोलिंग, निंदा और बहिष्कार जैसे शब्द अब आम हो चुके हैं। विचारों का सम्मान अब मात्र विचार से सहमति तक सीमित हो गया है- अगर तुम मेरी सोच से सहमत नहीं हो, तो तुम मेरे विरोधी हो। इसने विचारधाराओं को विमर्श का नहीं, युद्ध का विषय बना दिया है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया ने दिखावे की संस्कृति को भी चरम पर पहुंचा दिया है। हर चेहरा एक मुखौटा ओढ़े घूम रहा है। यहां लोग अपने जीवन की 'संपादित' झलकियां साझा करते हैं, जिसमें केवल खुशियां, उपलब्धियां और आकर्षक क्षण होते हैं। इस आभासी सुंदरता के पीछे जो अकेलापन, संघर्ष और विषाद छुपा है, वह दृश्य ही नहीं हो पाता। ऐसे में जब आम व्यक्ति अपने जीवन की तुलना इन आभासी झलकियों से करता है, तो वह हीनभावना, अवसाद और आत्मसंदेह से भर उठता है।

बात जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आती है, तो यह मंच एक दोधारी तलवार की तरह सामने आता है। यह सच है कि इसने वह आवाज़ें भी बुलंद की हैं जिन्हें इतिहास ने बार-बार चुप कराया, लेकिन साथ ही यह भी उतना ही सच है कि यह अब फूहड़ता, असंवेदनशीलता और सनसनीखेज शोर का अड्डा भी बन चुका है। गाली-गलौज, चरित्र हनन, अश्लीलता और नफरत की भाषा अब ट्रेंडिंग विषय बन गए हैं। विडंबना यह है कि जितना अधिक आक्रोशपूर्ण, विभाजनकारी या उत्तेजक कोई बात होती है, वह उतनी ही तेजी से वायरल होती है। यह मंच अब विचारों का नहीं, ध्यान खींचने का बाजार बन चुका है। हमें यह समझना आवश्यक है कि सोशल मीडिया एक साधन है, साध्य नहीं। यह मंच जितना ताकतवर है, उतना ही संवेदनशील भी। यह हमें जोड़ भी सकता है और तोड़ भी सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम इस मंच का उपयोग ज्ञान, संवाद, सृजन और सहयोग के लिए करें, न कि ईर्ष्या, विद्वेष, प्रचार और शोर के लिए। हमें यह भी समझना होगा कि हर चमकता हुआ सत्य नहीं होता, और हर सच शोर नहीं करता। अब वक्त है कि इस बेमानी शोर में हम अपनी विवेकशीलता की आवाज़ को फिर से ज़ोर दें, ताकि सोशल मीडिया केवल डिजिटल मंच नहीं, बल्कि मानवता का सहयात्री बन सके।

भौतिकता का अतिरेक

जब समाज में भौतिक दृष्टि से सम्पन्न लोगों को इज्जत एवं महत्व मिलता है तो देखादेखी अन्य लोग भी भौतिक दृष्टि से सम्पन्न होने के उपक्रम में लग जाते है। वर्तमान दौर में तो यही दिख रहा कि जिसके पास अधिक रुपया-पैसा तथा भौतिक उपकरण है, उसे हर जगह सम्मान तथा ऊंचे ओहदा प्रदान किया जा रहा है।

सलिल पांडेय
वरिष्ठ लेखक

नैतिकतापूर्ण जीवन जीते अभावग्रस्त व्यक्ति का महत्व नहीं रह गया है। सिर्फ धर्मग्रन्थों एवं पुस्तकों में पढ़ने को मिलता है कि ईमानदारी पूर्वक जीवन व्यतीत करने वालों को समाज सम्मान देता रहा। शासक नीतिपूर्ण जीवन जीवन जीने वालों को देखकर उठ जाते थे।

भगवान कृष्ण को ही लें तो पाएंगे कि अपने सखा सुदामा की गरीबी उनसे नहीं देखी गई और वे सुदामा की हालत देखकर रो पड़े। वर्तमान दौर में तो ऐसा संभव नहीं दिखता है कि कोई ईमानदारी पूर्वक जीने वाला दीन-हीन किसी सक्षम व्यक्ति के पास जाए तो वह दीन-हीन के प्रति कृष्ण जैसा आचरण करेगा। बल्कि उल्टे उसे अपमानित भी कर सकता है।

यह युग का प्रभाव है। तभी कबीर ने 'कांकर-पांकर जोड़ि के मस्जिद देई बनाय, ता चढ़ि मुल्ला बाग दें, क्या बहरा हुआ खुदाय' दोहे के माध्यम से कंकड़-पत्थर की अट्टालिका बनाने वालों पर व्यंग्य किया कि वह जब कंकड़-पत्थर के बल पर महल बना लेता है तो उसे समाज के लोग सलामी ऐसा बोलने लगते है, जैसे वह खुदा हो गया।

वर्तमान दौर में जन-प्रतिनिधि तक पैसे वाले ही चुने जा रहे हैं। मेहनत की कमाई से साधारण जीवन जीने वाला कितना भी बहुमुखी प्रतिभा का हो जाए लेकिन उसे कहीं सम्मान का ओहदा मिलने वाला नहीं बल्कि सम्मान के ओहदे की बोली लगी है। जो जितना पैसा खर्च कर सके, उसे उतना बड़ा सम्मान देखते-देखते मिल जा रहा। मजेदार बात यह कि ऐसे कामों का कहीं से विरोध नहीं होता बल्कि लोग यही कहते है कि आजकल ऐसा ही होता है। ऐसी स्थिति में सम्मान के सारे मानदंड टूट जा रहे हैं। अर्थ यही है कि रुपया-पैसा सबसे मजबूत हो गया है।

गांव की चौपाल से लोकतंत्र की नई इबारत

उत्तराखंड में 31 जुलाई को संपन्न त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के अनेक प्रकार से राजनीतिक निहितार्थ निकाले जा रहे हैं, लेकिन उनके सामाजिक निहितार्थ कहीं अधिक गहरे, स्थायी और परिवर्तनकारी हैं। ये चुनाव ग्रामीण समाज की बदलती सोच, नई पीढ़ी के उत्साह और लोकतांत्रिक मूल्यों की गहरी जड़ों का प्रतीक बनकर उभरे हैं।

इस चुनाव के सामाजिक निहितार्थों में सबसे पहले गौर करने लायक बात रिटायर्ड कर्नल यशपाल सिंह नेगी और पूर्व आईजी विमला गुंज्याल से शुरू करते हैं। इतने बड़े पदों पर काम करने के बाद इनके पास दूसरे नौकरशाहों की तरह किसी शहर में कोठी-बंगला बनाकर आरामदेह जिंदगी बसर करने का विकल्प मौजूद था। यदि इनके मनों में कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी हैं तो इन्हें किसी राजनीतिक दल से जुड़कर कोई सम्मानजनक राजनीतिक पद हासिल हो सकता था, लेकिन दोनों ने इन मोहों का त्याग कर गांव की पगडंडी चुनी और क्रमशः पौड़ी व पिथौरागढ़ जिलों में प्रधान जैसे जमीनी पद पर अपनी नई भूमिका का निर्वाह करने को तैयार हुए। इसी तरह, पौड़ी जिले में ही पाबौ विकासखंड के कुई गांव की 22 वर्षीय साक्षी ने बी.टेक करने के बाद अपनी समवयस्कों की तरह किसी अच्छी नौकरी के सपने छोड़कर अपने गांव की सेवा का संकल्प लिया और गांव की प्रधान चुनी गई। इन सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों का सीधे राजनीति की अट्टालिकाएं छूने के बजाय प्रधान जैसे हमारे लोकतंत्र के सबसे जमीनी पद के लिए चुनाव लड़ना महज व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि समाज को दिया गया एक गहरा संदेश है कि वास्तविक परिवर्तन जमीनी स्तर पर ही आता है। वहीं साक्षी जैसी सुशिक्षित युवती का गांवों की ओर लौटना यह आस जगाता है कि उत्तराखंड से लगातार पलायन की ओर बढ़ते कदम कुछ ठिठकेंगे और ये उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत होंगे, जो शहरों के मायाजाल में खिंचकर अपने पुरखों की मिट्टी को छोड़ रहे हैं।

चंद्रशेखर बेंजवाल
स्वतंत्र पत्रकार

इस चुनाव का दूसरा उल्लेखनीय पहलू यह था कि इसमें 21 से 30 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं की भागीदारी असाधारण रही। इसी आयु वर्ग को अक्सर 'पलायन पीढ़ी' कहा जाता है, जो रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में पहाड़ छोड़ देते हैं और वापस नहीं लौटते। किंतु इस बार उन्होंने न केवल लोकतंत्र में भागीदारी निभाई, बल्कि बड़ी संख्या में विजयी होकर एक नया उदाहरण भी पेश किया। यह संकेत है कि पहाड़ अब सिर्फ छोड़ने की जगह नहीं, बल्कि नेतृत्व गढ़ने की भूमि बन सकता है। इन युवाओं की जीत पहाड़ के सामाजिक-आर्थिक भविष्य को एक नई दिशा दे सकती है। वे सिर्फ पंच परमेश्वर नहीं हैं, वे सामाजिक परिवर्तन के वाहक भी हैं। वे पढ़े-लिखे हैं, आधुनिक और तकनीकी शिक्षा से लैस हैं। गांवों की पंचायतों में जब तकनीकी शिक्षा, डिजिटल समझ और आधुनिक प्रबंधन कौशल से लैस ये युवा पहुंचेंगे, तो योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक पारदर्शी और प्रभावी हो सकेगा। इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण सामाजिक पहलू यह रहा कि ग्रामीण जनता ने परिवारवाद व वंशवाद की राजनीति को लगभग नकार दिया। विडंबना यह रही कि जो सत्तारूढ़ दल परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ सर्वाधिक मुखर रहा है, उसी दल के विधायकों व पदाधिकारियों के सर्वाधिक पारिवारिक सदस्य चुनाव मैदान में थे और एकाध अपवाद को छोड़कर सबको मुंह की खानी पड़ी।

कहीं विधायक की पत्नी को धूल चाटनी पड़ी तो कहीं विधायक पुत्रों को करारी शिकस्त मिली। राजनेताओं के परिवारवाद को जमीन सुंघाने के अलावा जनता ने उन वंशवादी बेलों पर भी खूब मट्ठा डाला,जो तीन-चार पीढ़ियों से किसी न किसी तरह ग्रामीण सत्ता प्रतिष्ठान पर कब्जा जमाए बैठे थे। जनता ने इस बार ऐसे अधिकांश परिवारों को बाहर का रास्ता दिखाकर नए चेहरों को मौका दिया है।

इन चुनावों ने उत्तराखंड की ग्रामीण राजनीति में एक नई दिशा को रेखांकित किया है। शिक्षित और प्रेरित युवाओं की जीत, परिवारवाद का अंत और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया का खोखलापन उजागर होना, ये सभी संकेत हैं कि ग्रामीण समाज अब परिवर्तन की ओर अग्रसर है। हालांकि, यह यात्रा अभी चुनौतियों से मुक्त नहीं है। आगामी जिला पंचायत अध्यक्षों और क्षेत्र पंचायत प्रमुखों के चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा खरीद-फरोख्त और डराने-धमकाने जैसे हथकंडों का खतरा बना हुआ है। यही वह क्षण होगा, जब नवनिर्वाचित पंच परमेश्वरों की नैतिकता और प्रतिबद्धता की अग्निपरीक्षा होगी। इस नई शुरुआत को सार्थक बनाने के लिए सरकार, समाज और नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को एकजुट होकर काम करना होगा। प्रशिक्षण, पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही इस नई दिशा को और सशक्त बनाएगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

सौरव गांगुली की बायोपिक में 'दादा' बनेंगे राजकुमार राव

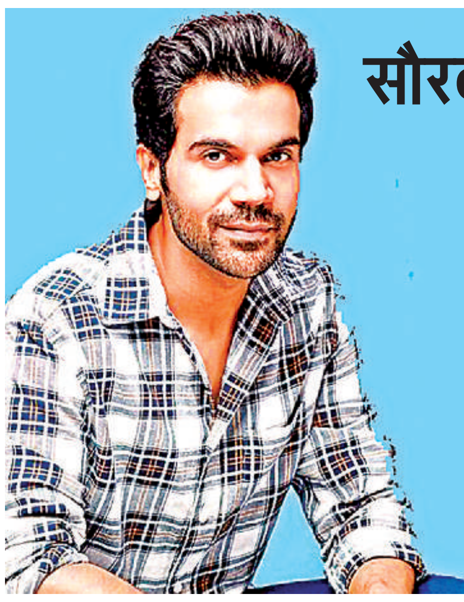

बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक में उनकी भूमिका निभाएंगे। सौरव गांगुली द्वारा उनके नाम का खुलासा किए जाने के बाद अभिनेता राजकुमार ने भी कह दिया है कि वह किरदार निभाने के लिए काम कर रहे हैं।

राजकुमार राव का कहना है कि 'अब जब दादा ने कह ही दिया है, तो मैं भी इसे आधिकारिक कर देता हूं। हां, मैं उनकी बायोपिक में उनका किरदार निभा रहा हूं। पिलहाल मैं थोड़ा नर्वस हूं... यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन मैं जानता हूं कि सब कुछ बड़ा मजेदार होने वाला है।' इससे पहले पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने कहा था कि उन्हें इस बात पर पूरा भरोसा है कि अभिनेता राजकुमार राव उनकी बायोपिक फिल्म में शानदार किरदार के लिए उपयुक्त हैं। सौरव गांगुली केवल भारतीय क्रिकेट के इतिहास में ही नहीं, बल्कि वर्ल्ड क्रिकेट में महान खिलाड़ी के रूप में जाने जाते हैं। उनकी पहचान 'क्रिकेट के दादा' के रूप में है। गांगुली वर्ष से 1992 से 2008 तक भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहने के साथ सफल कप्तान गिने जाते हैं। राजकुमार राव का कहना है कि सौरव गांगुली के रोल को लेकर वह थोड़ा नर्वस तो हैं, लेकिन नए चैलेंज का एक्साइटमेंट कम नहीं है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसमें बंगाली लहजे को भी पर्दे पर उतारना है। फिल्म की शूटिंग जनवरी 2026 में शुरू करने और साल के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है।

इस रेखा को किसने देखा

सोशल मीडिया और इंटरनेट पर हर दिन कुछ न कुछ नया वायरल होता रहता है। ताजा मामला, इंस्टाग्राम पर एक ऐसे वीडियो का है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं। इस वीडियो में एक लड़की है, जो अभिनेत्री रेखा की हमशक्ल नजर आ रही है। लड़की का चेहरा रेखा से मिल रहा है कि कोई भी धोखा खा जाए। आंखें तो हूबहू रेखा जैसी हैं। यह वीडियो देखकर बॉलीवुड की एवरग्रीन एक्ट्रेस रेखा के फैंस को उनकी जवानी के दिन याद आ रहे हैं। रेखा की अदाओं और नजाकत के लोग आज भी दीवाने हैं। रेखा ने कई दशक तक बॉलीवुड पर राज किया। इंस्टाग्राम पर वायरल वीडियो में ब्लैक टॉप पहने लड़की शीशे के किनारे खड़ी है। वीडियो के आरंभ में अभिनेत्री रेखा की पिक लगी है। आगे के दृश्यों में लड़की रेखा जैसी ही नजर आ रही है। वीडियो के कैप्शन में लिखा है कि 'किसी ने मुझे कहा है कि मैं रेखा जैसी लगती हूं।' यूजर्स इस पर कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं।

मैं लकी... मैं नहीं...

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और उनके हॉलीवुड सिंगर पति निक जोन्स अक्सर एक-दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आते हैं। इन दोनों का अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आता है। निक और प्रियंका की एक प्यारी सी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। इस फोटो में यह कपल कोजी होते हुए नजर आ रहा है। तस्वीर निक जोन्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। इसमें वह चेयर पर बैठे हैं और उनकी गोद में पत्नी प्रियंका चोपड़ा बैठी नजर आ रही हैं। कपल की इस रोमांटिक केमिस्ट्री पर उनके फैंस रोमांचित हैं और तरह-तरह के चिल करने वाले रिएक्शन दे रहे हैं। निक ने फोटो के साथ कैप्शन लिखा है, 'मैं लकी हूं।' पति की पोस्ट पर कमेंट करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने लिखा है, 'मैं नहीं हूं' और हार्ट आई वाला इमोजी बनाया है।

जॉर्जिना डिसिल्वा को डेट कर रहे आदित्य

बॉलीवुड के चार्मिंग एक्टरों में गिने जाने वाले आदित्य रॉय कपूर, खबर है कि अनन्या पांडे से ब्रेकअप के बाद अपनी नई गर्ल फ्रेंड गोवा की मॉडल और फोटोग्राफर जॉर्जिना डिसिल्वा को डेट कर रहे हैं। आदित्य और अनन्या की लव लाइफ दो साल में ही टूट गई थी। आदित्य की हाल ही में अनुराग बसु निर्देशित फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' रिलीज हुई है। इसमें वह अभिनेत्री सारा अली खान के साथ नजर आए हैं। दर्शकों ने इस फ्रेश रोमांटिक जोड़ी को पसंद भी किया है। जार्जिना डिसिल्वा इंग्लिश और गोवा (भारतीय) मूल से हैं। उनका पालन पोषण इंग्लैंड में हुआ है। वर्तमान में गोवा में रहती हैं और टैलेंटेड मॉडल तथा फ्रीलांस फोटोग्राफर को रूप में सुर्खियां बटोरती रहती हैं। मॉडलिंग में जार्जिया का बेहद सिजलिंग लुक नजर आता है। उनके अंदाज भी कमाल के ग्लैमर भरे होते हैं। जार्जिना ने सैलफोर्ड यूनिवर्सिटी से फैशन इमेज मेकिंग और स्टाइलिंग में ग्रेजुएशन करने के बाद कई अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स और पब्लिकेशन्स के साथ काम किया है। फैशन फोटोग्राफी, फिल्म फोटोग्राफी, आर्ट डायरेक्शन, स्टाइलिंग और मॉडलिंग में क्रिएटिव पहचान रखती हैं। हाल ही में बीच के किनारे बिकनी लुक में उनके फोटो शूट जलवा बिखेर चुके हैं।

आदित्य रॉय कपूर द्वारा अपने इंस्टाग्राम पर एक हॉलिडे की कुछ फोटो और वीडियो पोस्ट किए जाने के बाद लोगों ने उनके और जार्जिना के बीच नजदीकियों का खुलासा किया था। जॉर्जिना और आदित्य इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को न सिर्फ फॉलो करते हैं, बल्कि एक-दूसरे की पोस्ट्स पर कमेंट या रिएक्शन भी देते हैं।

रिश्तों के भी रूप बदलते हैं, नए-नए सांचे में ढलते हैं...

साल 2000 में आए दर्शकों का पसंदीदा शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की स्टार प्लस चैनल पर वापसी हो चुकी है। पहले सीजन में 1833 सफल एपिसोड के बाद अब इस धारावाहिक के दूसरे सीजन में 25 साल बाद कलाकार से नेता बनीं स्मृति ईरानी फिर से 'तुलसी' के किरदार में दर्शकों का दिल जीतने उतरी हैं। धारावाहिक में तुलसी (स्मृति ईरानी) और मिहिर (अमर उपाध्याय) की वेडिंग एनिवर्सरी का सेलिब्रेशन दिल को छूने वाला रहा। सीजन -2 में एकता कपूर ने पुरानी और नई दोनों पीढ़ी को शो से जोड़ने की कोशिश की है। इसके चलते 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का पहला एपिसोड 'रिश्तों के भी रूप बदलते हैं, नए-नए सांचे में ढलते हैं...' थीम सॉन्ग के साथ पुरानी यादों को ताजा करने वाला रहा। मिहिर जो पहले आदर्श बेटा था, अब आदर्श पति और पिता है। तुलसी की जिंदगी में भी कई बदलाव आए हैं, लेकिन उसने अपने संस्कार बचाए रखने के साथ विरानी परिवार को जोड़े रखा है। अब भी वह परिवार को एकजुट रखने और बिखरने से बचाने की कोशिश में लगी हैं। पहले शो में तुलसी विरानी (स्मृति), बा (सुधा शिवपुरी) और सास सविता विरानी (अपरा मेहता) को श्रद्धांजलि देती हैं। इसके बाद दर्शकों को शांति निकेतन में पुरानी रौनक नजर आती है। पूरा घर तुलसी और मिहिर की 38 वीं वेडिंग एनिवर्सरी की तैयारी में जुटा दिखा। लेकिन मिहिर इस खास दिन को भूल जाता है। लेकिन ट्विस्ट यह है कि मिहिर, तुलसी को एनिवर्सरी पर गिफ्ट में कार देता है, तब पता चलता है कि मिहिर ने तुलसी को सरप्राइज देने के लिए एनिवर्सरी भूलने का नाटक किया था। पहले एपिसोड में पता चला कि करण (हितेन तेजवानी), शोभा (रितु चौधरी) और हेमंत (शक्ति आनंद) अब शांति निकेतन में नहीं रहते हैं। हेमंत अब वकील बन चुका है, और दिल्ली में रहता है। दक्षा चाची (केतकी दवे) सोशल मीडिया की दीवानी हैं। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन से अगर कई पुराने चेहरे गायब हैं, तो कुछ नए चेहरे जुड़े हैं। एपिसोड में अंगद (रोहन सुचांती), परी (शगुना शर्मा), ऋतिक (अमन गांधी) की छोटी सी झलक दिखाई दी है, लेकिन इनके किरदार आने वाले समय में अहम रोल अदा करेंगे, इसका इशारा भी मिलता है।

पुरानी डायरी जैसा, जिसमें आंसू मुस्कुराहट, सांसें, सब कुछ ताजा

छोटे पर्दे पर 'अनुपमा', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' और 'झंकार' के बाद 'क्योंकि सास भी बहू' के साथ क्या टेलीविजन का पुराना सुनहरा दौर वापस आ गया है, इस सवाल के जवाब में दर्शकों का कहना है कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ने एक पीढ़ी को जन्म दिया है। इसे देखना पुरानी डायरी खोलने जैसा है। आंसू, मुस्कुराहट, सांसें, इसमें सब कुछ अभी भी ताजा है। इसकी कहानी पुरानी शराब की तरह और बेहतर हो गई है। कुछ चीज़ें पुरानी नहीं होतीं, कई बार वे लीजेंड जैसी बन जाती हैं।

तेलुगु सुपर स्टार नागार्जुन
रईसी में नंबर 1

तेलुगु सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी इस समय कुली फिल्म के साथ अपनी दौलत को लेकर चर्चा में हैं। अगले माह वह निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म 'कुली' में नजर आएंगे। इस फिल्म में दक्षिण भारत के ग्रेट एक्टर रजनीकांत लीड रोल में हैं। नागार्जुन जैसा ही रोल फिल्म में आमिर खान का भी बताया जा रहा है। इसे लेकर नागार्जुन का कहना है कि 'वह और आमिर फिल्म के दो अलग-अलग हिस्से हैं। हम दोनों फिल्म के दो अलग-अलग अध्याय जैसे हैं।'

1986 में साउथ फिल्म इंडस्ट्री में फिल्म 'विक्रम' से डेब्यू करने वाले नागार्जुन ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। बॉलीवुड में उनका सफर 1990 में फिल्म 'शिवा' से शुरू हुआ था। हाल में उनकी फिल्म 'कुबेरा' को हिंदी भाषा में भी रिलीज किया जाना है। इस फिल्म में उनके अलावा धनुष और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। इससे पहले नागार्जुन को रणबीर कपूर की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में देखा गया था। अमिताभ बच्चन और श्रीदेवी की फिल्म 'खुदा गवाह' में उनका महत्वपूर्ण किरदार था। इस फिल्म में वे इंस्पेक्टर के रोल में थे। नागार्जुन ने अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर के अपोजिट 'द्रोही' फिल्म में लीड रोल किया था, तो अनिल कपूर की फिल्म 'मिस्टर बेचारा' में सपोर्टिंग रोल में थे। 'क्रिमिनल', 'जख्म', 'अंगारे', 'अग्निवर्षा' और 'एलओसी कारगिल' जैसी फिल्मों में भी नागार्जुन नजर आए थे।

'अजेय: योगी की अनकही कहानी'

बाबा आते नहीं प्रकट होते हैं...

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित फिल्म 'अजेयः योगी की अनकही कहानी' का टीजर देखकर उत्साहित दर्शकों का इंतजार बढ़ गया है। फिल्म पहली अगस्त को रिलीज नहीं हो पाई। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने फिल्म को सर्टिफिकेट नहीं दिया है। मामला अब बॉम्बे हाईकोर्ट में है। शांतनु गुप्ता लिखित पुस्तक 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' से प्रेरित इस फिल्म में अभिनेता अनंत जोशी और परेश रावल केंद्रीय भूमिका में हैं। अनंत जोशी ने योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाई है, तो परेश रावल उनके गुरु महंत अवैद्यनाथ के रोल में हैं। दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, राजेश खट्टर और गरिमा सिंह ने भी फिल्म में अहम भूमिका निभाई है।

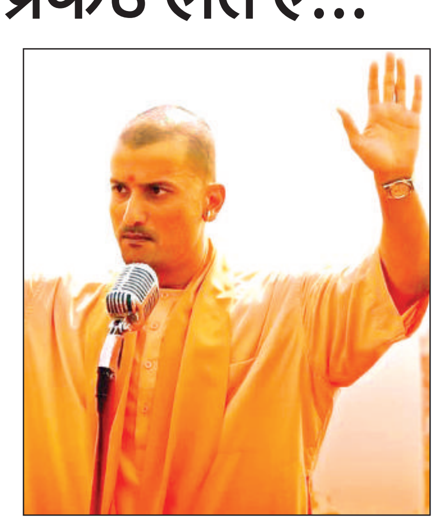

ड्रामा, इमोशन, एक्शन और बलिदान का दिलचस्प संगम

- निर्देशक रवींद्र गौतम ने इस फिल्म में ड्रामा, इमोशन, एक्शन और बलिदान का रोमांचक संगम पिरोया है। फिल्म मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बचपन से लेकर उत्तर प्रदेश का नेतृत्व करने तक के सफर में उनके जीवन के सभी पहलुओं को समेटती है। नाथपंथी योगी के रूप में संन्यास, सामाजिक कल्याण तथा प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने वाले नेता के रूप में योगी की यात्रा को आगे बढ़ाती है। फिल्म के टीजर में भी दिखाया गया था कि कैसे एक व्यक्ति ने संन्यासी होते हुए भी राजनीति में सफलता हासिल की। भ्रष्टाचार के खिलाफ उसका संघर्ष और माफिया वर्चस्व के खिलाफ लड़ाई दिलचस्प है। फिल्म का एंथम सॉन्ग 'बाबा बैठ गया... पहले ही रिलीज किया जा चुका है। इस ट्रैक के दो वर्जन हैं, जिसमें एक रोमी और दूसरा दिनेश लाल यादव निरहुआ ने गाया है। अन्य गीतों को सोनू निगम, बी प्राक और मीका सिंह ने स्वर दिया है। सम्राट सिनेमैटिक्स बैनर के तहत बनी इस फिल्म में संगीत मीत ब्रदर्स ने दिया है, और गीत कुमार ने लिखे हैं।

अनंत जोशी ने रोल के लिए सबसे पहले सिर मुंडवाया था

- अनंत जोशी ने इस फिल्म के लिए गंजा होने का फैसला लिया था, तब उन्होंने कहा था कि 'बालों को खोना या सिर मुंडवाना, केवल एक कॉस्मेटिक बदलाव नहीं है, यह खुद के एक हिस्से को जाने देना है। मुख्यमंत्री योगी के चरित्र की भावना को अपनाने का उनका अपना तरीका है। रोल के लिए यह बलिदान देना ही था, मैं नकली तरीके से सब कुछ नहीं कर सकता था। मुझे योगी बनना था, न कि उनके जैसा अभिनय करके दिखाना था।'

आज ये योगी आप सबके सामने शपथ लेता है...

'अजेय : योगी की अनकही कहानी' के टीजर में एक डायलॉग है जिसमें अनंत कहते हैं, 'बाबा आते नहीं प्रकट होते हैं', इसी तरह एक अन्य डायलॉग है कि 'चाणक्य भी एक योगी थे, भगवान परशुराम भी योगी थे और आज ये योगी आप सबके सामने शपथ लेता है कि इन माफिया को घुटने पर लाकर माफी मंगवाएगा।' फिल्म में परेश रावल का चर्चित डायलॉग है, 'रिश्तों और मर्यादाओं को प्रभु राम और राजनीति को श्रीकृष्ण से समझो।'

चालू सत्र में खरीफ फसलों की बुवाई अधिक होने का अनुमान

कोलकाता। शोध फर्म इक्रा के मुताबिक चालू सत्र में खरीफ फसलों की बुवाई पिछले साल से अधिक हो सकती है। इक्रा ने में कहा कि अनुकूल मानसून, सामान्य बुवाई क्षेत्र के 76% पर खरीफ की बुवाई हो चुकी है और जुलाई 2025 तक इसमें सालाना आधार पर 4% की वृद्धि हो गई। जून-जुलाई के महीनों में बोई जाने वाली खरीफ फसलें मुख्य रूप से मूंग, चावल और मक्का हैं।

बिजीनेस ब्रीफ

एलआईसी को 1,359.92 करोड़ रुपये का हुआ लाभ

मुंबई। होम लोन देने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1,359.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,300.21 करोड़ रुपये से 4.59 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि पहली तिमाही में परिचालन से उसका राजस्व 6.62 प्रतिशत बढ़कर 7,233.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसमें ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 2,065.78 करोड़ रुपये रही। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्रिभुवन अधिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत काफी अच्छी हुई है। आरबीआई की नीतिगत दरों में कटौती को देखते हुये तिमाही के दौरान कंपनी ने ऋण पर ब्याज दरें घटायी हैं।

फेडरल बैंक का मुनाफा 15 प्रतिशत घटा

मुंबई। फेडरल बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 15 प्रतिशत घटकर 862 करोड़ रुपये रह गया। बैंक ने बताया कि मार्जिन में कमी से मुख्य आय प्रभावित हुई और खराब परिसंपत्तियों में बढ़ोतरी के कारण प्रावधान बढ़ गए। बैंक प्रबंधन ने कहा कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ऋण वृद्धि में तेजी और शुद्ध ब्याज मार्जिन में बढ़ोतरी की उम्मीद है। समीक्षाधीन तिमाही में, इसकी मुख्य शुद्ध ब्याज आय केवल दो प्रतिशत बढ़कर 2,337 करोड़ रुपये रही। अन्य आय 22 प्रतिशत बढ़कर 1,113 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। निजी क्षेत्र के बैंक ने जून तिमाही में नौ प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की, लेकिन शुद्ध ब्याज दर (एनआईएम) घटकर 2.94 प्रतिशत रह जाने से मुख्य आय वृद्धि पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट के आईपीओ का आकार घटा

नई दिल्ली। सज्जन जिंदल द्वारा प्रवर्तित विविधीकृत जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू सीमेंट सात अगस्त को अपना 3,600 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पेश करने के लिए तैयार है। हालांकि, मसौदे के अनुसार, इस निर्गम का कुल आकार पहले प्रस्तावित 4,000 करोड़ तक के निर्गम से कम है। शुक्रवार को दाखिल आरएचपी के अनुसार, आईपीओ सात अगस्त को सार्वजनिक अभिदान के लिए खुलेगा और 11 अगस्त को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक छह अगस्त को बोली लगा सकेंगे।

जेके लक्ष्मी का मुनाफा 150 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में दोगुने से अधिक वृद्धि के साथ 149.88 करोड़ रहा है। जेके ऑर्गेनाइजेशन की प्रमुख कंपनी जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड (जेकेएलसी) ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अनुषंगी कंपनी उदयपुर सीमेंट वर्क्स का विलय पूरा करने वाली कंपनी ने एक साल पहले अप्रैल-जून की अवधि में 56.68 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया था। जून तिमाही में कंपनी की कुल आय 11.8 प्रतिशत बढ़कर 1,763.14 करोड़ रुपये हो गई।

धान की नई किस्म खरीफ सत्र के लिए तैयार

पणजी। गोवा के कृषि मंत्री रवि नाइक ने कहा कि राज्य की नवीनतम धान किस्म 'गोवा धान-5' 2026 के खरीफ सत्र में बड़े पैमाने पर खेती के लिए तैयार है। धान की यह किस्म लवणता, जलभराव और फसल गिरने के प्रति बेहतर प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करती है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार गोवा धान-5 को पहले की लवण-सहिष्णु किस्मों के प्रदर्शन को आगे बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है।

गूगल के खिलाफ एडीआईएफ की शिकायत हुई स्वीकार

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने व्यापक जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली, एजेंसी

व्यापार नियामक भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) की दायर शिकायत पर ऑनलाइन डिस्प्ले विज्ञापन बाजार में गूगल के आचरण की जांच का आदेश दिया है।

सीसीआई ने अपने आदेश में कहा कि उसने इस शिकायत को ऐसे ही मामलों की जांच के साथ जोड़ने का फैसला किया है और महानिदेशक (डीजी) को शिक्षा प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में गूगल के आचरण की एकीकृत जांच करने का निर्देश दिया है। इसमें आगे कहा गया है, महानिदेशक को ऑनलाइन डिस्प्ले विज्ञापन सेवाओं और/या शिक्षा प्रौद्योगिकी मध्यस्थता सेवाओं में गूगल की विभिन्न कथित प्रक्रियाओं की जांच करने और इस प्रकार, मामलों में एक समेकित जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जाता है।

यह आदेश एडीआईएफ की शिकायत के जवाब में आयोग से आया है, जिसमें आरोप है कि गूगल अपनी विज्ञापन प्रौद्योगिकी स्टैक के विभिन्न स्तरों पर प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रक्रियाओं में लिप्त है। एडीआईएफ ने आरोप लगाया कि गूगल ने अपने कई समूह निकायों के माध्यम से शिक्षा प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी सेवाओं को स्वयं प्राथमिकता देकर प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण किया है, जिसमें इसके प्रकाशक विज्ञापन सर्वर को विज्ञापन एक्सचेंज के साथ जोड़ना व बंडल करना तथा यूट्यूब विज्ञापन इन्वेंट्री तक पहुंच को अपने डिमांड-साइड प्लेटफार्म (डीवी360) के उपयोग से जोड़ना शामिल है।

निर्यात में गिरावट से प्रभावित होगी
वैश्विक और भारतीय जीडीपी

निर्यात किसी भी देश की आर्थिक वृद्धि और वैश्विक सहभागिता का अहम स्तंभ होता है। जब निर्यात में गिरावट आती है, तो न केवल देश की जीडीपी प्रभावित होती है, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन, मुद्रा विनिमय दर, और रोजगार स्तर पर भी गहरा असर पड़ता है। भारत जैसे उभरते बाजार के लिए निर्यात में कमी राजनीतिक दबाव, व्यापारिक रणनीतियों और विदेशी निवेश पर भी असर डाल सकती है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका को देखते हुए, यह गिरावट अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता और घरेलू नीति परिवर्तनों को जन्म दे सकती है।

वैश्विक बाजार पर असर

- **आपूर्ति श्रृंखला:** भारत से टेक्सटाइल, फार्मा, आईटी और इंजीनियरिंग सामान की आपूर्ति में कमी से वैश्विक कंपनियों की निर्भरता प्रभावित होती है।
- **कीमतों में अस्थिरता:** कच्चे माल और तैयार उत्पादों की वैश्विक कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ता है।
- **व्यापार संतुलन बिगड़ना:** विकसित और विकासशील देशों के बीच व्यापार असंतुलन और संरक्षणवाद की प्रवृत्ति बढ़ सकती है।
- **निवेश में अनिश्चितता:** वैश्विक निवेशक भारत को लेकर सतर्क हो सकते हैं, जिससे एफडीआई व पोर्टफोलियो निवेश घट सकता है।

भारतीय बाजार पर असर

- **विनिर्माण क्षेत्र पर चोट:** ऑटो, टेक्सटाइल, रसायन व फार्मा उद्योग में उत्पादन घट सकता है जिससे रोजगार में गिरावट आएगी।
- **रुपये पर दबाव:** निर्यात घटने से डॉलर की आमद कम होगी जिससे रुपया कमजोर हो सकता है।
- **राजकोषीय घाटा बढ़ना:** निर्यात से होने वाली आय कम होने पर सरकार की आय घटेगी और घाटा बढ़ेगा।
- **कृषि क्षेत्र प्रभावित:** एग्रो-प्रोडक्ट्स के निर्यात में गिरावट से किसानों की आमदनी घट सकती है।

राजनीतिक परिदृश्य

- **नीति परिवर्तन का दबाव:** सरकारों पर निर्यात प्रोत्साहन नीतियों (सब्सिडी, टैक्स छूट) लागू करने का दबाव बढ़ेगा।
- **विपक्षी आलोचना:** आर्थिक कमजोरी को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर हो सकता है।
- **कूटनीतिक समझौते:** नए द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यापार समझौतों पर बातचीत तेज हो सकती है।

व्यापारिक परिदृश्य

- **नवाचार और विविधता:** कंपनियां घरेलू बाजार पर अधिक ध्यान देंगी और उत्पाद विविधता बढ़ा सकती हैं।
- **ईज ऑफ डूइंग बिजनेस:** सरकार उद्योगों को सहूलियत देने के लिए नियमों को सरल कर सकती है।
- **डिजिटल निर्यात को बढ़ावा:** ई-कॉमर्स व डिजिटल सेवाओं को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा।

रणनीतिक और वैश्विक संतुलन पर भी प्रभाव

निर्यात में गिरावट केवल आर्थिक संकट नहीं लाती, यह वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित करती है। इससे निपटने को समन्वित नीतियों व दीर्घकालिक सुधारों की जरूरत होती है।

अमेरिका के वित्तीय आंकड़े चिंताजनक

अमेरिकी राष्ट्रपति की नीतियों के प्रभाव अब होते जा रहे स्पष्ट, गत साल की तुलना में वृद्धि दर की गति धीमी

- ट्रंप ने चेतावनियों को नजरअंदाज कर मासिक आंकड़े जारी करने वाली एजेंसी के प्रमुख को किया बर्खास्त

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड अपने देश में 'स्वर्ण युग' लाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन इस सप्ताह आए कमजोर आर्थिक आंकड़े चिंता पैदा कर रहे हैं, क्योंकि उनकी नीतियों के प्रभाव अब स्पष्ट होते जा रहे हैं।

इन आंकड़ों के मुताबिक नौकरियों में वृद्धि कम हो रही है, महंगाई बढ़ रही है और पिछले साल की तुलना में वृद्धि धीमी हो गई है। ट्रंप ने अब तक अपने छह महीने से कुछ ज्यादा कार्यकाल के दौरान शुल्क में बढ़ोतरी की। उनके नए कर एवं व्यय विधेयक ने अमेरिका की व्यापार, विनिर्माण, ऊर्जा और कर प्रणालियों को नया रूप दिया है। वह किसी भी अच्छी खबर का श्रेय लेने के लिए उत्सुक रहते हैं और अगर वित्तीय स्थिति बिगड़ती है तो किसी और को दोष देने की कोशिश करते हैं। फिलहाल अमेरिकी अर्थव्यवस्था उस तेजी से नहीं बढ़ रही, जिसका रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने वादा किया था।

शुक्रवार की रोजगार रिपोर्ट बेहद निराशाजनक थी, लेकिन ट्रंप ने आंकड़ों में दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया और मासिक रोजगार के आंकड़े जारी करने वाली एजेंसी के प्रमुख को बर्खास्त कर दिया।

ट्रंप की आर्थिक नीतियां राजनीतिक जुआ

जानकार मान रहे हैं कि ट्रंप की आर्थिक नीतियां एक राजनीतिक जुआ हैं, अगर वह मध्य वर्ग की समृद्धि सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं, तो शुल्क, खर्च में कटौती और कर संहिता में बदलावों जैसे उपाय एक बड़ा राजनीतिक दायित्व बन सकते हैं। फायरहाउस स्ट्रैटेजीज के रिपब्लिकन रणनीतिकार एलेक्स कॉनेंट ने कहा, ''हालांकि हम ट्रंप के कार्यकाल की शुरुआत में ही हैं, लेकिन उनका अर्थव्यवस्था पर प्रभाव असामान्य रूप से बहुत ज्यादा है।'' उन्होंने कहा कि शुल्कों का महंगाई पर पूरा प्रभाव 2026 तक महसूस होगा। दुर्भाग्य से रिपब्लिकन के लिए यह चुनावी वर्ष भी है। एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स ने जुलाई में एक सर्वेक्षण किया, जिसमें केवल 38 प्रतिशत वयस्क ही ट्रंप के अर्थव्यवस्था प्रबंधन से सहमत थे। यह संख्या ट्रंप के पहले कार्यकाल के अंत से कम है, जब आधे वयस्कों ने उनके आर्थिक नेतृत्व को स्वीकार किया था।

अमेरिकी शुल्क एशियाई समकक्षों की तुलना में भारतीय वाहन, टायर उद्योगों के प्रति अधिक पक्षपाती : इक्रा

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शनिवार को कहा कि भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क घरेलू वाहन कलपुर्जा उद्योग और टायर विनिर्माताओं को जापान, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे एशियाई समकक्षों की तुलना में प्रतिकूल स्थिति में डाल देता है, जहां शुल्क कम है। अमेरिकी प्रशासन ने 7 अगस्त से भारत से आने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसमें कहा गया, भारतीय आयात पर अमेरिका द्वारा 25 प्रतिशत शुल्क लगाने से भारत के वाहन और टायर उद्योग में चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि दोनों ही उद्योग अमेरिकी बाजार में पर्याप्त निर्यात जोखिम रखते हैं। इक्रा ने कहा कि भारत के वाहन कलपुर्जा निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत और टायर निर्यात में 17 प्रतिशत है, इसलिए शुल्क में बढ़ोतरी से भारतीय विनिर्माताओं को जापान, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे एशियाई समकक्षों की तुलना में नुकसान होगा, जहां कम या तरजीही शुल्क लागू हैं। इसमें कहा गया है कि खासकर ऑफ-हाइवे और सिर्फ टायर खंड में, और विभिन्न वाहन कलपुर्जा में शुल्क में बढ़ोतरी से भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है। हालांकि, पहले भारतीय टायर निर्यातकों को चीनी प्रतिस्पर्धियों पर मामूली बढ़त हासिल थी, लेकिन अब अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों को दी जाने वाली कम शुल्क दरों से यह बढ़त कम हो सकती है। वाहन कलपुर्जा निर्यातकों, विशेष रूप से अमेरिकी बाजार पर अत्यधिक निर्भर निर्यातकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने भौगोलिक क्षेत्रों में विविधता लाएं और लागत दक्षता में सुधार करके इस प्रभाव को कम करें। वाहन कलपुर्जा उद्योग ने गत वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 80.2 अरब डॉलर (6.73 लाख करोड़ रुपये) का कारोबार किया, जो 2023-24 की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

शहर के निर्यातकों के 500 करोड़ के ऑर्डर होल्ड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ट्रंप के टैरिफ का असर निर्यात बाजार पर लगा पड़ने

अमृत विचार। ट्रंप के टैरिफ का असर निर्यात बाजार पर पड़ने लगा है। शहर के निर्यातकों के लगभग 500 करोड़ रुपये के ऑर्डर होल्ड हो गए हैं। ये वे ऑर्डर हैं जिनमें फिलहाल क्रेता और विक्रेता के बीच बातचीत चल रही थी। निर्यात विशेषज्ञों का कहना है कि अंतिम दौर की बातचीत के बाद ऑर्डर होल्ड होना शहर के निर्यात बाजार के लिए चिंताजनक है। माना जा रहा है कि यह स्थिति फिलहाल महीनेभर तक बनी रह सकती है।

शहर से अमेरिकी बाजार में लगभग 2500 करोड़ का निर्यात होता है। इनमें सबसे अधिक चमड़ा उद्योग से जुड़ा कारोबार है। यह लगभग 1200 करोड़ के आस-पास है। टैरिफ ऐलान के बाद ऐसे निर्यातक जिनके सैंपल फाइनल होने के बाद की बातचीत चल रही थी, उन बातचीत और ऑर्डर को होल्ड कर दिया गया है। निर्यात कारोबार से जुड़े विशेषज्ञों ने यह बताया कि इसकी वजह टैरिफ के ऐलान के बाद असमंजस की बनी स्थिति है। माना जा रहा है कि स्थिति के सुधरने या स्पष्ट होने के बाद ही इन रुके हुए ऑर्डर पर दोबारा से क्रेता-विक्रेता टेबल पर आ सकते हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि टैरिफ के ऐलान से शहर में सबसे अधिक चमड़ा निर्यातकों को नुकसान पहुंच रहा है। इसके अलावा इंजीनियरिंग गुड्स, टेक्सटाइल, लग्जरी आइटम, लेदर ट्रवाय, लेदर एसेसरीज व एग्रो के ऑर्डर सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे ऑर्डर जो होल्ड के प्रोसेस में हैं उनमें सभी ऑर्डर भविष्य में मिलना मुश्किल है। होल्ड हुए ऑर्डर में 20 फीसदी निर्यातकों के हाथों से फिसल सकते हैं। कारोबारियों का मानना है कि कारोबार को पटरी पर आने में लगभग चार से पांच हफ्ते का समय लग सकता है।

भारत साइबर सुरक्षा में निभा रहा अग्रणी भूमिका

- एक्सेल के पार्टनर प्रयांक स्वरूप बोले- भारत में 1,400 से ज्यादा साइबर सुरक्षा स्टार्टअप

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्सेल के पार्टनर प्रयांक स्वरूप का कहना है कि भारत साइबर सुरक्षा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और मौजूदा वक्त वैश्विक सुरक्षा कंपनियों की अगली पीढ़ी को परिभाषित कर सकता है। बेंगलुरु में एक्सेल के साइबर सुरक्षा शिखर सम्मेलन में स्वरूप ने भारतीय संस्थापकों से इस संबंध में कार्रवाई करने का स्पष्ट आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत में 1,400 से ज्यादा साइबर सुरक्षा स्टार्टअप हैं, लेकिन केवल 235 को ही वित्तपोषण मिला है और केवल छह ही सार्वजनिक हुए हैं। हम अभी शुरुआत ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर, यह अगले तीन वर्षों में 377 अरब डॉलर का अवसर है। भारतीय संस्थापकों के पास इस दिशा में निर्माण करने का एक वास्तविक मौका है। एक्सेल ने क्राउडस्ट्राइक के शुरुआती निवेशकों में से एक है। क्राउडस्ट्राइक का मूल्यांकन अब 116 अरब डॉलर से अधिक है।

जेन-एआई अगली लहर करेगी परिभाषित

स्वरूप ने कहा कि हमने क्राउडस्ट्राइक का तब समर्थन किया था जब इसका राजस्व 50 लाख डॉलर से कम था। इसके आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले हमने तीन दौर का नेतृत्व किया था। महान साइबर सुरक्षा कंपनियों को समय लगता है, लेकिन जब वे स्थापित होती हैं, तो वे उद्योग को नया रूप देती हैं। स्वरूप का मानना है कि जेन-एआई (सृजन से जुड़ी कृत्रिम मेधा) अगली लहर को परिभाषित करेगी। उन्होंने कहा, "एआई रणनीति को नए सिरे से लिख रहा है। यह पहचान को धुंधला कर रहा है, सोशल इंजीनियरिंग को बढ़ा रहा है। यह कोई क्रमिक बदलाव नहीं है। यह आधारभूत बदलाव है।

उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित के लिए केंद्र कर रहा प्रयासः चौहान

पटना, एजेंसी

- केंद्रीय कृषि मंत्री ने फसल नुकसान की भरपाई को संचालित योजनाओं पर दिया जोर

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है।

चौहान ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि देश के किसानों का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। कृषि मंत्री के रूप में किसानों की सेवा करना मेरे लिए ईश्वर की पूजा के समान है। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा। उन्होंने प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना जैसी पहल के माध्यम से, विशेष रूप से कम उपज वाले क्षेत्रों में, प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया। चौहान ने किसानों को उर्वरकों और कीटनाशकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता का आश्वासन भी दिया तथा फसल नुकसान की भरपाई के लिए विभिन्न योजनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''कृषि क्षेत्र में अनुसंधान की दिशा अब दिल्ली से नहीं, बल्कि गांवों और किसानों के खेतों से तय होगी। हमारे प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता खेती को और अधिक लाभदायक बनाने की है।

कम आवक और मजबूत मांग से सोयाबीन तिलहन के दाम में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार में आवक की कमी और मांग बढ़ने से शनिवार को घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सोयाबीन तिलहन कीमतों में सुधार देखने को मिला। जबकि अधिक दाम पर मांग प्रभावित होने से सरसों तेल-तिलहन के साथ साथ सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल में गिरावट दर्ज हुई। मूंगफली तेल-तिलहन के भाव अपरिवर्तित बने रहे।

बाजार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन के डी-आयल्ड केक (डीओसी) की स्थानीय मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के दाम मजबूत बंद हुए। इससे किसानों को जो सोयाबीन बेचने में भारी नुकसान था, वह काफी कम हुआ है क्योंकि सोयाबीन के भाव अभी भी अपने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 5-6 प्रतिशत नीचे ही है। यह वृद्धि अगर सोयाबीन की बिजाई से पहले होती तो सोयाबीन खेती का रकबा और बढ़ सकता था। दूसरी ओर, रात शिकागो एक्सचेंज के एक प्रतिशत से अधिक टूटने के कारण आज सोयाबीन तेलों के दाम में गिरावट आई।

ऊंचे भाव से सरसों की मांग प्रभावित

सूत्रों ने कहा कि सरकार के पास भी सरसों का स्टॉक है। लेकिन ऊंचे भाव होने की वजह से इसकी मांग प्रभावित हो रही है। आयातित तेलों के मुकाबले तो यह लगभग 40 रुपये किलो तक महंगा बैठता है। इस कारण सरसों तेल-तिलहन में गिरावट है। उन्होंने कहा कि मलेशिया बंद होने तथा कल रात शिकागो एक्सचेंज के टूटने के बीच सीपीओ एवं पामोलीन तेल कीमतों में भी गिरावट आई। जबकि बेहद सुस्त कारोबार के बीच बिनौला तेल के दाम में हानि के बीच बंद हुए। सामान्य कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम अपरिवर्तित बने रहे।

व्यापार विस्तार

दिल्ली बना चावल का हब, राइस मिलर्स ने बनाए गोदाम, बरेली सहित अन्य स्थानों को होती है यहीं से आपूर्ति

हरियाणा पंजाब के बासमती चावल से महक रही रसोई

- पंजाब, हरियाणा, करनाल समेत अन्य राज्यों से आता है चावल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार। चावल के कारोबार की बात करें तो बरेली मंडल का नाम तुरंत सामने आता है। मंडल के पीलीभीत और शाहजहांपुर समेत अन्य जिलों में चावल की पैदावार काफी होती है, लेकिन रसोई को महकाने का ताज लंबे समय से दिल्ली के सिर ही सज रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि बासमती चावल की आपूर्ति बरेली मंडल सहित अन्य स्थानों के लिए दिल्ली से ही होती है। कारोबारियों के अनुसार बासमती चावल की पैदावार हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और करनाल समेत अन्य जगहों में सबसे अधिक होती है। इन राज्यों के राइस मिलर्स ने दिल्ली में अपने गोदाम बनाए हैं, जहां से उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में सप्लाई हो रही है। हर माह सात से 10 हजार क्विंटल की मांग जिले में बासमती चावल की है।

सालाना 200 से 300 करोड़ का कारोबार

चावल कारोबारी संदीप कुमार अग्रवाल के अनुसार मोटे और शरबती चावल की तुलना में बासमती की मांग कम है लेकिन सहालग के दौरान इसकी मांग 10 फीसदी अचानक बढ़ती है। जिले में बासमती चावल के कारोबारियों की संख्या 50 से 60 है। यहां हर माह 7 से 10 हजार क्विंटल की सप्लाई हो रही है। वहीं हर साल 200 से 300 करोड़ का कारोबार बासमती का हो रहा है।

8-9 प्रकार के बासमती चावल बाजार में उपलब्ध

कारोबारी संजय ने बताया कि 8 से 9 प्रकार के बासमती चावल बाजार में उपलब्ध हैं। इनमें 1401, 11/21, रेशम, दूनमलाई और हिलवीन समेत अन्य शामिल हैं। इनके मूल्य भी इनके प्रकार के आधार पर निर्धारित हैं, हालांकि बासमती चावल के मूल्य 80 रुपये प्रति किलो से शुरू होकर 150 रुपये प्रति किलो तक हैं। लोग 11/21 चावल की मांग अधिक करते हैं जो कि कई प्रकार के ब्रांड के नाम से बाजार में मौजूद है।

शरबती-मंसूरी का उत्पादन मंडल में बहुतायत

चावल कारोबारी वीरेंद्र ने बताया कि मोटे, शरबती और मंसूरी चावल का उत्पादन मंडल में बहुतायत में होता है। हर साल पैदावार भी बढ़ रही है, लेकिन बासमती चावल का उत्पादन पीलीभीत, शाहजहांपुर समेत अन्य जिलों में ही होता है। यहां की मिट्टी रेतीली होने के कारण बासमती की पैदावार नाम मात्र के लिए ही होती है। जिसके चलते इसकी आपूर्ति बाहरी राज्यों से की जा रही है।

सुना है भारत अब रूस से तेल नहीं लेगा...अच्छा कदम है: ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- उन्हें इस बारे में फिलहाल ठोस जानकारी नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उन्होंने सुना है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा जो एक अच्छा कदम है। ट्रंप ने साथ ही कहा कि उन्हें इस बारे में हालांकि कोई ठोस जानकारी नहीं है।

ट्रंप ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, मुझे पता चला है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। मैंने यही सुना है। मुझे नहीं पता कि यह बात सही है या गलत, लेकिन यह एक अच्छा कदम है। देखते हैं क्या होता है।

ट्रंप की यह टिप्पणी व्हाइट हाउस की ओर से लगभग 70 देशों के निर्यात पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्क की घोषणा के एक दिन बाद आई है। शासकीय आदेश के अनुसार भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा। हालांकि रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीद को लेकर घोषित अतिरिक्त जुर्माने का इस आदेश में जिक्र नहीं है।

वहीं, नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने ट्रंप की आलोचना या उच्च शुल्क पर सीधी टिप्पणी करने से परहेज करते हुए कहा, भारत और अमेरिका की साझेदारी समय-समय पर कई बदलावों एवं चुनौतियों से गुजरी है। हम अपनी द्विपक्षीय प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत और अमेरिका के बीच साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों से लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। भारत-रूस ऊर्जा संबंधों पर कहा, हम अपनी ऊर्जा जरूरतों को वैश्विक परिस्थितियों और बाजार में उपलब्ध विकल्पों के आधार पर तय करते हैं।

अहम पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को

ऐसे चुने जाते हैं उपराष्ट्रपति

देश में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दो सबसे अहम संवैधानिक पद हैं। इन दोनों पदों के लिए चुनाव देश की जनता सीधे न कर अप्रत्यक्ष तरीके से करती है। यानी इसका चुनाव जनता की बजाय उनके द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि करते हैं। लेकिन अंतर यह है कि राष्ट्रपति के चुनाव में सांसदों और राज्यों के विधानमंडलों के सदस्य भी वोट करते हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में सिर्फ सांसदों को ही वोटिंग का अधिकार होता है। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव अधिकारी की भूमिका संसद के दोनों सदनों में किसी एक सदन के महासचिव बारी-बारी से निभाते हैं। इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को होगा। 21 अगस्त तक उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन भरे जाएंगे। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया था।

चुनाव की यह है प्रक्रिया

उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार को कम-से-कम 20 सांसद बतौर प्रस्तावक और 20 सांसद बतौर समर्थक दिखाना होता है। ये शर्तें पूरी होने पर ही वह नामांकन कर सकता है। इसके अलावा यह भी अहम है कि इस पद के लिए चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति को संसद के किसी भी सदन का सदस्य नहीं होना चाहिए। इसलिए अगर कोई सांसद इसके लिए चुनाव लड़ना चाहता है तो सबसे पहले उसे संसद की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा।

यह होनी चाहिए योग्यता

- भारत का नागरिक होना चाहिए, 35 वर्ष की आयु पूरी होनी चाहिए।
- केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकरण या किसी अन्य सार्वजनिक प्राधिकरण के अधीन लाभ का कोई पद धारण नहीं करना चाहिए।
- राज्यसभा के सदस्य के रूप में चुनाव के लिये योग्य होना चाहिए।

उम्मीदवारों को देने पड़ते हैं नंबर

वोट करने वाले व्यक्ति को अपनी पसंद के मुताबिक चुनाव में खड़े उम्मीवारों को प्राथमिकता के आधार पर नंबर देना होता है। यानी अगर दो उम्मीदवार हैं तो उसे एक और दो नंबर पर उम्मीदवार की प्राथमिकता बतानी होगी। ऐसे ही अगर तीन हैं तो उसे तीनों को प्राथमिकता के आधार पर तय करना होगा। दोनों सदनों में सदस्यों की संख्या कुल 788 (लोकसभा-543 + राज्यसभा-245) है। इस पद्धति को सिंगल वोट ट्रांसफरेबल सिस्टम कहा जाता है।

आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति से चुनाव

उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पूरा होने के 60 दिनों के भीतर चुनाव होना जरूरी है। उपराष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचक मंडल यानी इलेक्टोरल कॉलेज के जरिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के जरिए होता है। इसमें संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के सांसद वोट डालते हैं।

फार्मूले से तय होता है कोटा

कुल पड़ने वाले वोटों को जोड़कर उसे दो से भाग दिया जाता है। जो अंक निकलकर आता है, उसमें एक जोड़ दिया जाता है। इस संख्या को कोटा कहा जाता है। जीतने वाले प्रत्याशी को कम-से-कम कोटा जितने वोट हासिल करना जरूरी होता है। वोट की गिनती के लिए सबसे पहले पहली प्राथमिकता के आधार वाले वोटों की गिनती होती है। अगर पहली प्राथमिकता के आधार पर कोई उम्मीदवार कोटा जितना या उससे ज्यादा वोट पा लेता है तो उसे जीता हुआ मान लिया जाता है।

विवाद होने पर सुप्रीम कोर्ट करता है फैसला

अगर वह कोटा तक पहुंचने में सफल रहता है तो उसे विजयी मान लिया जाता है, वरना यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है, जब तक कोई एक उम्मीदवार निर्धारित कोटे को हासिल नहीं कर लेता। उपराष्ट्रपति चुनाव में किसी भी मामले के उलझने या विवाद सामने आने पर अनुच्छेद-71 के मुताबिक, फैसले का अधिकार केवल देश की सुप्रीम कोर्ट को है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईडी ने प्रबंध निदेशक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। ईडी ने व्यापारिक समूहों के लिए फर्जी बैंक गारंटी जारी करने वाला गिरोह संचालित करने के आरोप में ओडिशा की एक कंपनी के प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने रिलायंस समूह की एक कंपनी के लिए 68 करोड़ रुपये की गारंटी भी दी थी।

16 से जनता के लिए खुलेगा अमृत उद्यान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन स्थित प्रसिद्ध अमृत उद्यान 16 अगस्त से 14 सितंबर तक जनता के लिए खुला रहेगा। राष्ट्रपति कार्यालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस अवधि के दौरान, उद्यान प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक खुला रहेगा और अंतिम प्रवेश शाम सवा पांच बजे होगा। यह सोमवार को बंद रहेगा।

गाजा में इजराइली गोलीबारी में 18 की मौत

दीर अल-बलाह। गाजा में शनिवार को इजराइल की ओर से की गई गोलीबारी में 18 लोगों की मौत हो गई। गाजा मानवतावादी फाउंडेशन के वितरण स्थल के निकट याहिया युसूफ नामक व्यक्ति शनिवार सुबह सहायता सामग्री लेने आए थे। उन्होंने इस भयावह दृश्य का वर्णन किया।

अमेरिका में आठ नए भारतीय दूतावास शुरू

न्यूयॉर्क/एडिसन। भारत ने अमेरिका में आठ नए वाणिज्य दूतावास केंद्र खोले हैं। इस कदम से वीजा, पासपोर्ट और अन्य सेवाएं सुलभ होंगी। भारत के अमेरिकी राजदूत विनय क्वात्रा ने शुक्रवार को बोस्टन, कोलंबस, डलास, डेट्रॉइट, एडिसन, ऑरलैंडो, रैले और सैन जोस में नए वाणिज्य दूतावास केंद्रों का वर्चुअली उद्घाटन किया।

अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी रैकेट का किया भंडाफोड़

एसएसबी ने 7 लड़कियों को छुड़ाया, हांगकांग ले जाया जा रहा था

सिलीगुड़ी, एजेंसी

भारत की नेपाल और भूटान से सटी सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके पास से सात नेपाली लड़कियों को छुड़ाया। आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि इनमें से ज्यादातर 20 साल की उम्र के आसपास की हैं, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। इन लड़कियों को हांगकांग ले जाया जा रहा था।

उन्होंने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर एसएसबी के जवानों ने शुक्रवार शाम भारत-नेपाल सीमा पर पानीटंकी इलाके में जाल बिछाया। थोड़ी देर पीछा करने के बाद एक वाहन को रोका गया और नेपाल निवासी जापान गुरुंग उर्फ दादा और पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के दीपेश गुरुंग को गिरफ्तार किया गया। वाहन से एक नाबालिग सहित सात लड़कियों को उनके चंगुल से छुडाया गया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लड़कियों को नेपाल के संखुवासभा जिले के उनके गांवों से हांगकांग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनके माता-पिता की सहमति से बहला-फुसलाकर लाया गया था। उन्हें कुछ महीनों के लिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में रखा गया जहां उनकी विदेश यात्रा के लिए आधार कार्ड और पासपोर्ट जैसे जाली भारतीय पहचान पत्र तैयार किए गए। मानव तस्करों के चंगुल से छुडायी गयी सभी लड़कियाँ कथित तौर पर नेपाल के एक ही जिले की हैं। दोनों आरोपियों से पूछताछ में तस्करी के नेटवर्क के तौर-तरीकों का खुलासा हुआ। तस्कर आमतौर पर गरीब और मासूम गांव की लड़कियों को विदेश में आकर्षक नौकरी दिलाने का झूठा वादा करके उन्हें अपने जाल में फंसाते हैं।

माता-पिता से बेटियों के बेहतर भविष्य का वादा कर पूरी प्रक्रिया के लिए तस्कर लेते थे 3 लाख

एक जांच अधिकारी ने खुलासा किया, पूरी प्रक्रिया के लिए तस्कर प्रत्येक लड़की से लगभग तीन लाख लेते हैं। मौजूदा मामले में सभी सात लड़कियों को हांगकांग ले जाने से पहले भारतीय पहचान पत्र बनवाने के लिए सिलीगुड़ी लाया गया था। आरोपी जापान गुरुंग ने कथित तौर पर लड़कियों के माता-पिता से हांगकांग में उनकी बेटियों के बेहतर भविष्य का वादा किया था। उसने प्रत्येक परिवार से एक लाख नेपाली रुपये की अग्रिम राशि ली थी। गुरुंग ने पहले भी कई मौकों पर लड़कियों की तस्करी करने की बात स्वीकार की और दावा किया कि हांगकांग में रहने वाला उसका बेटा विदेश में रसद का समन्वय करता है। एसएसबी ने कहा, उसके मोबाइल फोन से कई लड़कियों की तस्वीरें, वीडियो और नकली दस्तावेज मिले हैं। गुरुंग के बारे में यह भी कहा जा रहा है कि वह पानीटंकी के रतन बर्मन के संपर्क में है, जो फर्जी पहचान पत्र तैयार करने में मदद करता है।

जेल से छूटने के बाद पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने कहा- ईडी ने सुनियोजित तरीके से दी थी यातना

मोदी, योगी-भागवत को केस में फंसाने की थी साजिश, नाम न लेने पर मुझे टॉर्चर किया

मुंबई, एजेंसी

- मालेगांव विस्फोट केस में बरी होने के बाद चौंकाने वाले खुलासे किए

पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने वर्ष 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में बरी होने के बाद शनिवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हिरासत के दौरान उन्हें सुनियोजित तरीके से यातना देने तथा राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

ठाकुर ने जांच के दबाव की रणनीति के बारे में चौंकाने वाले खुलासे किए, जिसमें दावा किया गया कि अधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, आरएसएस नेता मोहन भागवत और भाजपा नेताओं राम माधव और इंद्रेश कुमार सहित प्रमुख राजनीतिक हस्तियों को फंसाने के लिए झूठे बयान दर्ज कराने का प्रयास किया। उन्होंने कहा मुझसे कहा गया था कि अगर मैंने इन लोगों पर झूठा आरोप लगाया तो वे यातना देना बंद कर देंगे। ठाकुर मुंबई कोर्ट में 50,000 का जमानत बांड दाखिल करने के लिए उपस्थित हुईं।

इस अवसर पर न्यायालय के बाहर ठाकुर ने संवाददाताओं से बातचीत में अपने बरी होने को हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ ही इसे भगवा, धर्म, सनातन धर्म और हिंदुत्व की जीत बताया। उन्होंने हिरासत अवधि का विस्तृत विवरण दिया और विशेष रूप से मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमवीर सिंह पर 'निरंतर शारीरिक शोषण' में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा मैंने जो क्रूरता झेली, उसका वर्णन शब्दों से परे है। भाषा में ऐसी पीड़ा को व्यक्त करने की क्षमता नहीं है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की पहचान करते हुए औपचारिक शिकायत दर्ज कराये जाने की पुष्टि की। ठाकुर ने दिवंगत एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे और अधिकारियों सुखविंदर सिंह की विशेष रूप से आलोचना की तथा उन पर सबूत गढ़ने का आरोप लगाया।

प्रतिबंधित संगठन नहीं है अभिनव भारत : कोर्ट

मुंबई। मालेगांव विस्फोट मामले में सात लोगों को बरी करने वाली एक विशेष अदालत ने अभियोजन पक्ष के इस दावे को खारिज कर दिया कि दक्षिणपंथी चरमपंथी समूह अभिनव भारत ने विस्फोट को अंजाम दिया था। कोर्ट ने कहा कि सरकार ने इस संगठन को आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंधित नहीं किया है। विशेष न्यायाधीश एके लाहोटी ने 1,000 से अधिक पृष्ठ के फैसले में कहा कि महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने जांच निष्कर्षों में दावा किया था कि सभी आरोपी व्यक्ति अभिनव भारत के सदस्य थे, जो एक संगठित आपराधिक गिरोह था। न्यायाधीश ने कहा कि इस संगठन को केंद्र सरकार द्वारा आज तक आतंकवादी संगठन घोषित नहीं किया गया है।

स्पेन से मिला एयरबस सी-295 सैन्य विमान

लंदन। स्पेन स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि भारत को शनिवार को स्पेन से 16 एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमानों में से अंतिम विमान प्राप्त हुआ, जो उसकी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। समकालीन प्रौद्योगिकी से युक्त 5-10 टन क्षमता वाला परिवहन विमान सी-295, भारतीय वायुसेना के पुराने एवरो विमान की जगह लेगा। स्पेन में भारतीय राजदूत दिनेश के पटनायक ने वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सेविले में सैन्य परिवहन विमानों में से अंतिम विमान प्राप्त किया।

कॉस्ट्यूम फॉन्टंका...

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में शनिवार को वार्षिक कॉस्ट्यूम फॉन्टंका एसयूपी-बोर्ड्स उत्सव के दौरान क्रिउकोव चैनल के किनारे स्टैंड-अप पैडल (एसयूपी) बोर्ड चलाते लोग।

डॉ आंबेडकर का सिद्धांत करेगा नई पीढ़ी का मार्गदर्शन : गवई

नागपुर, एजेंसी

- सीजेआई ने नागपुर में हीरक जयंती पर न्याय के दर्शन की स्थायी प्रासंगिकता पर दिया जोर

भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने आज कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर का सामाजिक-आर्थिक समानता और न्याय का दर्शन भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन करेगा।

नागपुर में डॉ. आंबेडकर कॉलेज की हीरक जयंती पर बोलते हुए न्यायमूति गवई ने आंबेडकर के सामाजिक-आर्थिक समानता व न्याय के दर्शन की स्थायी प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश पद तक अपनी यात्रा को आकार देने के लिए बाबा साहेब की विचारधारा व भारतीय संविधान को श्रेय दिया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को सामाजिक प्रगति का एक प्रमुख उपाय बताया और इसे डॉ. आंबेडकर के दृष्टिकोण के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि डॉ. आंबेडकर प्रतिष्ठित व्यक्तियों और महान व्यक्तियों के बीच अंतर करते थे। उन्होंने इस बात पर जो दिया कि सच्ची महानता सामाजिक कल्याण में योगदान देने में निहित है।

ब्रिटेन के परिवारों को डीएनए मिलान पर नई जानकारी का इंतजार

लंदन। अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हुए लंदन जाने वाले एअर इंडिया 171 विमान में सवार रिश्तेदारों के अवशेषों का इंतजार कर रहे ब्रिटिश परिवारों को भारत-ब्रिटेन सरकार की उच्च स्तरीय वार्ता के बाद डीएनए मिलान की पुष्टि की उम्मीद है। उनकी कानूनी टीम ने यह जानकारी दी। कानूनी परामर्श प्रदाता कीस्टोन लॉ, जो 12 जून की दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले अनेक परिवारों की सहायता के लिए विमानन विशेषज्ञों के साथ काम कर रहा है, ने इस सप्ताह इस प्रक्रिया में तेजी लाने का आह्वान किया।

हैदराबाद : हवाई अड्डे पर यात्रियों का स्वागत करते हैं प्यारे से कुत्ते

जीएमआर समूह ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से थेरेपी डॉग प्रोग्राम किया शुरू

हैदराबाद, एजेंसी

- यह अनूठी पहल यात्रा से जुड़ी चिंता को कर सकती है कम

अगली बार जब आप हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर आएं और वहां आपको एक प्यारा सा पिल्ला स्वागत करता नजर आए या आपको उसे प्यार से सहलाने का मौका मिले तो हैरान मत होइएगा। हवाई अड्डे का प्रबंधन करने वाले जीएमआर समूह ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 'थेरेपी डॉग प्रोग्राम' शुरू किया है।

आरजीआईए के सूत्रों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को शांति और आनंद देने वाला अनुभव प्रदान कराना है। उनका मानना है कि 'टॉय पूडल' (कुत्तों की प्रसिद्ध नस्ल) जैसे प्यारे से पिल्लों की उपस्थिति यात्रा से जुड़ी चिंता को कम कर सकती है, मनोदशा को बेहतर बना सकती है और हवाई अड्डे के माहौल को अधिक जीवंत बना सकती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस कार्यक्रम में चार प्रशिक्षित 'टॉय पूडल' को शामिल किया गया है और उनके साथ पेशेवर संचालक भी हैं। फिलहाल यह प्रारंभिक चरण है तथा यात्रियों की प्रतिक्रिया और परिचालन व्यवहार्यता के आधार पर भविष्य में इसे बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है।

यात्री बोला- बहुत अच्छा महसूस हुआ, वाकई एक बेहतरीन पहल

सूत्रों ने बताया, लोगों की प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक रही है। यात्रियों ने कुत्तों की मौजूदगी की सराहना की है। इन कुत्तों को व्यवहार संयमित रखने के लिए प्रशिक्षित किया गया है, फिर भी वे हमेशा पेशेवर संचालकों की निगरानी में रहते हैं। इन संचालकों को कुत्तों एवं यात्रियों दोनों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। एक यात्री ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, मैं उन्हें (कुत्तों) देखकर बहुत खुश हुआ। उन्होंने कहा, मुझे बहुत अच्छा महसूस हुआ। वाकई एक बेहतरीन पहल। कृपया इस अद्भुत काम को जारी रखें।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 अगस्त, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 09.42 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

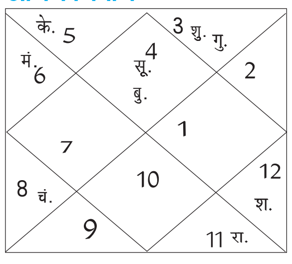

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा 06.35 तत्पश्चात अनुराधा।

मेष — आज आपको स्वास्थ्य सेवाओं में धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन आपकी सोच के बिलकुल विपरीत होगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ ईगो की समस्या हो सकती है। कानूनी मामलों को लेकर थोड़े सक्रिय रहें। दूसरों पर नियंत्रण करने की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए।

वृष — आज विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। योजना के अनुसार आपके कार्य पूरे हो जायेंगे। उच्च अधिकारी आपके ऊपर अत्यधिक निर्भर रहेंगे। व्यवसाय में काफी अच्छा काम करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा।

मिथुन — आज रोगियों की सेवा करने में अपना धन खर्च कर सकते हैं। घर का वातावरण अच्छा रहेगा। अपने विचारों से लोगों को लाभान्वित करने का प्रयास करेंगे। आज जल्दबाजी में कोई काम न करें वरना आपको दोबारा वही काम दोहराना पड़ सकता है।

कर्क — आज कारोबार में उम्मीद से अधिक लाभ मिलेगा। किसी के ऊपर भी सहज विश्वास न करें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। आपके रुके काम बन सकते हैं। विद्वानों के साथ संगत होगी। आपके मन में जिम्मेदारी का भाव रहेगा।

सिंह — आज परिवार में लोगों के प्रति व्यवहार अच्छा रखें। सेहत को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं। बच्चों के भविष्य की चिंता हो सकती है। वाणी और व्यवहार में संतुलन बनाकर रखें। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है।

कन्या — आज विदेश जाने के इच्छुक लोगों को अवसर मिल सकते हैं। छात्र पढ़ाई को लेकर काफी सतर्क रहेंगे। आपको किसी मित्र से शुभ सूचना या सलाह मिल सकती है। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आयें। आज आप अत्यधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला — आज कानून की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। प्रशासन के लोगों को तनाव का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्चों को नियन्त्रित रखें। धार्मिक कार्यक्रम की योजना बनायेंगे। इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक — आज आपका पूरा ध्यान करियर को आगे बढ़ाने को लेकर रहेगा। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक समय बितायेंगे। दिनचर्या अत्यन्त अनुशासित रहने वाली है। अपने कार्य को बेहतर बनाने का प्रयास करें। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी।

धनु — आज नए व्यवसाय पर धन खर्च करना आपके लिए उचित नहीं है। मन में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रेम संबंधों को लेकर परेशानी होने की आशंका है। कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक यात्रा का जोखिम न लें।

मकर — आज कुछ अच्छा समाचार आपको मिल सकता है। आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा। आपको पुराने अनुभवों का आज पर्याप्त लाभ मिलेगा। संगीत और साहित्य से जुड़े लोगों को ख्याति प्राप्त हो सकती है। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा।

कुंभ — आज सोशल मीडिया में आप काफी सक्रिय रहने वाले हैं। फाइनेन्स से जुड़ी गतिविधियों से धन लाभ होगा। अपने विवेक का पालन करें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। पिता की सलाह से आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त होगा। लोग आपके विचारों से सहमत होंगे।

मीन — आज आपको एकपक्षीय सोच रखने से बचना चाहिए। आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। नकारात्मक लोगों के संपर्क में न रहें। सोचे हुए काम आसानी से पूरे होते प्रतीत होंगे। भाइयों और मित्रों से मतभेद दूर होंगे।

सुडोकू -58

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6	1				4			8
							9	
3	5		1			6		
		7					8	
		3			8	9		
	9				1			7
		6					7	9
	8						4	
5			9					6

सुडोकू - 57 का हल

4	8	1	7	6	9	3	2	5
2	9	7	5	4	3	6	1	8
3	5	6	1	2	8	7	9	4
6	2	4	3	8	7	1	5	9
7	3	5	9	1	2	4	8	6
9	1	8	6	5	4	2	7	3
5	6	9	4	7	1	8	3	2
8	7	3	2	9	6	5	4	1
1	4	2	8	3	5	9	6	7

“सब कुछ गेंदबाजों पर निर्भर करता है। अगर इंग्लिश गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर सकते हैं तो वे मुकाबले में आ जाएंगे। ये 2025 सफेद क्रिकेट गेंदें हैं, 2018 लाल ड्यूक्स नहीं। यह थोड़ा अलग होगा।
–डेविड वार्नर

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 3 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा यूनाइटेड किंगडम की एम्मा राडुकानू के खिलाफ रिटर्न करती हुईं। एजेंसी

अमांडा ने राडूकानू को हराया

मांट्रियल : पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने नेशनल बैंक ओपन टूर्नामेंट में इंग्लैंड का एम्मा राडूकानू को 6.2, 6.1 से हराया। अब वह यूक्रेन की दसवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना से खेलेंगी जिन्होंने रूस की अन्ना कालिंस्काया को 6 .1, 6 .1 से शिकस्त दी। दो बार की गत चैंपियन जेसिका पेगुला तीसरे दौर में अनास्तासिया सेवास्तोवा से 6 .3, 4 .6, 1 .6 से हार गई। लातविया की 35 वर्ष की सेवास्तोवा 2018 में 11वीं रैंक पर थी, लेकिन अब 386वें स्थान पर खिसक गई। अब उनका सामना जापान की नाओमी ओसाका से होगा। जिन्होंने लातविया की येलेना ओस्टापेंको को 6 .2, 6 .4 से हराया।

लक्ष्य सेन, मन्नेपल्ली का अभियान समाप्त

मकाऊ : भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और थारुन मन्नेपल्ली की शनिवार को मकाऊ ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार के साथ बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का अभियान समाप्त हो गया। मकाऊ ईस्ट एशियन गेम्स डोम में 39 मिनट तक चले मुकाबले में पेरिस 2024 सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन को पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन इंडोनेशिया के विश्व नंबर 25 अल्वी फरहान से 16–21, 9–21 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा। अन्य मुकाबले में थारुन मन्नेपल्ली को मलेशिया के जस्टिन होह से हार का सामना करना पड़ा।

मुक्केबाजी समिति के अध्यक्ष का इस्तीफा

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाजी की अंतरिम समिति के अध्यक्ष अजय सिंह ने महासंघ के आगामी चुनावों में भाग लेने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है जिसमें विश्व मुक्केबाजी (डब्ल्यूबी) के अध्यक्ष बोरिस वान डर वोर्स्ट पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा लेंगे। अंतरिम समिति द्वारा चुनाव की तारीख 21 अगस्त की औपचारिक घोषणा के एक दिन बाद शुक्रवार को सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। विश्व मुक्केबाजी ने अंदरूनी कलह के चलते भारतीय मुक्केबाजी के दैनिक मामलों की देखरेख के लिए अप्रैल में अंतरिम समिति का गठन किया था।

शमी ईस्ट जोन के दल में शामिल

कोलकाता : भारत और बंगाल के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर मैदान में वापसी करने वाले हैं। शमी को ईस्ट जोन के दल में दलीप ट्रॉफी 2025–26 के लिए शामिल किया गया है। इशान किशन सितारों से भरे हुए इस दल की कप्तानी करेंगे। 15 सदस्यीय दल में आकाश दीप, मुकेश कुमार और रियान पराग. अभिमन्यु ईश्वरन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। ईश्वरन को इस दल का उप-कप्तान बनाया गया है। 34 वर्षीय शमी आख़िरी बार आईपीएल 2025 में खेले थे, जहां उन्होंने अपनी नई टीम सनराइजर्स हैदराबाद के लिए नौ पारियों में छह विकेट लिए थे।

श्रीशंकर ने लंबी कूद का खिताब जीता

नई दिल्ली : लंबी कूद के अनुभवी भारतीय खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने लंबी चोट से वापसी करते हुए कजाकिस्तान के अल्माटी में शनिवार को कोसानोव मेमोरियल एथलेटिक्स मीट में शीर्ष स्थान के साथ लगातार तीसरी प्रतियोगिता में खिताब पर कब्जा कर लिया। इस 26 साल के खिलाड़ी ने विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्तर (श्रेणी सी) मीट में अपने पहले प्रयास में 7.94 मीटर की छलांग के साथ खिताब पक्का किया। उनके अन्य प्रयास 7.73 मीटर, 7.58 मीटर, 7.57 मीटर, 7.80 मीटर और 7.79 मीटर थे।

निर्णायक मोड़ पर पहुंचा अंतिम टेस्ट मैच

इंग्लैंड को जीत के लिए और 324 रन की जरूरत, भारत को चाहिए नौ विकेट

यशस्वी जायसवाल।

लंदन, एजेंसी

भारत पांच मैचों की श्रृंखला के आखिरी टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को यहां जीत के लिए रिकॉर्ड 374 रन का लक्ष्य देने के बाद इंग्लैंड का 50 रन पर एक विकेट चटकाने में सफल रहा। भारत को श्रृंखला को 2-2 से बराबर करने के लिए और नौ विकेट की जरूरत है जबकि इंग्लैंड के सामने जीत के लिए और 324 रन बनाने की मुश्किल चुनौती है। दिन के आखिरी ओवर में मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली (14) को बोल्ड का भारत को बड़ी सफलता दिलायी। इस समय बेन डकेट 34 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। क्रॉली के आउट होते ही दिन के खेल की समापन की घोषणा कर दी गई।

इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने तीन जीवनदान का फायदा उठाते हुए मुश्किल परिस्थितियों में (118) की शतकीय पारी खेली। उन्होंने आकाशदीप (66) के साथ तीसरे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी की। कप्तान शुभमन गिल और करुण नायर के सस्ते में आउट होने के बाद वाशिंगटन सुंदर (53) और रविंद्र जडेजा (53) ने अर्धशतकीय पारियों से सुनिश्चित किया की मैच पर भारत का दबदबा बना रहे। ओवल में चौथी पारी में सफलतापूर्वक सबसे बड़ा लक्ष्य का पीछा 263 रन का है। ऐसे में इंग्लैंड को इस मैच को जीतने के लिए चौथी पारी में रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करना होगा। जायसवाल ने मौजूदा दौरे के दूसरे और करियर के छठे शतकीय पारी के दौरान 164 गेंद का सामना करते हुए 14 चौके और दो छक्के जड़े। इस 23 साल के वामहस्त बल्लेबाज ने आकाशदीप के साथ शतकीय साझेदारी के बाद करुण नायर (17) के साथ 40 और जडेजा के साथ 44 रन भी अहम साझेदारियां निभा कर टीम को बड़े स्कोर की अग्रसर किया।

आकाशदीप ने दिन के शुरुआती सत्र में इंग्लैंड के गेंदबाजों का बेखौफ होकर सामना किया। उन्होंने 94 गेंद की पारी में 12 चौके जड़कर जायसवाल पर दबाव को हावी नहीं होने दिया। दिन के आखिरी सत्र में पिछले मैच के शतकवीर जडेजा और सुंदर ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए जडेजा ने अपनी पारी के दौरान 77 गेंद का सामना किया तो वहीं सुंदर ने आखिरी विकेट के लिए प्रसिद्ध कृष्णा के साथ 39 रन की साझेदारी की जिसमें रनों के लिहाज से कृष्णा का कोई योगदान नहीं था। सुंदर ने 46 गेंद की आक्रामक पारी में चार चौके और चार छक्के जड़े। उन्होंने गस एटकिंसन के खिलाफ लगातार दो चौके और छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। भारतीय गेंदबाजों ने इसके बाद दूसरी पारी में इंग्लैंड की आक्रामक सलामी जोड़ी को तेजी से रन बनाने का मौका नहीं दिया। आकाशदीप, सिराज और कृष्णा ने ऑफ स्टंप के करीब गेंदबाजी कर दबाव बनाये रखा। कप्तान शुभमन गिल (11) ने दिन के पहले सत्र के आखिर में दो शानदार चौके जड़े थे पर लंच के बाद पहली ही गेंद पर गस एटकिंसन ने उन्हें पगबाधा कर दिया। गिल ने इस सीरीज का अंत 754 रन के साथ किया। नायर (17) एक बार फिर अच्छी शुरुआत के बाद विकेट गंवा बैठे।

भारतीय बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर आक्रामक पारी के दौरान शॉट लगाते हुए। एजेंसी

भारत पहली पारी : 224 रन
इंग्लैंड पहली पारी : 247 रन

भारत दूसरी पारी

396/10 (88 ओवर)

जायसवाल का ओवरटन बो टंग	118
लोकेश राहुल का रूट बो टंग	07
सुदर्शन पगबाधा बो एटकिंसन	11
आकाशदीप का एटकिंसन बो ओवरटन	66
शुभमन गिल पगबाधा एटकिंसन	11
नायर का स्मिथ बो एटकिंसन	17
रविंद्र जडेजा का ब्रुक बो टंग	53
ध्रुव जुरेल पगबाधा ओवरटन	34
वाशिंगटन सुंदर का क्रॉली बो टंग	53
मोहम्मद सिराज पगबाधा टंग	00
प्रसिद्ध कृष्णा नाबाद	00

गेंदबाजी : एटकिंसन 27–3–127–3, टंग 30–4–12–5, ओवरटन 22–2–98–2, बेथल 4–0–13–0, रूट 5–1–15–0

इंग्लैंड दूसरी पारी

50/1 (13.5 ओवर)

जैक क्रॉली बोल्ड सिराज	14
बेन डकेट नाबाद	34

गेंदबाजी : आकाशदीप 5–1–15–0, कृष्णा 5–1–23–0, सिराज 3 .5–0–11–1

गावस्कर का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए शुभमन गिल

■ **लंदन :** भारतीय कप्तान शुभमन गिल सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर का एक सीरीज में सर्वाधिक 774 रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए। गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में 11 रन बनाकर आउट हो गए। गिल के इस सीरीज में 754 रन रहे और उनके हाथ से गावस्कर का 1970–71 में वेस्ट इंडीज में 774 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका निकल गया। लेकिन गिल एक सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दुनिया में 19वें नंबर पर पहुंच गए। मौजूदा भारतीय कप्तान ने हालांकि अपने 754 रनों से गावस्कर का 1978–79 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में 732 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया और सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। बतौर कप्तान गिल अब ग्राहम गूच के 752 रन को छोड़ कर एक सीरीज में दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे ऊपर अब सिर्फ़ डॉन ब्रैडमैन (810) रन हैं।

दिव्या को मिला तीन करोड़ का पुरस्कार

नागपुर, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को यहां फिडे महिला शतरंज विश्व कप चैंपियन दिव्या देशमुख को सम्मानित किया और उन्हें तीन करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया।

उन्नीस साल की दिव्या 28 जुलाई को महिला विश्व कप का खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। उन्होंने फाइनल के टाई ब्रेकर में हमवतन कोनेरू हम्पी को हराया जिससे वह खिताब जीतने के साथ ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। दिव्या नागपुर की मूल निवासी हैं जहां से मुख्यमंत्री फडणवीस भी आते हैं। दिव्या ने शहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्हें सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस और नागपुर के लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि जीवन में ऐसे पल बहुत कम ही मिलते हैं। उन्होंने कहा यह मेरे लिए बहुत खास पल है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं बच्चों के लिए प्रोत्साहन और प्रेरणा का एक छोटा सा हिस्सा बन सकी। मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार और महाराष्ट्र शतरंज संघ को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिव्या को नकद पुरस्कार के रूप में तीन करोड़ रुपये का चेक सौंपा और उनके भविष्य के प्रयासों में सहयोग का आश्वासन दिया।

शतरंज विश्व कप चैंपियन दिव्या देशमुख व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस।

● **महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने विश्व शतरंज चैंपियन दिव्या देशमुख को किया सम्मानित**

मुख्य न्यायाधीश ने की मुलाकात

■ **नागपुर :** मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने शनिवार को यहां दिव्या देशमुख के घर जाकर उन्हें बधाई दी। मुख्य न्यायाधीश अमरावती से हैं और दिव्या के दादा स्वर्गीय डॉ. केजी देशमुख कभी संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के कुलपति थे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उनके पिता और स्वर्गीय केजी देशमुख बहुत करीबी दोस्त थे।

भारत ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अंडर 17 का जीता खिताब

नई दिल्ली : भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने आज कहा कि भारत ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अंडर-17 महिला टीम का खिताब जीत लिया है।

डब्ल्यूएफआई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह घोषणा करते हुए लिखा भारत ने 151 अंकों के साथ विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अंडर-17 महिला टीम का खिताब जीता। अमेरिका (दूसरे) और जापान (तीसरे) स्थान पर रहा। भारतीय युवा पहलवानों के लिए गर्व का क्षण।” डब्ल्यूएफआई के अनुसार भारतीय महिला कुश्ती टीम ने दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य सहित कुल छह पदक जीते। यह उपलब्धि विश्व मंच पर भारत की अंडर-17 महिला कुश्ती टीम की लगातार दो ऐतिहासिक जीत का प्रतीक है। 151 अंकों के साथ, भारत ने कुश्ती की दिग्गज टीम अमेरिका को पछाड़ा। अमेरिका 142 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

जो रूट को चिढ़ाना भारत की रणनीति का हिस्सा था : प्रसिद्ध

लंदन, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अच्छे दोस्त जो रूट के साथ पांचवें और आखिरी क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन हुई नोंकझोंक का पूरा मजा लिया और उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के इस अनुभवी बल्लेबाज को गुस्सा दिलाना टीम की रणनीति का हिस्सा था।

प्रसिद्ध और रूट के बीच तनाव के कारण अंपायरों को दखल देना पड़ा। आम तौर पर शांत रहने वाले रूट 22वें ओवर में चौके बाद प्रसिद्ध की टिप्पणी से खुश नहीं थे। प्रसिद्ध ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा यह छोटी सी बात थी। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने की वजह से ऐसा हो जाता है। हम मैदान से बाहर अच्छे दोस्त हैं। यह हल्की नोंकझोंक थी और हम दोनों ने इसका मजा लिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि रूट को चिढाना अनायास नहीं हुआ था। उन्होंने कहा यह हमारी रणनीति थी। लेकिन मैने सोचा नहीं था कि मेरे कुछ शब्दों पर वह इतनी कड़ी प्रतिक्रिया देंगे। जैसा कि मैने कहा कि मुझे वह बहुत पसंद है और वह खेल के लीजैंड हैं। इस गेंदबाज ने कहा यह अच्छी बात है कि हम दोनों अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे थे। बल्लेबाज से हल्की फुल्की बात होते रहने पर गेंदबाजी में मुझे मजा आता है।

प्रसिद्ध कृष्णा व जो रूट। (फाइल फोटो)

वार्नर ने रूट पर एशेज को लेकर कटाक्ष किया

■ **लंदन :** डेविड वार्नर ने कहा कि अगर इंग्लैंड को इस सर्दी में ऑस्ट्रेलिया में सफल होना है, तो जो रूट को अपने अगले पैर से सर्फबोर्ड हटाना होगा। 38 वर्षीय वार्नर, द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट के साथ खेलने के लिए इंग्लैंड में हैं और हालांकि वह एक महीने के लिए लॉर्ड्स को अपना घर कहने के लिए उत्सुक हैं, पर वह अपने पूर्व एशेज प्रतिद्वंद्वियों पर कटाक्ष करने से खुद को नहीं रोक पाए। इंग्लैंड नवंबर में एशेज में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा, जब वे 10 साल में पहली बार एशेज शृंखला जीतने की कोशिश करेंगे। वार्नर ने बीबीसी स्पोर्ट से कहा इसमें सबसे बड़ा एंकर रूटी है, जिन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया में शतक नहीं बनाया है।

सीएसके की बल्लेबाजी में अब समस्या नहीं : धोनी

चेन्नई, एजेंसी

● **रुतुराज गायकवाड़ की वापसी से प्रसन्न हैं माही**

दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने शनिवार को कहा कि रुतुराज गायकवाड़ की वापसी आईपीएल के अगले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स की बल्लेबाजी को मजबूत करेगी। गायकवाड़ पिछले सत्र में कोहनी की चोट के कारण आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाद ही बाहर हो गए थे।

गायकवाड़ की जगह धोनी ने चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी संभाली थी लेकिन पांच बार की चैंपियन टीम की बल्लेबाजी लगातार संघर्ष करते रही। टीम 14 मैचों में से सिर्फ चार जीत के साथ तालिका में 10वें स्थान पर रही थी। धोनी ने यहां एक निजी समारोह के दौरान इस बात का संकेत दिया कि चेन्नई की टीम गायकवाड़ को टीम में बनाये रखेगी। उन्होंने कहा हम अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़े चिंतित थे लेकिन मुझे लगता है कि अब हमारा बल्लेबाजी क्रम काफी व्यवस्थित है। रुतु वापसी करेंगे। उन्हें चोट लगी थी। वह वापसी करेंगे तो अब हम काफी व्यवस्थित हो जायेंगे।

धोनी गायकवाड़ की सीएसके में वापसी से खुश हैं, पर उन्होंने कहा फ्रेंचाइजी इस साल के अंत में होने वाली नीलामी के जरिए टीम को और मजबूत करने की कोशिश करेगी। मैं यह नहीं कहूंगा कि हमने (आईपीएल 2025 में) ढिलाई बरती। कुछ कमियां थीं जिन्हें दूर करने की जरूरत थी।

महेंद्र सिंह धोनी। एजेंसी

भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच दुबई में खेला जाएगा

दुबई : भारत और पाकिस्तान के बीच नौ सितंबर से शुरू हो रहे आगामी एशिया कप के दो अहम मैच दुबई में खेले जाएंगे। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने शनिवार यह घोषणा की।

भारत और पाकिस्तान के बीच लीग चरण का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में होगा। दोनों टीमों के बीच सुपर सिक्स चरण का संभावित मैच 21 सितंबर को इसी स्थान पर खेला जाएगा। 29 सितंबर को होने वाला फाइनल भी दुबई में ही होगा। अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए, यह टूर्नामेंट टी20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में खेला जाएगा। एसीसी ने मैचों की घोषणा 26 जुलाई को कर दी थी लेकिन इसके आयोजन स्थल की घोषणा शनिवार को की गयी। टूर्नामेंट में कुल 19 मैचों में से 11 मैच दुबई में और आठ मैच अबू धाबी में खेले जाएंगे। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, ओमान और यूएई के साथ है।

इंतजार | **कोलकाता, दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद स्वागत के लिए तैयार**

दिसंबर में भारत आएंगे स्टार फुटबॉलर मेसी

कोलकाता, एजेंसी

अगर सब कुछ अनुकूल रहा तो कोलकाता के फुटबॉल प्रेमियों को एक दशक बाद महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दीदार का मौका मिलेगा। जो कोलकाता के बाद अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली भी जाएंगे। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

जानकार सूत्रों ने बताया कि मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम की बुकिंग समेत सारी औपचारिकतायें पूरी कर ली गई है लेकिन मेस्सी की ओर से आधिकारिक पुष्टि मिलना बाकी है। सूत्र ने कहा सब कुछ तय हो गया है और हमें मेस्सी से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है । जल्दी ही उसके सोशल मीडिया हैंडिल पर इसकी जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा अभी प्रस्तावित कार्यक्रम पर सहमति बन गई है । हमें सोशल मीडिया पर उनकी ओर से पुष्टि का इंतजार है जो जल्दी ही आएगी। कार्यक्रम के अनुसार मेस्सी 12 दिसंबर को रात दस बजे कोलकाता पहुंचेंगे, जहां वह दो दिन और एक रात रुकेंगे। कोलकाता में 13 दिसंबर को सुबह नौ बजे मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम होगा जिसके बाद वीआईपी रोड पर लेकटाउन श्रीभूमि में उनकी 70 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण होगा। इसके बाद वह ईडन गार्डंस जायेंगे जहां दोपहर 12 से डेढ बजे तक जीओएटी कप और जीओएटी कन्सर्ट होगा। सूत्र ने कहा वह प्रति टीम सात खिलाड़ियों का सॉफ्ट टच और सॉफ्ट बॉल मैच खेलेंगे जिसमें सौरव गांगुली, लिएंडर पेस, जॉन अब्राहम और बाईचुंग भूटिया भी होंगे। ईडन गार्डंस पर होने वाले इस आयोजन के लिये टिकट की न्यूनतम दर 3500 रूपये होगी। हमें उम्मीद है कि 68000 की क्षमता वाला स्टेडियम खचाखच भरा होगा। मेस्सी वहां एक घंटा 20 मिनट तक होंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें वहां सम्मानित कर सकती हैं।

लियोनेल मेसी। एजेंसी (फाइल फोटो)

अहमदाबाद में निजी कार्यक्रम में भाग लेंगे

■ मेसी 13 दिसंबर की शाम को अहमदाबाद में अडाणी फाउंडेशन के निजी कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे जहां सीसीआई पर शाम 3 .45 पर ‘मीट एंट ग्रीट’ कार्यक्रम होगा। इसके बाद वानखेड़े स्टेडियम पर 5 . 30 से जीओएटी कप और कन्सर्ट होगा। सूत्र ने बताया कि इसके लिये वानखेड़े स्टेडियम की बुकिंग हो चुकी है। मीडिया रपटों में कहा गया था कि मेस्सी सात सात खिलाड़ियों वाला क्रिकेट मैच एम एस धोनी और विराट कोहली के साथ खेल सकते हैं लेकिन सूत्र ने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा मुंबई में कोई क्रिकेट मैच नहीं हागा । भारतीय हस्तियों की मौजूदगी में सॉफ्ट बॉल और सॉफ्ट टच मैच ही होगा जो उनके सफर का जश्न होगा।